राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 एपल मैप्स पर दिखेगा लेक अमेरिका नाम: टंप....

मेसी के संन्यास पर पत्नी हुई भावुक.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 130 | नई दिल्ली, बुधवार, 02 सितंबर, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 27.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	40%
नहीं	40%
कह नहीं सकते	20%

बाजार

सोना	1,24,514
चांदी	2,42,674
सेंसेक्स	74,212.85
निफ्टी	24,959.63

प्रधानमंत्री ने 7 .8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि पर जताई खुशी, विदेशी यात्राओं और गैर-जरूरी सोना खरीद से बचने की अपील

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अप्रैल-जून 2026 तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था की 7.8 प्रतिशत वृद्धि पर देशवासियों को बधाई देते हुए मंगलवार को विकास की गति बनाए रखने के लिए आत्मनिर्भरता और स्वदेशी पर जोर देने की अपील की। उन्होंने लोगों से गैर-जरूरी विदेशी यात्राओं, विदेश में शादियों और आवश्यकता नहीं होने पर सोना खरीदने से बचने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम पर जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि दुनिया युद्ध में डूबी हुई है। विश्व संकटों से घिरा हुआ है और सप्लाई चेन बाधित है बावजूद इसके भारत ने अच्छी प्रगति की है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद से दुनिया में स्थिरता नहीं रही, लेकिन भारत ने अपनी नीतियों, इरादों और लोगों की ताकत के बल पर बेहतर प्रदर्शन किया है। मोदी ने देश की तरक्की को लेकर निराशा फैलाने वालों पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। दूसरी तरफ देश के भीतर भी निराशा की गर्त में डूबे लोग चारों

ओर झूठ की गूंज फैलाने में लगे हैं। इस सब चुनौतियों के बावजूद भारत ने 7.8 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें अपनी विकास की गति को बनाए रखना है और इसके लिए हमें आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने देशवासियों से ह्यवोकल फॉर लोकल की भावना को और मजबूत करने तथा स्थानीय एवं स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि विदेश यात्रा केवल घूमने-फिरने के लिए की जा रही है तो उससे बचना चाहिए। इसी तरह विदेश में शादी करने से भी बचना चाहिए। जब तक आवश्यक न हो, तब तक सोना भी नहीं खरीदना चाहिए। मोदी ने कहा कि स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर जितना अधिक जोर दिया जाएगा, उतना ही भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर देश की युवा पीढ़ी को एक विकसित भारत सौंपने का लक्ष्य पूरा किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की प्रगति के बावजूद कुछ लोग नकारात्मकता और झूठ फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन भारत आगे बढ़ता रहा है। देश की मेहनत और सामूहिक प्रयास युवाओं के सपनों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मोदी ने कहा कि आज की जा रही कोशिशों से देश के युवाओं की उम्मीदें पूरी होंगी। उन्होंने कहा कि हम आज अपनी कड़ी मेहनत से युवा पीढ़ी के सपने पूरे करेंगे। उन्होंने नागरिकों से भारत की आर्थिक तरक्की में योगदान देने की अपील भी की और कहा कि सरकार की नीतियां और इरादे सही दिशा में हैं। मोदी ने कहा कि हमारी नीति सही है, हमारा इरादा साफ है और आज 140 करोड़ देशवासियों की एकजुट ताकत देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है।

आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करने के लिए एससीओ को एकजुट होकर काम करना होगा: प्रधानमंत्री मोदी

प्रात : किरण, एजेंसी

बिश्केक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) को आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करने और उसे मिलने वाली वित्तीय मदद रोकने के लिए एकजुट होकर काम करना होगा तथा आतंकवाद से निपटने में दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में एससीओ के वार्षिक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि युद्ध के मैदान में किसी समस्या का समाधान नहीं निकल सकता तथा दुनिया के सभी युद्ध एवं संघर्ष का हल संवाद एवं कूटनीति के जरिये निकाला जाना चाहिए। मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि संपर्क बाढ़ाने वाली परियोजनाओं में सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। उनकी इस टिप्पणी को चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की ओर परोक्ष संकेत के रूप में देखा जा रहा है। आतंकवाद से निपटने की

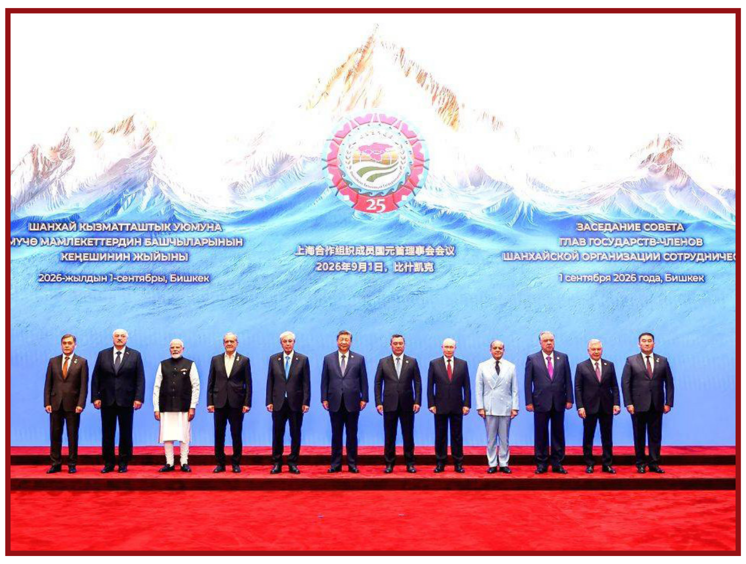

जरूरत पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी ऐसे समय में विशेष महत्व रखती है जब भारत सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान को अलग-थलग करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। मोदी ने कहा, हमें आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करने के साथ-साथ उसे मिलने वाली वित्तीय मदद को भी रोकना होगा। उन्होंने कहा, ह्यह्यहमें एक स्वर में कहना होगा कि आतंकवाद से निपटने में दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्ध एवं संघर्षों का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं निकल सकता और इन्हें संवाद एवं कूटनीति के जरिये सुलझाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत बाजारों को जोड़ने, व्यापार को सुगम बनाने और विकास के नए रास्ते खोलने वाले सभी प्रयासों का समर्थन करता है। मोदी ने साथ ही कहा कि संपर्क बढ़ाने के प्रयासों में सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ह्यह्यभारत के लिए एससीओ महान सभ्यताओं, संस्कृतियों और विचारों का संगम है। मोदी ने कहा कि एससीओ को लेकर भारत की सोच के तीन मुख्य स्तंभ झ्र सुरक्षा, संपर्क और अवसर हैं।

यूपी पटाखा फैक्ट्री विस्फोट अब तक 13 की मौत

मलबे से जिंदा निकली बच्ची दहशत से बोल नहीं पा रही; बेटे की लाश खोजता रहा पिता

प्रात : किरण, एजेंसी

यूपी। में प्रयागराज-कौशांबी बॉर्डर पर अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। मंगलवार दोपहर मेडिकल कॉलेज में एक घायल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, एक अन्य शव पोस्टमॉर्टम हाउस में रखा था। बुजुर्ग पिता ने उसकी पहचान अपने बेटे सुनील के रूप में की। दरअसल, सोमवार को सुनील का सिर्फ एक पैर मिला था, लेकिन शव नहीं मिला था। मंगलवार सुबह उसके पिता सरजू दास मलबे में बेटे की तलाश करते दिखे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें पोस्टमॉर्टम हाउस भेजा। यहां उन्होंने शव की शिनाख्त की। इधर, मलबे से जिंदा निकली बच्ची हादसे के सदमे में है। आज डिस्चार्ज होकर घर पहुंची तो भास्कर रिपोर्टर ने उससे बात करने की कोशिश की, लेकिन बच्ची इतनी दहशत में थी कि कोई जवाब नहीं दे पाई। मामले में लापरवाही बरतने पर एक इंस्पेक्टर, 6 दरोगा समेत 9 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया। मंगलवार तड़के फैक्ट्री मालिक नौशाद (50) को पुलिस ने एनकाउंटर के बाद अरेस्ट कर लिया। उसे पैर में गोली लगी है। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। हादसे में जान गंवाने वाले 8 बच्चों समेत 13 शवों का थोड़ी देर में पोस्टमॉर्टम होगा। 3 शवों का प्रयागराज जबकि 8 शवों का पोस्टमॉर्टम कौशांबी में होगा। सोमवार दोपहर 11.30 बजे फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हुआ था। इसमें आसपास के 3 मकान जमींदोज हो गए। 5 मकान टूट गए थे। हादसे के बाद रात साढ़े 7 बजे फैक्ट्री से 400 मीटर दूर बनाए नौशाद के पटाखा गोदाम को बुलडोजर से ढहा दिया गया। फैक्ट्री में विस्फोट किस वजह हुआ, यह अभी तक साफ नहीं है। हालांकि, एक महिला ने बताया था- बिजली का खंभा गिरने के बाद फैक्ट्री में रखे बारूद में तेज धमाका हुआ। फैक्ट्री प्रयागराज में मनौरी एयरफोर्स स्टेशन से करीब 2 किलोमीटर दूर चल रही थी।

संक्षिप्त खबरें

युवा शक्ति, स्वदेशी तकनीक और नवाचार से बनेगा विकसित भारत: संजय सेठ

नई दिल्ली। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने मंगलवार को कहा कि भारत की युवा शक्ति, स्वदेशी तकनीक, रक्षा क्षमता और नवाचार देश को आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में युद्ध अब केवल पारंपरिक सैन्य क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि अंतरिक्ष, साइबर, इलेक्ट्रॉनिक और सूचना क्षेत्र भी निर्णायक बन चुके हैं। ऐसे में तीनों सेनाओं के बीच संयुक्तता और एकीकरण के साथ पूरे राष्ट्र की क्षमताओं के समन्वित उपयोग की आवश्यकता है। संजय सेठ एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय के अंतर्गत संयुक्त युद्ध अध्ययन केंद्र की ओर से यहां मानेकशॉ सेंटर में आयोजित ह्यरक्षा बलों के दृष्टिकोण से राष्ट्रीय पुनरुत्थानह्ण विषयक दूसरे वार्षिक ट्राइडेंट व्याख्यान में यह बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख एवं संयुक्त युद्ध अध्ययन केंद्र के अध्यक्ष एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने की। संयुक्त युद्ध अध्ययन केंद्र के महानिदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) अशोक कुमार ने उद्घाटन सत्र का संचालन किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, रणनीतिक विशेषज्ञ, राजनयिक और रक्षा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ मौजूद रहे। संजय सेठ ने कहा कि भारत की युवा शक्ति देश के विकास और सुरक्षा की सबसे बड़ी ताकत है। सीमाओं पर सशस्त्र बलों के जवान देश की सुरक्षा के लिए कठिन परिस्थितियों में डटे हुए हैं। उनके पराक्रम और देश के युवाओं की ऊर्जा ने भारत को दुनिया में नई पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल अपने लिए निर्माण करने वाला देश नहीं है, बल्कि दुनिया के लिए निर्माण करने की क्षमता विकसित कर रहा है। उन्होंने ह्यमेक इन इंडियाह्ण से ह्यमेक फॉर द वर्ल्डह्ण तक की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

नेपाल में फिर बाढ़ का अलर्ट नदियों का जलस्तर बढ़ा

मौत का आंकड़ा 1 हजार के पार हुआ, सबसे ज्यादा चितवन में 321 शव बरामद

नई दिल्ली। नेपाल में नदियों का जलस्तर बढ़ने के बाद 7 जिलों में बाढ़ का नया अलर्ट जारी किया गया है। अधिकारियों ने रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा, तनहूं, नवलपरासी और चितवन जिलों में नदियों के किनारे बसे इलाकों के लिए चेतावनी जारी की है। 26 अगस्त को तिब्बत में ग्लेशियर टूटने के बाद नेपाल के कई इलाकों में अचानक बाढ़ और भूस्खलन हुआ। इस आपदा में मौत का आंकड़ा 1 हजार के पार हो चुका है। नेपाल में 1003 और तिब्बत में 16 लोगों की मौत हुई है। चितवन में अब तक सबसे ज्यादा 321 शव बरामद हुए हैं। जबकी 4400 से ज्यादा लोग लापता हैं। राहत कोष में 363.94 करोड़ रुपए जमा नेपाल सरकार ने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए प्रधानमंत्री आपदा राहत कोष और प्रधानमंत्री कोष के जरिए आर्थिक सहायता जुटानी शुरू की है। सरकार के मुताबिक, सोमवार दोपहर तक नौ वाणिज्यिक बैंकों में प्रधानमंत्री राहत कोष के खातों में 5.87 अरब नेपाली रुपए यानी करीब 363.94 करोड़ भारतीय रुपए जमा हो चुके थे। इसके अलावा हिमालयन बैंक और लक्ष्मी बैंक के खातों में लगभग 30.29 करोड़ रुपए जमा हुए हैं। बाढ़ में बह गए स्कूल को भारत फिर से बनाने में मदद करेगा नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने नुवाकोट के त्रिभुवन त्रिशूली सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल राजेंद्र दवाड़ी से मुलाकात की। यही वह स्कूल है, जो बाढ़ में बह गया था। बाढ़ आने से पहले प्रिंसिपल दवाड़ी ने खतरे को भांप लिया और समय रहते स्कूल खाली करा दिया। इससे सैकड़ों बच्चों की जान बच गई। राजदूत ने बताया कि यह स्कूल 1950 के दशक में बना था। इसकी नई इमारत 2022 में भारत की मदद से बनाई गई थी, लेकिन बाढ़ में वह भी तबाह हो गई।

सुप्रीम कोर्ट ने जंतर-मंतर प्रोटेस्ट की सभी FIR रद्द कीं

नई FIR भी दर्ज नहीं होंगी; कॉकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर का मार्च वापस लिया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 20 से 25 जुलाई के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी FIR रद्द करने का आदेश दिया। कोर्ट ने साफ किया कि जिन प्रदर्शनकारियों का आपराधिक रिकॉर्ड है, उन्हें इस राहत का फायदा नहीं मिलेगा। यह आदेश देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दर्ज मामलों पर लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उखढ ने 5 सितंबर को दिल्ली में प्रस्तावित विरोध मार्च वापस ले लिया। संगठन ने कहा कि केंद्र सरकार के आश्वासन और कोर्ट के फैसले के बाद यह फैसला लिया गया है। सरकार ने सोमवार को दाखिल किया था अंतरिम आवेदन सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिल्ली पुलिस के अंतरिम आवेदन पर सुनाया। अंतरिम आवेदन का मतलब है कि किसी मामले की सुनवाई चल रही हो और उसके दौरान किसी खास मुद्दे पर तुरंत राहत या आदेश की मांग के लिए कोर्ट में अलग

से अर्जी दी जाए। इस आवेदन में सरकार ने कहा था कि 25 जुलाई के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली पुलिस उखढ के प्रदर्शन से जुड़ी 13 ऋफको आगे नहीं बढ़ाना चाहती। यानी इन मामलों में पुलिस अब कार्रवाई जारी रखने के बजाय उन्हें खत्म करना चाहती है। कोर्ट बोला- यह फैसला संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत लिया सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि ऋफरद्द करने का फैसला सिर्फ इसी मामले के खास तथ्यों और हालात को देखकर लिया गया है, इसलिए इसे दूसरे मामलों के लिए उदाहरण और बाध्यकारी फैसला नहीं माना जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली अपनी विशेष शक्ति का इस्तेमाल इस शर्त पर किया जा रहा है कि दोनों पक्ष कोर्ट के सामने हुए समझौते का पूरी तरह पालन करेंगे। अभिजीत दीपके ने कहा- यह फैसला छात्रों की जीत कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा, अगस्त के शुरूआत में सरकार के डेलिगेशन ने हमसे बात करना बंद कर दिया था, फिर हमें लगा कि ये विश्वासघात करना चाहते हैं, इसलिए हमनें 5 सितंबर को मार्च निकालेंगे का फैसला किया। आज कोर्ट में सुनवाई हुई। पूरे देश में सारे FIR को रद्दकर दिया है। यह ऐतिहासिक पल है।ह्ण अभिजीत दीपके ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट का फैसला छात्रों की जीत है। कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा, ह्यसुप्रीम कोर्ट ने छात्रों के खिलाफ चल रहे सभी अन्यायपूर्ण मुकदमों को खारिज कर दिया है। हमारी मांगें सुनी गई हैं और अब किसी भी छात्र को आगे ऐसी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। इंकलाब जिंदाबाद।ह्ण

जीडीपी दर 7.8% को लेकर भाजपा का राहुल गांधी पर वार

कहा- उन्हें देश को गुमराह करने के लिए माफी मांगनी चाहिए

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के आंकड़ों में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर 7.8 प्रतिशत रहने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आज कहा कि दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी बताने के लिएकांग्रेस नेता को अपनी गलतबयानी पर देश से माफी मांगनी चाहिए। भाजपा ने कहा कि वैश्विक संकट और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारत की मजबूत आर्थिक विकास दर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और सरकार की आर्थिक नीतियों का नतीजा है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने पार्टी के मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन ने कहा कि जिस तिमाही में खाड़ी संकट, तेल आपूर्ति की चुनौतियां और वैश्विक अनिश्चितता बनी रही, उसी दौरान भारत ने 7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर्ज की। इसी अवधि में जर्मनी की विकास दर 1 प्रतिशत, ब्रिटेन और अमेरिका की 2.1 प्रतिशत, कनाडा की 1.5 प्रतिशत और मलेशिया की 6 प्रतिशत रही। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक आर्थिक संकट के बीच भी भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व, वित्त मंत्रालय के प्रबंधन और सरकार की आर्थिक नीतियों की सराहना की। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी बताया था, लेकिन 7.8 प्रतिशत की विकास दर उनके दावों का करारा जवाब है। पार्टी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी लगातार देश की अर्थव्यवस्था को लेकर गलत बयानबाजी कर लोगों का मनोबल गिराने की कोशिश करते हैं। उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए ' रविशंकर प्रसाद ने कहा कि 2013 में भारत की अर्थव्यवस्था को फ्रैजाइल फाइव और पॉलिसी पैरालिसिस का सामना करने वाली अर्थव्यवस्था कहा जाता था, जबकि आज देश 7.8 प्रतिशत की विकास दर के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

22 हजार करोड़ के दावों पर 6.5 करोड़ के पेमेंट की मंजूरी मिली थी; 5-सदस्यीय बेंच ने रोक लगाई

सुभाष चंद्रा केस में NCLT के आदेश पर रोक

नई दिल्ली। NCLT की 5-सदस्यीय बेंच ने मंगलवार को जी ग्रुप के फाउंडर सुभाष चंद्रा के रीपेमेंट प्लान पर रोक लगा दी है। 25 अगस्त के आदेश में उनके 22,000 करोड़ से ज्यादा के बकाए कर्ज के बदले सिर्फ 6.25 करोड़ चुकाने के प्लान को मंजूरी दी गई थी कोर्ट ने सुभाष चंद्रा पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी किसी भी संपत्ति को बेचने या ट्रांसफर करने पर रोक लगा दी है। सभी संबंधित पक्षों को नोटिस भी जारी किया है। यह NCLT के इतिहास में पहली बार है, जब पांच सदस्यीय बेंच बनाई गई है। बेंच की अध्यक्षता प्रेसिडेंट जस्टिस अनूपिंदर सिंह ग्रेवाल कर रहे हैं। इसके बाकी सदस्य बचु वेंकट बालाराम दास, महेंद्र खंडेलवाल, अतुल चतुर्वेदी और रविंद्र चतुर्वेदी हैं।

सवाल 1. NCLT की 5 जजों की बेंच ने क्या फैसला सुनाया है?

जवाबः 5-सदस्यीय बेंच ने सुभाष चंद्रा के 6.25 करोड़ वाले रीपेमेंट प्लान की मंजूरी पर तुरंत रोक लगा दी है। इसके अलावा कोर्ट ने सुभाष चंद्रा पर अपनी कोई भी संपत्ति बेचने या ट्रांसफर करने पर पाबंदी लगा दी है। मामले से जुड़े सभी पक्षों को नोटिस जारी किए गए हैं।

सवाल 2. रीपेमेंट प्लान पर रोक लगाने की वजह क्या है?

जवाबः ट्रिब्यूनल ने साफ कहा कि 25 अगस्त को आया फैसला जजों के स्पष्ट बहुमत से नहीं बना था। मामले की सुनवाई करने वाले तीनों सदस्यों की राय अलग-अलग थी, इसलिए उस आदेश को वैध नहीं माना जा सकता।

सवाल 3. सुभाष चंद्रा पर कितना कर्ज है और उन्होंने क्या ऑफर दिया था?

जवाबः सुभाष चंद्रा पर बैंकों और वित्तीय संस्थानों का कुल 22,006.57 करोड़ का कर्ज बाकाया है। इस भारी-भरकम कर्ज के बदले उन्होंने सिर्फ 6.25 करोड़ चुकाने का प्रस्ताव दिया था, जिसका बैंक लगातार विरोध कर रहे थे।

सवाल 4. क्या सुभाष चंद्रा ने खुद 22,006 करोड़ का पर्सनल लोन लिया था?

जवाबः नहीं, यह रकम सुभाष चंद्रा द्वारा दी गई 'पर्सनल गारंटी' से जुड़ी है। जब किसी कंपनी या मूल कर्जदार को बैंक लोन देते हैं, तो कई बार प्रमोटर अपनी व्यक्तिगत गारंटी देता है कि अगर कंपनी भुगतान नहीं कर पाई, तो वह इसे चुकाएगा। एस्सेल ग्रुप की कंपनियों के लिए गए लोन के लिए सुभाष चंद्रा ने पर्सनल गारंटी दी थी। कंपनियों के डिफॉल्ट करने पर यह क्लेम सुभाष चंद्रा पर आ गया। इसका मतलब यह नहीं है कि उन्होंने यह सारा पैसा व्यक्तिगत तौर पर उधार लिया था।

सवाल 5. किस प्रमुख बैंक या संस्थान ने NCLT के फैसले का विरोध किया था?

जवाबः LIC हाउसिंग फाइनेंस की अगुआई में कुछ कर्जदाताओं ने इस रीपेमेंट प्लान पर आपत्ति जताई थी। छक्ळ हाउसिंग ने इसे ₹अव्यवहारिक और गैर-कानूनी₹ बताते हुए कहा था कि उन्हें 1,322.39 करोड़ के बकाए के बदले केवल 38.09 लाख दिए जा रहे हैं।

दिल्ली गैंगरेप पर राहुल बोले- नाकामी पर कब तक पर्दा डालेंगे

क्या किसी की जवाबदेही तय होगी; ड्राइवर-कंडक्टर पर चलती बस में दुष्कर्म करने का आरोप

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने दिल्ली में 16 साल की नाबालिग से स्लीपर बास में गैंगरेप के मामले को लेकर केंद्र के साथ दिल्ली और उत्तर प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 47 किमी चलती बस में लड़की के साथ गैंगरेप हुआ, लेकिन पुलिस को इसकी जानकारी तक नहीं हुई। किसी को जवाबदारी लेनी होगी। दरअसल, सोमवार को दिल्ली में नाबालिग से चलती स्लीपर बस में गैंगरेप का मामला सामने आया था। पुलिस के मुताबिक, घटना 4 अगस्त की है, जिसकी जानकारी पुलिस ने 31 अगस्त को दी। बस के ड्राइवर-कंडक्टर को अरेस्ट कर लिया गया है।

राहुल गांधी ने मंगलवार को पर पोस्ट कर कहा, ₹दिल्ली महिलाओं के लिए असुरक्षित हो गई है। स्लीपर बस में हुई घटना की जानकारी दिल्ली और नोएडा पुलिस को भी नहीं हुई। उन्होंने सवाल उठाया कि 2012 के निर्भया मामले के इतने साल बाद और महिलाओं के खिलाफ ऐसी कई घटनाओं के बावजूद स्लीपर बसों की जांच और निगरानी के नियमों का पालन क्यों नहीं हो रहा है। बस में लगे पर्दे सिर्फ उस घटना को छिपाने का जरिया नहीं थे, बल्कि ये सरकार की प्रशासनिक नाकामियों पर सालों से पड़े पर्दे को भी दिखाते हैं। राहुल गांधी ने केंद्र और राज्य सरकारों से जवाबदेही तय करने की मांग की। उन्होंने सवाल किया कि आखिर कितनी महिलाओं और लड़कियों को ऐसी घटनाएं झेलनी पड़ेंगी, तब जाकर केंद्र और राज्य सरकारें व्यवस्था में सुधार करेंगी। बस करीब 47 किमी दौड़ती रही पुलिस के मुताबिक पीड़ित ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर बस में बैठी। आरोपियों ने उसे कश्मीरी गेट पर छोड़ा। इस दौरान बस करीब 47 किमी दौड़ती रही। बस के शीशों पर पर्दे लगे थे। पुलिस ने बस ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप को गिरफ्तार किया है।

पापड़गाड़ में भारी मलबा आने से प्रशासन अलर्ट, नदी के जलस्तर पर निगरानी, मौके पर पहुंची टीम

उत्तर काशी, एजेंसी। उत्तरकाशी पापड़गाड़ में बाढ़ की सूचना से प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया। नदी के जलस्तर पर निगरानी रखी जा रही है। तहसील भटवाड़ी क्षेत्र के पापड़गाड़ में मंगलवार को बाढ़ आने की सूचना मिलने के बाद प्रशासन और संबंधित विभाग अलर्ट मोड पर आ गए हैं। स्थिति को देखते हुए यूजेवीएनएल मनेरी, जोशियाड़ा और धरासू को अलर्ट मोड पर रखा गया है। वहीं, क्षेत्र में सतर्कता बरतने और नदी के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। तहसीलदार भटवाड़ी, एसडीआरएफ, पुलिस और राजस्व उपनिरीक्षक को मामले में अवगत कराया गया है। संबंधित टीम मौके पर पहुंच गई और स्थिति पर नजर बनाए हुए है। फिलहाल पापड़गाड़ की स्थिति सामान्य बताई गई है। मसूरी-देहरादून मार्ग पर पानीवाला बैंड के पास आज मंगलवार सुबह करीब पांच बजे भू-धंसाव होने से सड़क यातायात के लिए बंद हो गया। मार्ग पर वाहनों की आवाजाही रुक गई। सूचना मिलने के बाद लोक निर्माण विभाग ने मौके पर जेसीबी मशीन लगाकर मलबा हटाने और सड़क खोलने का कार्य शुरू कर दिया। लोक निर्माण विभाग के अपर सहायक अभियंता प्रदीप सिंह शाही ने बताया कि मौके पर रोड कटिंग कार्य चल रहा है। इस स्थान पर हिल साइड कटिंग का काम भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग की टीम लगातार सड़क खोलने में जुटी हुई है। जल्द ही मार्ग को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। वहीं मार्ग बंद होने से मसूरी और देहरादून के बीच आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दोनो तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई है।

आईटीआई में स्थानीय युवाओं के लिए सीधे प्रवेश का मौका; पिथौरागढ़, एजेंसी। राजकीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में विभिन्न ट्रेड की रिक्त सीटों पर स्थानीय युवाओं को बिना परीक्षा के सीधे प्रवेश का मौका दिया जा रहा है। वर्तमान में आईटीआई पिथौरागढ़ में ही 120 सीटें खाली है। जनपद के सभी राजकीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में प्रवेश की तिथि बढ़ा दी गई है। सभी में प्रवेश की अंतिम तिथि विस्तारित कर 31 अगस्त कर दी गई है। वर्तमान में स्थानीय विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जा रहा है। आईटीआई पिथौरागढ़ में फिटर, इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल मोटर व्हीकल, ड्राफ्ट मैन सिविल, आरएसएस, आईसीटीएसएम, वेल्डर, आशुलिपि, सचिवालय सहायक, स्वीइंग टेक्नोलॉजी ट्रेड की 244 सीटों पर विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जा रहा है। अब तक 124 सीटों प्रवेश हो चुके हैं। रिक्त सीटों को भरने के लिए स्थानीय विद्यार्थियों को सीधे प्रवेश दिया जा रहा है। अभ्यर्थी सीधे संस्थान पहुंचकर अपना प्रवेश करा सकते है। प्रवेश देने के लिए संस्थान की ओर से काउंसलिंग की प्रक्रिया जारी है। पिछले वर्ष आईटीआई पिथौरागढ़ में 174 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया था, जबकि 70 सीटें रिक्त रह गई थी। इस शिक्षा सत्र संस्थान सभी रिक्त सीटों को भरने के लिए स्थानीय विद्यार्थियों को सीधे प्रवेश दे रहा है। कॉलेज में आठवीं और 10वीं पास विद्यार्थी अपना दाखिला करा सकता है।

17 सितंबर को होगा ऑनलाइन अंतरिक्ष क्रांति उत्सव

पिथौरागढ़, एजेंसी। इंडिया स्पेस वीक नई दिल्ली की ओर से जिले में ऑनलाइन अंतरिक्ष क्रांति उत्सव का आयोजन 17 सितंबर को किया जाएगा। कुमाऊं नोडल सेंटर के समन्वयक नवल चंद्र जोशी ने बताया कि कार्यक्रम में अंतरिक्ष नवाचार, सैटेलाइट, रॉकेट एडवांस्ड ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक, खगोल विज्ञान संबंधित नवाचार प्रदर्शनी, निबंध लेखन, चित्रकला और कलरिंग आदि प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इसकी थीम अंतरिक्ष विकास भारत के भविष्य को अधिक उज्ज्वल एवं आत्मनिर्भर बनाएगा विकसित भारत 2047 है। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों में नवाचार, वैज्ञानिक शिक्षा सोच विकसित होगा।स्कूल, कॉलेजों के विद्यार्थी के माध्यम से उत्सव में ऑनलाइन प्रतिभाग कर सकेंगे। अधिक जानकारी के लिए 7579 448 395 पर संपर्क किया जा सकता है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए हिमालय से बरेली तक लगा रहे दौड़

धारचूला, एजेंसी। हिमालय के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से भारतीय थल, जल, वायु सेना के पूर्व सैनिकों, सेवारत अधिकारी 500 किलोमीटर की दौड़ लगा रहे हैं। हमवीर-रन फॉर द हिमालयाज अभियान में नौ धावक 500 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए हिमालयी क्षेत्रों से बरेली तक दौड़ पूरी करेंगे। 10 दिनों तक चलने वाली इस दौड़ का उद्देश्य हिमालय को स्वच्छ, सुरक्षित रखने के प्रति लोगों में जागरूकता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। अभियान के दौरान धावक स्थानीय समुदायों से संवाद भी कर रहे हैं। धारचूला पहुंचने पर उन्होंने आर्मी स्कूल के विद्यार्थियों और पूर्व सैनिकों से मुलाकात कर अभियान के उद्देश्य और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर चर्चा की। फिट नागरिक, स्वच्छ हिमालय, सशक्त भारत के संदेश के साथ आयोजित यह अभियान हिमालय की प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के लिए जनभागीदारी को प्रोत्साहित कर रहा है।

श्रद्धानंद स्टेडियम ताड़ीखेत में 25 अक्टूबर को होगा मिलनसार महोत्सव का आयोजन

रानीखेत, एजेंसी। मिलनसार सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति टूनाकोट की ओर से आयोजित होने वाले मिलनसार महोत्सव की तैयारियों को लेकर श्री गोलज्यू महाराज मंदिर परिसर के सभागार में बैठक हुई। बैठक में तय किया गया कि महोत्सव 25 अक्टूबर को श्रद्धानंद स्टेडियम ताड़ीखेत में आयोजित होगा। कार्यक्रम में स्थानीय विद्यालयों के बच्चों के साथ संस्कार टीम अल्मोड़ा, छोलिया दल, लोकगायक प्रकाश मिलनसार और कुमाऊं के प्रसिद्ध लोकगायक इंद्र आर्या सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। समिति ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर महोत्सव को सफल बनाने की अपील की। समाजसेवी रामसिंह कार्की के संयोजन में महोत्सव की तैयारियों और व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में रानीखेत विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल, समिति अध्यक्ष उर्मिला मेहरा, सचिव महेन्द्र सिंह मेहरा, पनीराम, राजेन्द्र सिंह नेगी, रमेश खनायत, मंजीत भगत आदि मौजूद रहे।

दुष्कर्मकांड पर भड़का जनआक्रोश: लोगों ने होटल में की तोड़फोड़; पुलिस बल मौजूद, काले कारोबार की खुली परतें

ऋषिकेश, एजेंसी। ऋषिकेश के होटल में नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म की घटना के बाद लोगों का आक्रोश सड़क पर दिखाई दिया। घटना वाले होटल में तोड़फोड़ के बाद पुलिस जांच और होटल प्रबंधन की भूमिका को लेकर भी सवाल तेज हो गए हैं। इस बीच महिला आयोग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए हैं। ऋषिकेश में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले को लेकर लोगों का गुस्सा भड़क उठा। घटना वाले होटल में लोगों ने तोड़फोड़ कर विरोध जताया। मामले की जांच आगे बढ़ने के साथ होटल प्रबंधन की भूमिका भी सवालों के घेरे में आ गई है। वहीं, उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने एम्स पहुंचकर पीड़िता और उसके परिजनों से मुलाकात की और न्याय व सुरक्षा का भरोसा दिया। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दबिश जारी है। उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने एसपी देहात जया बलूनी और कोतवाली प्रभारी यशपाल सिंह बिष्ट से फोन पर घटना की जानकारी ली। उन्होंने पुलिस को फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश तेज करने और कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म मामले पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर नाबालिग छात्रा को ऋषिकेश में ही आकर बहला-फुसलाकर होटल में बुलाना और फिर नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करना एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा प्रतीत होता है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की सोशल मीडिया गतिविधियों पर विशेष नजर रखने की अपील की। होटल प्रबंधन की भूमिका पर सख्त रुख अपनाते हुए अध्यक्ष ने पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजकर प्रदेश के सभी होटलों में कम से कम तीन माह का सीसीटीवी बैकअप अनिवार्य करने के निर्देश दिए हैं। इससे पुलिस, महिला आयोग और एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को संदिग्ध गतिविधियों की जांच में मदद मिल सकेगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए

कि वैध पहचान पत्र और आयु सत्यापन के बिना नाबालिगों को कमरा देने वाले होटलों को चिह्नित कर उनके खिलाफ पॉक्सो सहित अन्य संबंधित धाराओं में सह-अभियुक्त के रूप में कार्रवाई की जाए। पुराने रेलवे स्टेशन के समीप चेला चेतराम मार्ग पर एक होटल में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले की जांच आगे बढ़ने के साथ होटल की संदिग्ध काले कारोबार की परतें खुलती जा रही हैं। पुलिस जांच में होटल का इस्तेमाल अनैतिक गतिविधियों के लिए किए जाने की बात सामने आने के बाद अब होटल मालिक और मैनेजर की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। आरोप है कि होटल में अतिरिक्त रकम लेकर कमरों की बुकिंग की जाती थी और पहचान संबंधी दस्तावेज की पूरी जांच तक नहीं की जाती थी। रविवार को जांच के दौरान सामने आए तथ्यों ने मामले को और गंभीर बना दिया। बताया जा रहा है कि होटल संचालक को युवक के दूसरे धर्म से होने और युवती के नाबालिग होने की जानकारी थी। इसके बावजूद कथित तौर पर अतिरिक्त रकम लेकर दोनों को कमरा उपलब्ध कराया गया। और पहचान संबंधी पूरे दस्तावेज भी नहीं लिए गए। मामले में होटल की निगरानी व्यवस्था भी संदेह के घेरे में है। जांच में सीसीटीवी कैमरे जानबूझकर बंद किए जाने की बात सामने आई है। कैमरे बंद होने के पीछे बिजली नहीं होने का बहाना बनाए जाने की जानकारी मिली है। जांच में होटल में आधे-अधूरे पहचान दस्तावेज के आधार पर कमरे उपलब्ध कराने की बात भी सामने आई है। आरोप है कि ऐसे कमरों के लिए सामान्य किराये से अतिरिक्त रकम वसूली जाती थी। पुलिस इससे होटल में अनैतिक गतिविधियों की संचालन पर भी जांच कर रही है। मामले में दुष्कर्म के बाद नाबालिग का वीडियो बनाए जाने की बात सामने आ रही है। सूत्रों के अनुसार दुष्कर्म के बाद आरोपी ने नाबालिग का वीडियो बनाया। बताया जा रहा है कि वीडियो बनाते समय आरोपी हंस रहा था। पुलिस अब आरोपी और उसके दोस्त के मोबाइल फोन को ट्रेस करने के साथ डिजिटल साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि घटना के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल हुआ या नहीं कोई वीडियो रिकॉर्ड किया गया था या नहीं और यदि रिकॉर्डिंग हुई तो उसे किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा किया गया या नहीं। पौंधी खाला उस्मानपुर स्थित घर के बाहर चारपाई पर रखा सात हजार रुपये से भरा पर्स चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कोतवाली सहसपुर में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली प्रभारी प्रदीप रावत ने बताया कि शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पौंधी खाला उस्मानपुर निवासी नौशाद ने बताया कि वह रविवार को बड़ा रामपुर से काम कर करीब एक बजे घर लौटे थे। उन्होंने घर के बाहर चारपाई पर अपनी शर्ट और पर्स रख दिया था, जिसमें सात हजार रुपये थे। इसके बाद वह कपड़े बदलने के लिए घर के अंदर चले गए। आरोप है कि इसी दौरान एक व्यक्ति घर के बाहर आया और उनके पिता के बारे में पूछताछ करने लगा। बातचीत के दौरान चारपाई पर रखा पर्स गायब हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ऋषिकेश मुनि की रेती: नियमों को ताक पर रख पर्यटन का उफान, 1000 से ज्यादा होटल-होमस्टे, रिकॉर्ड में सिर्फ इतने

ऋषिकेश, एजेंसी। ऋषिकेश मुनि की रेती-तपोवन में नियमों को ताक पर रखकर पर्यटन बढ़ाया जा रहा है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के साथ होटल और होमस्टे कारोबार में भी उछाल आया है। मुनि की रेती और तपोवन क्षेत्र में पर्यटन कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। स्थानीय स्तर पर करीब 1000 छोटे-बड़े होटल और होमस्टे संचालित होने का दावा है, जबकि पर्यटन विभाग के रिकॉर्ड में केवल 500 से 600 प्रतिष्ठान पंजीकृत बताए जा रहे हैं। संख्या और पंजीकरण में अंतर को लेकर क्षेत्र में बढ़ती संदिग्ध गतिविधियों पर सवाल उठ रहे हैं। राफ्टिंग, योग, एडवेंचर गतिविधियों और गंगा दर्शन के लिए देश-विदेश से सालभर पर्यटक यहां पहुंचते हैं। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के साथ होटल और होमस्टे कारोबार में भी उछाल आया है। मुख्य मार्गों से लेकर अंदरूनी गलियों तक कई आवासीय भवनों को व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में बदलकर पर्यटकों के ठहरने की व्यवस्था किए जाने की बात सामने आ रही है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मुख्य मार्गों के साथ अंदरूनी गलियों और आवासीय क्षेत्रों में भवन-दर-भवन जांच की मांग की है। इसमें पंजीकरण, सुरक्षा मानकों, पर्यटकों के सत्यापन और रिकॉर्ड की जांच शामिल करने की मांग की गई है। उनका कहना है कि इससे अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के साथ बढ़ते पर्यटन कारोबार को भी व्यवस्थित किया जा सकेगा।

नैनीताल जिले में बारिश से 25 मार्ग बाधित, रामनगर में उफान पर बेलगढ़ नाला, चमोली में लैंडस्लाइड

चमोली/रामनगर/ नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में जमकर बारिश हो रही है. बारिश के कारण जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है. रामनगर में बेलगढ़ नाला उफान पर आ गया है. जिसके कारण दोनों तरफ वाहनों की लगी लंबी कतारें लग गई हैं. थराली-देवाल मोटर मार्ग पर नंदकेसरी और कोठी के बीच अचानक पहाड़ी का एक हिस्सा टूटकर सड़क पर आ गिरा. पहाड़ी से लगातार मलबा और बड़े पत्थर गिरने के कारण मार्ग पर आवाजाही प्रभावित हो गई. नैनीताल जिले में बारिश: नैनीताल जिले में बारिश का दौर लगातार जारी है. जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक 31 अगस्त की सुबह साढ़े नौ बजे तक जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में बारिश दर्ज की गई है. पिछले 24 घंटे में प्योरा क्षेत्र में सबसे ज्यादा 154 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड हुई. कालाढूंगी में 102 मिलीमीटर, खनस्यू में 62 मिलीमीटर, मुक्तेश्वर में 55.1 मिलीमीटर और हल्द्वानी में 50 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई. बारिश के चलते जिले में सड़क कनेक्टिविटी भी प्रभावित हुई है. रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में पांच राज्य मार्ग और 20 ग्रामीण मार्ग बाधित हैं. रामनगर क्षेत्र में गार्जिया-

बेतालघाट-खैरना और रामनगर-भंडारपानी मार्ग प्रभावित हैं. भवाली क्षेत्र में धानाचूली-खनस्यू-ओखलकांडा, रानीबाग-इमलधुरा-पदमपुरी और हल्द्वानी-चोरगलिया मार्ग बाधित बताए गए हैं. नैनीताल, हल्द्वानी, ज्योलीकोट और काठगोदाम क्षेत्र के कई ग्रामीण मार्ग भी बारिश की वजह से प्रभावित हुए हैं. प्रशासन की ओर से संबंधित खंडों और विभागों को जल्द से जल्द मार्ग खोलने की कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं. रिपोर्ट में बताया गया है कि बाधित मार्गों को खोलने की कार्रवाई गतिमान है. इन्हें खोलने की संभावित तिथि आज की निर्धारित की गई है. बेलगढ़ नाला उफान पर, बाइक सवार बहते-बहते बचा: रामनगर में मूसलाधार बारिश ने एक बार फिर लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. देर शाम से हो रही लगातार तेज बारिश के बाद रामनगर-हल्द्वानी राज्य मार्ग पर स्थित बैलगढ़ का बरसाती नाला अचानक उफान पर आ गया. नाले में पानी का बहाव इतना तेज था कि यहां से गुजरने की कोशिश कर रहा एक बाइक सवार अचानक अनियंत्रित होकर गिरते-गिरते बचा और बहते-बहते बच गया. मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए बाइक सवार को सुरक्षित बचा लिया. बताया जा रहा है कि तेज बहाव के बावजूद कुछ लोग जल्दबाजी में नाला पार करने की कोशिश कर रहे थे, जिसके चलते हादसे का खतरा बना हुआ है. चमोली जिले में बारिश के बाद थराली-देवाल मोटर मार्ग पर नंदकेसरी और कोठी के बीच अचानक पहाड़ी का एक हिस्सा टूटकर सड़क पर आ गिरा. पहाड़ी से लगातार मलबा और बड़े पत्थर गिरने के कारण मार्ग पर आवाजाही प्रभावित हो गई. गनीमत रही कि भूस्खलन के समय वहां से कोई वाहन या राहगीर नहीं गुजर रहा था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था. भूस्खलन की सूचना मिलते ही लोक निर्माण विभाग की टीम मौके पर पहुंची. सड़क को यातायात के लिए सुचारु करने के प्रयास शुरू किए. पहाड़ी से लगातार पत्थर और मलबा गिरने के कारण सड़क खोलने के काम में भी दिक्कतें आ रही हैं.

चमोली: बड़ी जात में भी सुंग गांव का चौसिंग्या खाडू बनेगा मां नंदा का मार्गदर्शक

चमोली, एजेंसी। चार सींगों वाला आठ माह का मेढ़ा इस बार नंदा देवी की बड़ी जात की आस्था का केंद्र बनेगा। जन्म से ही मां नंदा की जात के लिए समर्पित यह चौसिंग्या खाडू पांच सितंबर को कुरुड़ से कैलाश की ओर निकलने वाली यात्रा में मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगा। पांच सितंबर से शुरू होने वाली नंदा देवी बड़ी जात में सुंग गांव के रमेश सिंह बिष्ट का आठ माह का चौसिंग्या खाडू (चार सींगों वाला मेढ़ा) मां नंदा के कैलाश जाने का मार्गदर्शक बनेगा। वर्ष 2014 में भी सुंग गांव से ही चौसिंग्या खाडू मां नंदा का देवरथ बना था। रमेश सिंह ने चार सींगों वाले मेढ़े का जन्म होते ही उसे मां नंदा की जात के लिए समर्पित कर दिया था। पिछले तीन माह तक यह मेढ़ा चीन सीमा क्षेत्र लपथल बुग्याल में चरान के लिए गया था। 28 अगस्त को मेढ़ा सुंग गांव लाया गया। ग्राम प्रधान सुंग तीरथ सिंह बिष्ट का कहना है कि तीन सितंबर को चौसिंग्या खाडू को कुरुड़ मंदिर में ले जाया जाएगा। पांच सितंबर को मां नंदा की कैलाश विदाई में यह मेढ़ा मार्गदर्शक रहेगा। कहा कि 2014 में सुंग गांव के ही केदार सिंह बिष्ट का खाडू मां नंदा का देवरथ बना था। मां नंदा की जात 12 साल बाद होती है। बड़ी जात के आयोजन से पहले ही क्षेत्र के गांवों में चौसिंग्या खाडू का जन्म हो जाता है। यह चार सींग वाला होता है। इसे मां नंदा का

शुभदूत और संदेशवाहक माना जाता है। यह दुर्लभ चार सींगों वाला खाडू लगभग 280 किलोमीटर लंबी कठिन पदयात्रा के दौरान मां नंदा की डोली और भक्तों के सबसे आगे चलता है। लोग खाडू की पीठ पर ओढाए जाने वाले कपड़े पर मां नंदा के लिए श्रृंगार सामग्री, वस्त्र स्थानीय पकवान, कीमती आभूषण बांधते हैं। यात्रा के अंतिम पड़ाव होमकुंड पर पहुंचने के बाद इसे सामग्री सहित कैलाश की ओर अकेला विदा किया जाता है, जहां यह हिमालय की श्रृंखलाओं में आगे जाकर अंततः विलुप्त हो जाता है। मां नंदा की बड़ी जात पांच सितंबर को कुरुड़ मंदिर से प्रस्थान कर विभिन्न पड़ावों से होते हुए 12 सितंबर को रामणी गांव पहुंचेगी। यहां फरस्वाण फाट के जाख देवता, त्यूणा रचकोटी, दशमद्वार काली, बंड, लाता, बदरीनाथ की डोली और छंतोलियों का मिलन होगा। उसके बाद आला, सितेल, कनोल पड़ाव से होते हुए 15 को जात लाटू देवता के मंदिर वाण पहुंचेगी। यहां से जात रणकधार और गैरोली पातल होते हुए 18 सितंबर को वेदनी बुग्याल पहुंचेगी, जहां मां नंदा की सप्तमी की पूजा आयोजित होगी। 19 को जात बगुवावासा, पातर नचौणिंया, कैलवा विनायक, रुपकुंड, ज्योंरागली होते हुए शिलासमुद्र पहुंचेंगे। 20 सितंबर को होमकुंड में मां नंदा की पूजा और चौसिंग्या खाडू की विदाई होगी। उसी दिन श्रद्धालु वापस रात्रि प्रवास के लिए जामुनडाली नामक स्थान में पहुंचेंगे। 30 सितंबर को मां नंदा की डोली सुतोल, पैरी, सितेल, गुलाड़ी, नारंगी, फरखेत पड़ाव होते हुए सिद्धपीठ कुरुड़ मंदिर में पहुंचेगी। इसी के साथ मां नंदा की बड़ी जात का समापन भी हो जाएगा।

बेड़ीनाग में सड़क डामरीकरण को लेकर संघर्ष समिति ने बनाई रणनीति

बेड़ीनाग, एजेंसी। चंतोला-पोस्ताला-बेड़ीनाग सड़क पर डामरीकरण कराने की मांग के लिए संघर्ष समिति ने बैठक की। बैठक में सड़क निर्माण के संबंध में अब तक हुई कार्यवाही की समीक्षा की गई और आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक के बाद संघर्ष समिति ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सांसद अजय टम्टा को मांग पत्र भेजकर शीघ्र डामरीकरण कराए जाने की मांग की। रविवार को समिति के अध्यक्ष डीआर टम्टा की अध्यक्षता में हुई बैठक का संचालन पंकज डसीला ने किया। पदाधिकारियों ने बताया कि कपकोट विधायक सुरेश गढ़िया ने पीएमजीएसवाई को सड़क निर्माण की दिशा में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही विधायक ने अक्टूबर माह में सड़क के डामरीकरण के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कराने की बात कही। दायित्वधारी शिव सिंह बिष्ट, सांसद अजय टम्टा ने भी सड़क निर्माण के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया है। इस दौरान संघर्ष समिति ने पंचायत सदस्य उडियारी लक्ष्मण कार्की, पूर्व जिला पंचायत सदस्य नंदन बाफिला, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दीपक धानिक तथा दीपक कार्की के माध्यम से सांसद को सड़क निर्माण से संबंधित मांग पत्र सौंपा। समिति के सदस्यों ने कहा कि निर्धारित समय पर टेंडर प्रक्रिया शुरू नहीं हुई तो ग्रामीणों के साथ बैठक कर आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। बैठक में हयात डसीला, नरेंद्र पंत, मनोज राठौर, कृपाल दत्त पंत, मनोज रौतेला, प्रयाग सिंह डसीला समेत समिति के सदस्य मौजूद रहे।

वीर चंद्र सिंह गढ़वाली विवि भरसार में हॉर्टिकल्चर की छात्रा की मौत, आक्रोशित छात्रों का प्रदर्शन

पौड़ी, एजेंसी। भरसार कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रही 23 वर्षीय छात्रा की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। एम्स ऋषिकेश ले जाते समय रास्ते में छात्रा ने दम तोड़ दिया, जिसके बाद विवि परिसर में छात्रों का आक्रोश फूट पड़ा। वीर चंद्र सिंह गढ़वाली कृषि एवं औद्यानिकी विवि भरसार में बीएससी चौथे वर्ष की हॉर्टिकल्चर छात्रा मधु यादव (23) की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पंतनगर निवासी मधु बीते तीन-चार दिनों से बीमार थीं और उनका विवि की डिस्पेंसरी में उपचार चल रहा था। हालत बिगड़ने पर उन्हें पहले पाबौ और फिर जिला अस्पताल से श्रीनगर रेफर किया गया। श्रीनगर से छात्रा को एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया था। बीते रविवार शाम करीब छह बजे ऋषिकेश ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। सोमवार को छात्रा की मौत की सूचना के बाद छात्रों ने विवि परिसर में प्रदर्शन किया।

बदरीनाथ हाईवे पर हादसा: एक ही परिवार के बुझ गए दो चिराग, रक्षा ने दो माह पहले ही शुरू की थी नौकरी

ऋषिकेश, एजेंसी। दो महीने पहले जिस घर में बेटी की नई नौकरी की खुशी थी, आज वहीं मातम पसरा है। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर हुए दर्दनाक हादसे ने एक ही परिवार से भाई-बहन को हमेशा के लिए छीन लिया। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर मालाखुंठी के समीप हुए सड़क हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन लीं। हादसे में एक ही परिवार के भाई-बहन रक्षा सेमवाल (24) पुत्री राकेश सेमवाल और ऋषभ सेमवाल (22) की मौत से क्षेत्र में शोक की लहर है। रक्षा ने दो माह पहले ही लैब टेक्नीशियन में नौकरी शुरू की थीं जबकि ऋषभ सिंचाई विभाग में कार्यरत था। दोनों मूलरूप से कीर्तिनगर ब्लॉक के सेमवाल गांव मलेथा के रहने वाले थे। वर्तमान में

उनका परिवार श्रीनगर के भक्तियाना में रह रहा है। एक साथ दो जवान बच्चों की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। रक्षा सेमवाल सीएचसी कीर्तिनगर में लैब टेक्नीशियन के पद पर संविदा कर्मी के रूप में कार्यरत थीं। महज दो माह की सेवा में ही उन्होंने अपने मिलनसार और स्वभाव से चिकित्सकों और अस्पताल के कर्मचारियों के बीच अपनी जगह बना ली थी। सोमवार को जब सीएचसी कीर्तिनगर के कर्मचारियों को रक्षा के मौत की खबर मिली तो किसी को विश्वास ही नहीं हुआ। सीएचसी प्रभारी डॉ. आकाशदीप ने बताया कि कुछ दिन पहले अस्पताल में मरीजों के नमूने लेने और जांच में जुटी रहने वाली रक्षा अब हमेशा के लिए उनसे दूर हो चुकी थीं। अस्पताल परिसर में उनके सहकर्मियों की आंखें नम थीं। चिकित्सकों और कर्मचारियों ने रक्षा के निधन पर गहरा दुख जताया। रक्षा के मामा प्रवीन पांडेय ने बताया कि रक्षा ने केवि श्रीनगर से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की थी। हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज जौलीग्रांट से लैब टेक्नीशियन का कोर्स किया। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्हें संविदा पर सीएचसी कीर्तिनगर में काम करने का अवसर मिला था। नौकरी मिलने के बाद परिवार को भी रक्षा के अपने पैरों पर खड़े होने की खुशी थी लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। वहीं रक्षा का छोटा भाई ऋषभ भी भविष्य संवारने में जुटा था। उसने एसजीआरआर स्कूल से इंटरमीडिएट की पढ़ाई की। इसके बाद सिविल इंजीनियरिंग में पॉलिटेक्निक किया। वर्तमान में वह सिंचाई विभाग में एक अवर अभियंता के अधीन अस्थायी तौर पर कार्य कर रहा था। मगर हादसे ने एक झटके में परिवार की सारी उम्मीदें छीन लीं। एक ही दिन में बेटी और बेटे को खोने का गम परिजनों के लिए असहनीय हो गया है। रक्षा और ऋषभ की मौत की खबर जैसे ही बोगा सेमवाल गांव और भक्तियाना क्षेत्र में पहुंची वहां मातम पसर गया। परिचित और रिश्तेदार परिवार को ढांढस बंधाने के लिए पहुंचने लगे।

राष्ट्रीय दैनिक प्रात:किरण
नई दिल्ली, बुधवार, 02 सितंबर, 2026

मोदी जी, अब रुचिका आपसे नहीं डरती : केजरीवाल

इस छोटी बच्ची को इतना परेशान किया गया कि देश के सामने माफी मांगने को मजबूर हो गई : केजरीवाल

● 15 साल की रुचिका ने बहुत बहादुरी दिखाई है, हम सबको इसे सपोर्ट करना चाहिए: केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने काकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट के दौरान सुर्खियों में आई 15 साल की रुचिका की बहादुरी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने रुचिका की एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर पीएम से कहा कि मोदी जी, अब रुचिका आपसे नहीं डरती। उन्होंने कहा कि कॉकरोच प्रोटेस्ट के बाद मोदी जी और उनके गुंडों ने इतना परेशान किया कि इस छोटी बच्ची को देश के सामने माफी मांगने के लिए मजबूर कर दिया गया। लेकिन अब वही छोटी बच्ची कह रही है कि उसके पास खोने को कुछ नहीं है और अब उसे उनसे डर नहीं लगता। रुचिका ने बहुत बहादुरी दिखाई है। हम सबको इसे सपोर्ट करना चाहिए।मंगलवार को एक वीडियो जारी कर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि लोगों को 15 साल की रुचिका सिंह याद होगी, जिसे कॉकरोच प्रोटेस्ट के बाद मोदी जी और उनके गुंडों ने इतना परेशान किया कि उस छोटी सी बच्ची को पूरे देश के सामने माफी मांगने के लिए मजबूर कर दिया गया। पुराने वीडियो में रुचिका कह रही है कि यह मेरी पहली और आखिरी गलती हो गई। इसके बाद मैं ऐसा कुछ नहीं करूंगी और ना ही मैंने ऐसा कुछ चीज कभी पोस्ट की थी। मैं पूरे देश से माफी मांगती हूं। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि अब रुचिका का नया वीडियो आया है, जिसमें वह कह रही है कि मोदी जी ने उसे इतना परेशान किया है कि अब उसके पास खोने को कुछ नहीं है और अब उसे उनसे डर नहीं लगता। इस बच्ची ने बहुत बहादुरी दिखाई है और हम सबको इसे सपोर्ट करना चाहिए। नए वीडियो में रुचिका कह रही है कि मोदी जी ने मेरी जिंदगी नरक बना दी है। वे एक 15 साल की बच्ची के पीछे हाथ धोकर पड़ गए और मुझे हर जगह से इतना टॉर्चर करवाया। मैं यही बताना चाहती हूं कि अब मेरे पास खोने के लिए कुछ नहीं है। मेरा जो कुछ था, वह सब चला गया। अब ना मैं कहीं जा सकती हूं, ना मेरे पास कोई आजादी है और ना मैं कहीं रह सकती हूं। मुझे हर जगह अपना मुंह छिपाकर रहना पड़ रहा है। मोदी जी कायर हैं और अब मैं पीछे नहीं हटने वाली हूं।

दिल्ली में 16 वर्षीय किशोरी ने संदिग्ध परिस्थितियों में लगाई फांसी, फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, 01 सितंबर (वेब वार्ता)। पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर थाना क्षेत्र के वेस्ट कांति नगर इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 16 वर्षीय किशोरी ने अपने घर में कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सोमवार को हुई घटना पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना सोमवार को हुई। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया घटनास्थल पर पहुंचे फोरेंसिक विशेषज्ञों और पुलिस टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं। किशोरी के शव को पोस्टमार्टम के लिए पास के अस्पताल में सुरक्षित रखवा दिया गया है, ताकि मौत के सही कारणों का पता लगाया जा सके। जांच में जुटी पुलिस पुलिस मामले के हर संभावित पहलू से जांच कर रही है। परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि आत्महत्या के कारणों का खुलासा हो सके। फिलहाल मौके से कोई सुसाइड नोट मिला है या नहीं, इस संबंध में पुलिस आगे का विवरण जुटा रही है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में शराब पीने के बाद दोस्त को मार डाला

नई दिल्ली। के नजफगढ़ इलाके में शराब पीने के दौरान मामूली बात को लेकर हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। एक युवक ने अपने कमरे में साथ रहने वाले दोस्त को पीट पीट कर मार डाला। हत्या के बाद आरोपी पूरी रात शव के साथ सोता रहा, सुबह नींद खुलने पर आरोपी ने मृतक के परिजनों को फोन कर उसकी मौत की सूचना दी। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। नजफगढ़ थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। बीते पांच महीने से साथ रह रहे थे पुलिस उपायुक्त कुशलपाल सिंह ने बताया कि मृतक 46 वर्षीय दादान नजफगढ़ के अजय पार्क, नयाबाजार में किराये के कमरे में रहता था। जबकि वह मूलरूप से अमेठी, उत्तर प्रदेश का रहने वाला था और कबाड़ के गोदाम में काम करता था। आरोपी 46 वर्षीय रंजीत राम भी दादान के साथ ही किराए के मकान में रहता था। वह मलूतः बलरामपुर, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। दोनों करीब पांच महीने से एक ही कमरे में रह रहे थे। साथ बैठकर पी शराब, फिर मामूली बात पर भिड़े पुलिस उपायुक्त ने बताया कि 28 अगस्त की रात करीब नौ बजे दोनों ने साथ में खाना खाया और शराब पी। इसी दौरान किसी मामूली बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर रंजीत ने दादान के चेहरे और सिर पर मुक्कों से लगातार वार किए। मारपीट से दादान बेसुध होकर जमीन पर गिर गया और उसे गंभीर चोट लग गई। खून निकलता रहा और आरोपी सो गया दादान के फर्श पर गिरने के बाद उसके सिर से खून निकलता रहा और आरोपी रंजीत वहां सो गया। उसे इस बात का अंदाजा नहीं था या उसने परवाह नहीं की कि उसका साथी किस हालत में है।

अभिजीत दीपके अमेरिकी चैनल के सामने फफक-फफककर रोने लगे

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के मुखिया अभिजीत दीपके अमेरिकी मीडिया समूह न्यूयॉर्क टाइम्स के एक वीडियो में RYRYIY-RYRYIYकर रोने लगे। जंतर-मंतर पर एक महीने से अधिक समय तक आंदोलन चलाकर केंद्र सरकार को शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेने के लिए मजबूर कर देने वाले दीपके ने अमेरिका से भारत आने के दौरान अपनी चिंताओं को जाहिर किया तो वह भावुक हो गए और परिवार की बात करते हुए रो पड़े। अभिजीत दीपके ने न्यूयॉर्क टाइम्स ने ओपिनियन कैटिगरी की एक डॉक्युमेंट्री को रिलीज किया है जिसमें दीपके खुद सीजेपी आंदोलन के बारे में विस्तार से बता रहे हैं। उन्होंने अमेरिकी अखबार के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए वीडियो में बताया है कि कैसे बोस्टन में पढ़ाई करते हुए उन्होंने सोशल मीडिया पर चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बारे में पढ़ा और मजाक-मजाक में उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी नाम का एक हैंडल बना दिया। इसके हिट होने से लेकर भारत में आकर आंदोलन करने और सरकार की ओर से लिए गए कदमों के बार में उन्होंने विस्तार से बात की। दीपके ने इस दौरान यह भी बताया कि किस तरह वह भारत पहुंचने से पहले खुद के जेल जाने को लेकर आशंकित थे और परिवार की चिंता भी बहुत अधिक थी। दीपके ने कहा, जब विमान भारत के करीब आ गया था, मैं वहां से हिमालय पर्वत को देख रहा था। मुझे लगा कि यह आखिरी बार है जब मैं खुले आसमान को देख रहा हूं। मेरी सबसे बड़ी चिंता अपने परिवार को लेकर थी। इतना कहते ही अभिजीत दीपके फफक-फफककर रोने लगते हैं। वह आंसुओं को पोछते हुए खुद को संभालने की कोशिश करते हैं। दीपके का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। भारत आने की बात सुन रो पड़ी थी मांः दीपके अभिजीत दीपके ने कहा कि इस आंदोलन से उन्होंने दो सबक सीखे हैं। उन्होंने बताया कि कैसे जब उन्होंने भारत आने का फैसला किया तो उनकी मां रो पड़ीं।

कांग्रेस नेता उदित राज हिरासत में लिए गए

केशव कुंज आरएसएस मुख्यालय के बाहर कर रहे थे प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली में कांग्रेस नेता उदित राज को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। वे अन्य पार्टी कार्यकताओं के साथ केशव कुंज आरएसएस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। यह प्रदर्शन हल्द्वानी शुद्धिकरण विवाद को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के विरोध में किया जा रहा था। उदित राज ने हिरासत में लिए जाने के बाद कहा, मुझे हिरासत में लिया गया है। मैं केशव कुंज आरएसएस मुख्यालय आया था... मैंने मनुस्मृति जलाई। हमारे नेता मल्लिकार्जुन खड़गे का अपमान हुआ है और राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। स्थिति नियंत्रण में लेने के लिए पुलिस ने की कार्रवाई प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने आरएसएस मुख्यालय के बाहर नारेबाजी की। पुलिस ने स्थिति नियंत्रण में लेने के लिए उदित राज सहित कई लोगों को हिरासत में लिया।

चरती लाल गोयल की 99वीं जयंती पर नेताओं ने किया नमन, जनसेवा को किया याद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष स्वर्गीय चरती लाल गोयल की 99वीं जयंती के अवसर पर दिल्ली में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, महापौर प्रवेश वाही, पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा और मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया और उनके सार्वजनिक जीवन को याद किया। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने ह्यचरती लाल गोयल हेरिटेज पार्कह्न में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर कहा कि आपातकाल के दौरान चरती लाल गोयल ने 19 महीने जेल की यातना सहन की। उन्होंने निष्पक्षता और दृढ़ सिद्धांतों के साथ दिल्ली विधानसभा की संसदीय परंपराओं को मजबूत आधार दिया। गिरिराज सिंह ने कहा कि जनसेवा, अनुशासन और राष्ट्रनिष्ठा को समर्पित उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणादाई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चरती लाल गोयल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में उनकी सादगी, शुचिता, कर्तव्यनिष्ठा और समाज के प्रति समर्पण ने एक आदर्श स्थापित किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोकतांत्रिक जीवन और जनसेवा की परंपरा में चरती लाल गोयल का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि प्रथम अध्यक्ष के रूप में चरती लाल गोयल ने सदन की कार्यवाही को गरिमा और मयार्दा के साथ संचालित किया तथा दिल्ली विधानसभा की संसदीय परंपराओं को मजबूत आधार प्रदान किया। उनकी निष्पक्ष कार्यशैली और सदन संचालन का अनुभव आज भी प्रेरणा देता है। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने चरती लाल गोयल को कुशल राजनेता और निर्भीक जनसेवी बताते हुए उनके सार्वजनिक जीवन में दिल्ली के विकास के लिए किए गए योगदान को याद किया। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने उन्हें सरलता और सादगी का प्रतीक बताते हुए कहा कि जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और राष्ट्रहित में किए गए कार्य आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली में भाजपा के संगठन को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में चरती लाल गोयल का योगदान अविस्मरणीय रहा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित, जनसेवा और संगठन के प्रति गोयल की निष्ठा कार्यकताओं के लिए हमेशा प्रेरणास्त्रोत बनी रहेगी।

राजधानी में 35 रुपये किलो प्याज उपलब्ध कराएगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। राजधानी में प्याज की कीमतों और उपलब्धता को लेकर बन रहे दबाव के बीच दिल्ली सरकार ने लोगों को बड़ी राहत देने की पहल की है। केंद्र सरकार ने दिल्ली के लिए 1000 मीट्रिक टन प्याज उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इसे उचित दर दुकानों के माध्यम से 35 रुपये प्रति किलो की दर से उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्पष्ट किया है कि उनकी सरकार राजधानी में प्याज का संकट पैदा नहीं होने देगी। उन्होंने मंगलवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि उचित दर दुकानों के साथ-साथ दिल्ली के सभी 13 जिलों में एक-एक वैन के माध्यम से भी प्याज की बिक्री की जाएगी। ये वैन राजधानी के अलग-अलग इलाकों में जाकर लोगों को 35 रुपये प्रति किलो की दर से प्याज उपलब्ध कराएंगी। वैन के माध्यम से बिक्री का उद्देश्य उन क्षेत्रों तक भी सस्ता प्याज पहुंचाना है, जहां लोगों को उचित दर दुकानों तक पहुंचने में कठिनाई हो सकती है। इससे राजधानी के विभिन्न इलाकों में प्याज की उपलब्धता बढ़ेगी और अधिक संख्या में दिल्लीवासियों को इसका लाभ मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार प्याज की उपलब्धता और कीमतों पर लगातार नजर रख रही है। सरकार का प्रयास है कि राजधानी में किसी भी स्थिति में प्याज का संकट पैदा न हो और लोगों को उचित दर पर आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध होती रहे। दिल्ली सरकार आम लोगों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्याज की सस्ती और पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी। केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली के लिए 1000 मीट्रिक टन प्याज उपलब्ध कराने का निर्णय भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण सहयोग है।

भारत के बढ़ते जीएलपी-1 बाजार में उत्तर भारत बना विकास का प्रमुख केंद्र

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। मोटापे और टाइप 2 डायबिटीज, हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर और फैटी लिवर जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के बीच संबंध को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। इसके साथ ही, अधिक से अधिक लोग अपने मेटाबॉलिक स्वास्थ्य को समझने के लिए डॉक्टरों से सलाह ले रहे हैं। यह बदलाव खासतौर पर उत्तर भारत में देखने को मिल रहा है। हाल ही में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि सर्वेक्षण में शामिल 74% से अधिक महिलाओं में मोटापा या अधिक वजन पाया गया, जबकि लगभग हर पांच में से एक महिला में आंतरिक वसा (विसरल फैट) का स्तर अधिक था। यह स्थिति इस बात पर जोर देती है कि लोगों में जागरूकता बढ़ाने और लंबे समय तक स्वास्थ्य प्रबंधन की आवश्यकता है। इसी पृष्ठभूमि में, सिप्ला का टिरजेपाटाइड ब्रांड जुलाई 2026 में दिल्ली और हरियाणा में देशभर में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला बाजार रहा। इस क्षेत्र ने 1.54 करोड़ का अतिरिक्त मूल्य दर्ज किया और 30.1% की वृद्धि हासिल की, जो ब्रांड की कुल अतिरिक्त वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान रहा। आसपास के बाजारों में भी वृद्धि का यही रुझान देखने को मिला। पंजाब, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश में 12.9% की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि यूपी नॉर्थ-वेस्ट और उत्तराखंड में 9.3% की वृद्धि हुई। यह प्रदर्शन भारत में मोटापा प्रबंधन के क्षेत्र में उभर रहे व्यापक रुझान को दर्शाता है। जहां बाजार में कई सेमाग्लूटाइड ब्रांड्स की शुरूआत और विस्तार देखने को मिला है, वहीं टिरजेपाटाइड आधारित उपचारों को डॉक्टरों और मरीजों की ओर से लगातार मजबूत प्राथमिकता मिल रही है।इसका कारण इन उपचारों की अलग और प्रभावी क्लिनिकल प्रोफाइल के साथ-साथ वास्तविक जीवन में इनके उपयोग से बढ़ता अनुभव है। इंडस्ट्री रिपोर्ट्स के अनुसार, टिरजेपाटाइड भारत के मोटापा-रोधी बाजार में लगातार अग्रणी बना हुआ है। इससे पता चलता है कि विकल्पों की बढ़ती उपलब्धता के बावजूद उपचार का प्रभाव और मरीजों के स्वास्थ्य परिणाम इसके इस्तेमाल को बढ़ाने वाले प्रमुख कारक बने हुए हैं। उत्तर भारत में देखी गई मजबूत वृद्धि ऐसे प्रमाण-आधारित उपचारों की बढ़ती पसंद को दर्शाती है, जो स्वास्थ्य में सार्थक और लंबे समय तक बने रहने वाले परिणामों में मदद करते हैं। जैसे-जैसे मोटापे को एक दीर्घकालिक बीमारी के रूप में लेकर जागरूकता बढ़ रही है, वैसे-वैसे अधिक लोग ऐसे उपचारों की तलाश कर रहे हैं जो केवल वजन को नियंत्रित करने तक सीमित न हों, बल्कि मेटाबॉलिक स्वास्थ्य से जुड़े व्यापक लक्ष्यों को भी पूरा करने में मदद करें। इस बारे में बात करते हुए, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के अपोलो सेंटर फॉर ओबेसिटी, डायबिटीज एंड एंडोक्राइनोलॉजी (ACODE) में सीनियर कंसल्टेंट एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. एस. के. वांगनू ने कहा, मोटापा केवल वजन से जुड़ी समस्या नहीं है। यह एक जटिल और दीर्घकालिक बीमारी है, जो मेटाबॉलिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है और कई गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ा सकती है। आज यह उत्साहजनक है कि लोगों में जागरूकता बढ़ रही है और वे जटिलताएं होने का इंतजार करने के बजाय समय रहते इलाज और विशेषज्ञ की सलाह लेने के महत्व को समझ रहे हैं। पूरे उत्तर भारत में हम वजन प्रबंधन, मेटाबॉलिक स्वास्थ्य और प्रमाण-आधारित उपचार के तरीकों को लेकर अधिक गंभीर और सार्थक चर्चा देख रहे हैं। यह सक्रिय और रोकथाम पर आधारित स्वास्थ्य देखभाल की दिशा में एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। उत्तर भारत में ' का मजबूत प्रदर्शन भारत में मोटापा प्रबंधन के क्षेत्र में टिरजेपाटाइड के बढ़ते इस्तेमाल को दशार्ता है। यह ऐसे अलग और प्रभावी उपचारों के प्रति बढ़ते भरोसे और स्वीकार्यता को भी दिखाता है, जो लंबे समय तक मेटाबॉलिक स्वास्थ्य और मरीजों के बेहतर स्वास्थ्य परिणामों में मदद करते हैं।

एनसीआर में मानसून की विदाई की आहट 1 से 4 सितंबर तक बारिश के आसार

नई दिल्ली। मानसून अब धीरे-धीरे विदाई की ओर बढ़ रहा है और इसकी आहट दिल्ली-एनसीआर के मौसम में दिखाई देने लगी है। सितंबर के शुरूआती दिनों में राजधानी दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम बारिश होने का पूवार्नुमान है। इससे लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के स्थानीय पूवार्नुमान के अनुसार, 1 सितंबर को सामान्य रूप से बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। वहीं 2 सितंबर को मौसम में बारिश की गतिविधि कुछ बढ़ सकती है और हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 1 सितंबर को अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। 2 सितंबर को तापमान में गिरावट के संकेत हैं। इस दिन अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। मौसम विभाग ने दोनों दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की है। इसके बाद 3 सितंबर को भी सामान्य रूप से बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 4 सितंबर को भी बादलों के बीच हल्की बारिश या बूंदाबांदी का दौर जारी रहने की संभावना है। इस दिन अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 3 और 4 सितंबर के लिए भी मौसम विभाग की ओर से कोई चेतावनी नहीं है। हालांकि, 5 और 6 सितंबर को बारिश की गतिविधि कमजोर पड़ने के संकेत मिल रहे हैं। दोनों दिनों के लिए मौसम विभाग ने आंशिक रूप से बादल छाए रहने का पूवार्नुमान जारी किया है। 5 सितंबर को अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री, 6 सितंबर को भी तापमान 33 और 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। बारिश के साथ चल रही तेज हवाओं का असर एनसीआर की वायु गुणवत्ता पर भी दिखाई दे रहा है। उपलब्ध आंकड़ों में दिल्ली के कई मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) संतोषजनक स्तर पर दर्ज किया गया है, जबकि कुछ स्थानों पर एक्यूआई मध्यम श्रेणी में है। दिल्ली के प्रमुख स्टेशनों में अशोक विहार का एक्यूआई 130, आया नगर 68, बवाना 99, बुराड़ी क्रॉसिंग 112, कैंटोनमेंट एरिया 56, कॉमनवेल्थ स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स 100, सीआरआरआई मथुरा रोड 148, डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज 106 और डीटीयू 98 दर्ज किया गया। वहीं द्वारका सेक्टर-8 का एक्यूआई 182 दिखाई दे रहा है।

दिल्ली सरकार का बड़ा एलान

400 यूनिट तक बिजली खपत करने वालों को मिलेगा मुफ्त सोलर प्लांट

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली सौर ऊर्जा नीति में बड़ा संशोधन किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रेसवार्ता में यह जानकारी देते हुए बताया कि कैबिनेट ने इस नीति संशोधन को अपनी मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री के अनुसार, पीएम सूर्य घर योजना दिल्ली में अपेक्षित गति नहीं पकड़ पा रही थी। इसके कारणों की पड़ताल करने के बाद नीति में व्यावहारिक बदलाव किए गए हैं। अब दिल्ली में 400 यूनिट तक मासिक बिजली खपत वाले उपभोक्ताओं के घरों पर तीन किलोवाट क्षमता तक का सोलर प्लांट पूरी तरह निःशुल्क लगाया जाएगा नीति संशोधन के मुख्य बिंदु समय से पहले प्रोत्साहन राशिः सोलर पैनल लगाने पर पांच वर्ष तक मिलने वाली प्रोत्साहन (इंसेंटिव) राशि का भुगतान अब इंस्तालेशन के समय ही अग्रिम (प्री-पेमेंट) कर दिया जाएगा। पांच साल तक मुफ्त रखरखावः सोलर पैनल लगाने वाला वेंडर ही अगले पांच वर्षों तक इसका रखरखाव बिना किसी शुल्क के करेगा। शुल्क में छूटः 10 किलोवाट तक के घरेलू उपभोक्ताओं से किसी भी प्रकार का आवेदन शुल्क नहीं लिया जाएगा। अतिरिक्त आय का जरिया उपभोक्ताओं को मिलने वाली मौजूदा बिजली सब्सिडी जारी रहेगी। इसके अलावा, सोलर पैनल से बनने वाली अतिरिक्त बिजली को नेट मीटरिंग के जरिए बेचकर उपभोक्ता अपनी आय भी बढ़ा सकेंगे। मार्च 2027 तक का लक्ष्य दिल्ली में वर्तमान में 10,073 छतों पर सोलर पैनल लगे हैं, जिनसे 228 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है। सरकार का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष के अंत तक उत्पादन को 500 मेगावाट करने और मार्च 2027 तक 2.27 लाख सोलर पैनल लगाने का है। ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे दिल्ली के बिजली बुनियादी ढांचे में सुधार होगा, उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मिलेगी और पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। सरकार का मकसद सिर्फ मुफ्त बिजली देना नहीं, बल्कि हर घर को ऊर्जा उत्पादक बनाना है।

बुराड़ी विधानसभा में 39 .4 फीसदी मतदाता घटे संजीव झा ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के वरिष्ठ नेता और बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने पर आपत्ति जताई है। उन्होंने दावा किया कि बुराड़ी विधानसभा क्षेत्र में ड्राफ्ट मतदाता सूची में 39.4 फीसदी मतदाताओं की संख्या कम हो गई है। उन्होंने चुनाव आयोग से नाम हटाए जाने के कारणों और प्रभावित मतदाताओं के लिए दोबारा नाम जुड़वाने की प्रक्रिया स्पष्ट करने की मांग की। संजीव झा ने मंगलवार को कहा कि पहले बुराड़ी विधानसभा क्षेत्र में कुल 4,26,451 मतदाता थे, लेकिन ड्राफ्ट रोल में यह संख्या घटकर 2,52,189 रह गई है। उन्होंने कहा कि करीब 1,67,885 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि हटाए गए नामों में बड़ी संख्या के आगे शिफ्टेड लिखा गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इस प्रक्रिया में किरायेदारों और दूसरे स्थानों से आकर दिल्ली में रहने वाले नागरिकों के मताधिकार पर असर पड़ रहा है। झा ने कहा कि किरायेदार और प्रवासी आबादी अक्सर आवास बदलती है, ऐसे में केवल ह्यशिफ्टेडह्न के आधार पर बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को लेकर स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। आआपा नेता ने बताया कि पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिला था। प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से ह्यशिफ्टेडह्न दिखाए गए मतदाताओं का डेटा उपलब्ध कराने की मांग की थी, ताकि पार्टी स्तर पर फोन के माध्यम से इसकी वास्तविकता की जांच की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि कई स्थानों पर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) का काम पूरा नहीं हुआ है और जहां 50 फीसदी से कम काम हुआ है, वहां बैठक कर इसके कारणों की समीक्षा की जानी चाहिए। झा ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि किसी योग्य नागरिक का मताधिकार न छूटे। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उन्हें दावा-आपत्ति दर्ज कराने और अपना नाम दोबारा जुड़वाने की प्रक्रिया की स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए। उन्होंने चुनाव आयोग से इस संबंध में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की मांग की, ताकि प्रभावित मतदाताओं को समय रहते अपनी स्थिति की जानकारी मिल सके और वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना नाम फिर से मतदाता सूची में शामिल करा सकें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक योग्य नागरिक का वोट महत्वपूर्ण है और मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि किसी भी पात्र नागरिक का मताधिकार प्रभावित न हो।

वीजा शर्तों का उल्लंघन करने वाले दो बांग्लादेशी नागरिकों को फॉरेनर सेल ने पकड़ा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ के फॉरेनर सेल ने ह्यऑपरेशन विस्टा 1.0 (वीजा स्टेटस वेरिफिकेशन) के तहत एक स्पेशल वेरिफिकेशन ड्राइव चलाया। इस दौरान, तय समय से अधिक समय तक रुककर अपने वीजा की शर्तों का उल्लंघन करने के आरोप में दो बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। पकड़े गए विदेशी नागरिकों की पहचान 25 साल के जोमिर हुसैन और 39 साल की मक्सूदा अख्तर के तौर पर हुई है। फॉरेनर सेल की टीम ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट इलाके के कई होटलों और गेस्ट हाउस में जांच-पड़ताल की। इस दौरान, टीम दिल्ली के नबी करीम इलाके में आरक्षण रोड पर स्थित एक होटल पहुंची, जहां जोमिर हुसैन ठहरे हुए थे। वह 9 अगस्त को भारत आए थे। इसके बाद, टीम दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में चांदी वालान मेन बाजार स्थित एक और होटल पहुंची, जहां मकसूदा अख्तर ठहरी हुई थीं। वह 27 अगस्त को भारत आई थीं। दोनों के पासपोर्ट, वीजा और यात्रा से जुड़े अन्य दस्तावेजों की अच्छी तरह से जांच और पुष्टि की गई। जांच-पड़ताल के दौरान दोनों विदेशी नागरिकों से भारत में उनके रहने के बारे में पूछताछ की गई और उनके यात्रा दस्तावेजों की बारीकी से जांच की गई। जांच से पता चला कि दोनों डबल-एंट्री वीजा पर भारत आए थे, जिसमें हर बार ज्यादा से ज्यादा 15 दिन तक रहने की शर्त थी। वे तय समय-सीमा से ज्यादा समय तक रुके हुए पाए गए और वीजा की शर्तों का उल्लंघन करने के कारण उन्हें हिरासत में ले लिया गया। वीजा की शर्तों के उल्लंघन के मामले को फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) के सामने तय प्रक्रियाओं के तहत निपटाया गया। वेरिफिकेशन पूरा होने के बाद, दोनों विदेशी नागरिकों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) के सामने पेश किया गया। इसके बाद एफआरआरओ ने उन्हें दिल्ली के सराय रोहिल्ला इलाके में शाहजादा बाग स्थित सेवा धाम डिटेंशन सेंटर में रखने के आदेश जारी किए। इसके अनुसार, कानून के तहत डिपोर्टेशन की आगे की कार्रवाई होने तक दोनों विदेशी नागरिकों को डिटेंशन सेंटर में रखा जाएगा।

दिल्ली एयरपोर्ट पर आज से बड़ा बदलाव, बोर्डिंग पास पर स्टांप लगवाने की जरूरत खत्म, डिजिटल हुआ पूरा प्रोसेस

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट से विदेश यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक बहुत ही काम की खबर सामने आई है। अब एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन की प्रक्रिया को काफी आसान, तेज और डिजिटल बना दिया गया है। सस्टम में बड़ा बदलाव कर दिया अगर आप अक्सर फ्लाइट से विदेश सफर करते हैं, तो आपने गौर किया होगा कि इमिग्रेशन क्लियरेंस के दौरान बोर्डिंग पास पर मुहर या स्टाम्प लगवाने के लिए कितनी लंबी लाइनों में खड़ा होना पड़ता था। कई बार इस कागजी प्रक्रिया और स्टैम्पिंग के चक्कर में काफी वक्त बर्बाद होता था। लेकिन अब इस सिस्टम में बड़ा बदलाव कर दिया गया है। क्या था पहले और अब क्या है? पहले की व्यवस्थाः इमिग्रेशन प्रक्रिया के दौरान यात्रियों को अपने बोर्डिंग पास पर फिजिकल स्टाम्प लगवाना अनिवार्य होता था, जिसमें लंबी लाइनों और कागजी कार्रवाई के कारण काफी समय लगता था। अब की नई व्यवस्थाः आज यानि एक सितंबर से प्रभावी होने वाली इमिग्रेशन प्रक्रिया में बोर्डिंग पास की स्टैम्पिंग को पूरी तरह से बंद कर दिया है। यह बदलाव आव्रजन प्रक्रिया को डिजिटल रूप देने की दिशा में उठाया गया है। यात्रियों के नजरिए से क्या होंगे फायदे और बदलाव? स्मार्टफोन पर ई-बोर्डिंग पासः अब अंतरराष्ट्रीय यात्री अपने आव्रजन क्लियरेंस के दौरान सीधे अपने स्मार्टफोन पर ई-बोर्डिंग पास या मोबाइल बोर्डिंग पास प्रस्तुत कर सकते हैं। ई-गेट्स की सुविधाः एफटीआई-टीटीपी में नामांकित यात्री अपने डिजिटल बोर्डिंग पास का उपयोग सीधे ई-गेट्स पर भी कर सकते हैं, हालांकि फिजिकल बोर्डिंग पास को भी स्वीकार किया जा रहा है।

प्रवेश सूचना

एससीईआरटी से संबद्ध संस्थानों के लिए प्रबंधन कोटे के अंतर्गत डीपीएसई (2026-27) के लिए आवेदन आमंत्रित हैं। प्रबंधन कोटे के अंतर्गत आवेदन करने की तिथि 02/09/2026 से 16/09/2026 तक है। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें आईसीएस इन्फोटेक 49सी, वशिष्ठ पार्क, गली नंबर 8, पंखा रोड, नई दिल्ली 110046 फोन- 9582301608/9871246757

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें
पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, बुधवार, 02 सितंबर, 2026

रेखा गुप्ता सरकार ने डेढ़ साल में बनाया घोटाले का रिकॉर्ड, दर्ज हुई दूसरी एफआईआर: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने रेखा गुप्ता सरकार में हुए चावल घोटाले पर सीबीआई की ओर से एफआईआर दर्ज करने पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा पर तीखा हमला बोला है। आप दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार ने डेढ़ साल में घोटाले का रिकॉर्ड बनाया दिया है और अब स्वास्थ्य घोटाले के बाद यह दूसरी एफआईआर चावल घोटाले में दर्ज हुई है। सीबीआई की ओर से दर्ज इस एफआईआर में मंत्री सिरसा का भी जिक्र है। इस मामले में निलंबित एडिशन कमीशनर ने भी कारण बताओ नोटिस के जवाब में कहा है कि मंत्री सिरसा से चर्चा और निर्देश के बाद उसने एफसीआई से पत्राचार किया। हमारी सीबीआई से मांग है कि वह मंत्री सिरसा से भी पूछताछ करे कि नेरमैक निगम से कौन लोग दिल्ली सचिवालय में आए और किन-किन लोगों से मिले। मंगलवार को आप मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह दिल्ली सरकार के पिछले डेढ़ साल के कार्यकाल में दूसरे भ्रष्टाचार की एफआईआर की खबर है। यह एफआईआर चावल चोरी के मामले में सीबीआई ने 27 अगस्त 2026 को क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी, चीटिंग और अन्य अलग-अलग मामलों में दर्ज की है। कुछ दिनों पहले आम आदमी पार्टी कहा था कि दिल्ली के गरीब लोगों के लिए फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया से जो चावल चला था, वह दिल्ली में एक किलो भी नहीं बंटा। यह चावल 31,000 मीट्रिक टन नहीं, बल्कि इससे भी ज्यादा था। असल में 50,645 मीट्रिक टन चावल की लूट हुई है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह राशन दिल्ली के सबसे गरीब आदमी और माइग्रेंट लेबर से लूटा गया है, जिस बेचारे के पास राशन कार्ड तक नहीं है। उस गरीब आदमी का राशन लूटकर हरियाणा के एक सेठ को कमीशन कमाकर बेच दिया गया। अब तक यह बात मैं कह रहा था, लेकिन अब सीबीआई की एफआईआर भी यही कह रही है। एफआईआर के पैराग्राफ में बाकायदा दिल्ली के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा का जिक्र है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सीबीआई की एफआईआर में लिखा है कि नेरमैक गुवाहाटी के एडिशनल जनरल मैनेजर अंजन कुमार दत्ता ने 7 जनवरी 2026 के एक पत्र के माध्यम से दिल्ली सरकार के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री से ओएमएसएस योजना के तहत ई-ऑक्शन में भाग लिए बिना प्रति सप्ताह 31,000 मीट्रिक टन चावल आवंटन का अनुरोध किया था। इसका उद्देश्य दिल्ली में रहने वाली आम जनता, दिहाड़ी मजदूरों, लेबर क्लास, माइग्रेंट वर्कर्स और उन लोगों को सस्ती दरों पर चावल उपलब्ध कराना था जो पीडीएस योजना के तहत कवर नहीं होते हैं। यानी दिल्ली का वह गरीब माइग्रेंट वर्कर और दिहाड़ी मजदूर जिसके पास राशन कार्ड भी नहीं है, उसके हिस्से का चावल लूटकर खा गए। जो लोग ऐसा कर सकते हैं, वे राक्षस नहीं तो और क्या हैं? लोग तो अपनी जेब से खरीदकर गरीबों में बांटते हैं, मंदिरों और गुरुद्वारों में लंगर लगाकर बांटा जाता है, और यहां जिनका हक था, उनका चावल लूट लिया गया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सीबीआई ने बताया है कि 7 जनवरी 2026 को आई इस चिट्ठी को कई महीनों बाद 8 अप्रैल 2026 को फॉरवर्ड किया गया। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस पत्र को अपने कमिश्नर को भेजने के बजाय, दो पोस्ट नीचे एडिशनल कमिश्नर को भेज दिया और लिखा कि मैं इसे स्पेशल कमिश्नर को भेज रहा हूं। आखिर कमिश्नर को क्यों नहीं भेजा गया? यह मंत्री से हमारा सवाल है। मैं पहले भी कह रहा था कि सिर्फ चिट्ठी फॉरवर्ड करने से किसी को हजारों मीट्रिक टन चावल नहीं मिल जाता।

दिल्ली में ज्यादा मुस्लिम आबादी वाली सीटों पर कम कटे नाम, ओखला-चांदनी चौक में ज्यादा घटे

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की एक प्रक्रिया को पूरा करते हुए बाद चुनाव आयोग ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट प्रकाशित कर दी है। खास बात यह है कि दिल्ली के 1.45 करोड़ वोटर्स में से 47.56 लाख का नाम हटा दिया गया है। दिल्ली के 70 विधानसभा सीटों के आंकड़ों के विश्वेलषण से कई अहम तस्वीर सामने आई है। सबसे अधिक वोटर्स दक्षिणीपूर्वी दिल्ली के तुगलकाबाद विधानसभा सीट से हटाए गए हैं। एसआईआर के बाद यहां का वोटर लिस्ट से 48 फीसदी लोग कम हो गए हैं। वहीं, इस मामले में पड़ोस की ओखला सीट दूसरे नंबर पर है। ध्यान रहे कि अभी वोटर्स को अपना नाम जुड़वाने का एक और मौका मिलेगा। वहीं, यदि दिल्ली की मुस्लिम बहुल सीटों की बात करें तो आंकड़े दिलचस्प कहानी कह रहे हैं। ये आंकड़े उन दावों को भी खारिज करते हैं जिनमें कहा जा रहा है कि इस प्रक्रिया में मुस्लिम वोटर्स को निशाना बनाया जा रहा है। इन सीटों पर बड़ी संख्या में अवैध बांग्लादेशियों के होने के दावे भी सवालों के घेरे में आते हैं। वजह यह है कि सात मुस्लिम बहुल सीटों में 5 ऐसे हैं जहां दिल्ली के औसत से कम वोटर हटाए गए हैं,जबकि दो पर यह आंकड़ा औसत से कहीं ज्यादा भी है। पांच मुस्लिम बहुल सीटों पर औसत से कम कटे वोटर सीत मुस्लिम बहुल सीटों में सबसे अधिक वोटर्स ओखला सीट से हटाए गए हैं। यहां 45.3 फीसदी वोटर्स ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं हैं। वहीं, चांदनी चौक सीट से 38.9 फीसदी मतदाता कम हो गए हैं। इन दोनों सीटों पर दिल्ली के औसत (32.7 फीसदी) से अधिक वोटर्स के नाम डिलीट किए गए हैं। वहीं, बल्लीमारान से 32.6 फीसदी, मुस्तफाबाद से 28 फीसदी, बाबरपुर से 27 फीसदी, मटिया महल से 34.5 फीसदी और सीलमपुर से 23.3 फीसदी वोटर हटाए गए हैं। ओखला और चांदनी चौक को छोड़कर अन्य 5 मुस्लिम बहुल सीटों सीटों से औसत से कम वोटर हटाए गए हैं।

देश में बढ़ रही है बेरोजगारी-महंगाई मोदी जी को बधाई: संजय सिंह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने महंगाई, बेरोजगारी से कराह रही देश की जनता को जीडीपी बढ़ने की बधाई दे रहे पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश में बेतहाशा महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। इसके लिए देशवासियों की तरफ से मोदी जी को बधाई। आज पूरा देश महंगाई, बेरोजगारी, बदहाल स्कूल, अस्पताल से परेशान हैं और मोदी जी बधाई देकर जले पर नमक छिड़क रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस देश में मोदी जी जाते हैं, वहां अपने दोस्त अडानी को ठेका जरूर दिलाते हैं। देश के लोगों को बैंकों को खोखला करने और लाखों करोड़ रुपए पूंजीपतियों का माफ करने के लिए मोदी जी को बधाई देनी चाहिए। मंगलवार को एक वीडियो जारी कर संजय सिंह ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री ने पूरे देश को बधाई दी है, लेकिन यह जनता के घावों पर नमक छिड़कने जैसी बात है। पूरा देश 70 रुपए किलो चीनी खरीद रहा है और महंगाई की मार झेल रहा है। देश के नौजवान बेरोजगारी के कारण परेशान हैं और कोई भी छोटी-मोटी या प्राइवेट नौकरी मांग रहे हैं। संजय सिंह ने आगे कहा कि स्कूलों की हालत यह है कि बच्चे पढ़ नहीं पाते और स्कूल ठीक करो अभियान के दौरान हजारों-लाखों स्कूलों की बदहाल दशा सबने देखी है। अस्पतालों में दवा और इलाज नहीं मिलता है। बड़े-बड़े हाईवे की हालत यह है कि 15-20 दिनों के अंदर ही उनमें 100-100 गड्ढे हो जाते हैं। इन सबके बावजूद प्रधानमंत्री जीडीपी 7.8 फीसद होने पर सबको बधाई दे रहे हैं। संजय सिंह ने कहा कि बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी के लिए, 70 रुपए किलो चीनी खरीदने वालों को महंगाई के लिए, हाईवे के गड्ढों, बदहाल स्कूलों, टूटे-फूटे अस्पतालों और खस्ताहाल सड़कों के लिए मोदी जी को बधाई देनी चाहिए। जनता को इस बात के लिए भी बधाई देनी चाहिए कि भले ही युवाओं को नौकरी नहीं मिल पा रही है, लेकिन नरेंद्र मोदी जी ने 43 कंपनियों का 3,53,000 करोड़ रुपए माफ कर दिया है। संजय सिंह ने आगे कहा कि मोदी जी को इस बात की भी बधाई दी जानी चाहिए कि वे जिस देश में जाते हैं, वहां अपने दोस्त अडानी को ठेका जरूर दिलाते हैं और जिन-जिन कंपनियों पर छापा पड़ता है, उनका मालिक अडानी बन जाता है। देश के बैंकों को खोखला करने, लाखों करोड़ रुपए एनपीए करने और पूंजीपतियों का लाखों करोड़ रुपए माफ करने के लिए भी प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देनी चाहिए। बधाई का मौसम चल रहा है, बधाई देते रहिए।

आप प्रतिनिधि मंडल एलजी से मिल कर कहा, दवा, चावल साइकिल घोटाले में कमीशन कौन खा रहा, जांच कराएं

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। रेखा गुप्ता सरकार में हुए दवा, चावल और साइकिल खरीद घोटाले की एसीबी और विजिलेंस से जांच कराने की मांग को लेकर मंगलवार को आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल एलजी से मुलाकात की। सौहार्द पूर्ण माहौल में हुई मुलाकात के दौरान प्रतिनिधि मंडल ने एलजी के सामने तीनों घोटालों के तथ्य रखे। साथ ही, एसएस मोता सिंह स्कूल ट्रस्ट में भाजपा नेताओं को क्यों ट्रस्टी बनाया जा रहा है, इसकी भी जांच कराने की मांग की। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दवा, चावल और साइकिल घोटाले में कमीशन कौन खा रहा है, इसकी जांच होनी जरूरी है। हम सीएम रेखा गुप्ता से भी मिलकर बताना चाहते हैं कि उनके वरिष्ठ मंत्रियों के मंत्रालय में करोड़ों का भ्रष्टाचार हो रहा है, लेकिन वह मिलने का समय नहीं दे रही हैं। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि एलजी साहब ने बहुत इत्मीनान से हमारी सारी बातें सुनीं। हमें इस बात से बहुत संतोष है कि उन्होंने हमारी बात सुनी। हम शांति से गए और हमने शांति से अपनी बात एलजी साहब के सामने रखी, जिसे उन्होंने सुना। एलजी साहब ने कहा कि हम जो तथ्य बता रहे हैं, वे उनकी जांच कराएंगे। यह बहुत उचित बात है। उन्होंने कहा कि अगर सीएम रेखा गुप्ता भी हमें समय दे दें, तो हम उनको भी बताएंगे कि उनके जो वरिष्ठ मंत्री हैं, उनके मंत्रालयों में करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार हो रहे हैं। साइकिल में चोरी हुई, चावल में चोरी हुई, दवाई में चोरी हुई और चादर में भी चोरी हुई है। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि आज एलजी साहब के साथ बहुत अच्छे माहौल में बातचीत हुई और हमारे कई विधायकों ने अपने-अपने मसले भी उनके सामने रखे। चूंकि एलजी साहब के पास एसीबी और विजिलेंस है, इसलिए वे हमारे द्वारा बताई गई बातों का फैक्ट चेक कराएंगे। अगर उन्हें कुछ गलत मिलेगा तो वे एफआईआर दर्ज कराएंगे, हमारा उनसे सिर्फ यही निवेदन था। हमने चावल में हुए घोटाले के बारे में भी एलजी साहब को बताया और मांग की कि इस मामले में भाजपा मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा की भी जांच होनी चाहिए, क्योंकि इसमें उनका नाम भी आ रहा है। एलजी से मुलाकात से पहले सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जो साइकिल बाजार में 4200 रुपए में मिल जाती है, वैसी ही एक साइकिल मैंने भी 4200 रुपए में खरीदी है। वहीं, दिल्ली सरकार ने 1 लाख 30 हजार साइकिलें खरीदी हैं और 6957 रुपए के भाव से भुगतान किया है। एक साइकिल पर लगभग 3000 रुपए का कमीशन कौन खा रहा है? यानी 90 करोड़ रुपए की कुल खरीद में 40 करोड़ रुपए का कमीशन किसने खाया है? इसकी जांच होनी चाहिए। हमने एसीबी को शिकायत दी है और मैंने एलजी साहब को भी शिकायत भेजी है, मगर अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि चावल घोटाला हुआ है। यह स्पष्ट है कि सीबीआई ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। उसमें भाजपा मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा का जिक्र आया है कि उनके द्वारा ही वह पत्र फॉरवर्ड किया गया था, जिसके तहत चावल मिला था। तीसरा मामला हेल्थ स्कैम का है, जिसमें सरकार ने 150 रुपए की चादर 450 रुपए में खरीदी। 10 लाख रुपए वाली एक्स-रे मशीन 33 लाख रुपए में और 2.5 रुपए का ओआरएस पैकेट 15 रुपए में खरीदा गया। इसकी जो जांच हो रही थी, वह भी ठंडी पड़ी हुई है और मुख्य आरोपी को विदेश भगा दिया गया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इसके बाद एसएस मोता सिंह स्कूल ट्रस्ट का मामला है, जिसमें भाजपा के करीबी लोगों को ट्रस्टी बनाया गया है। उन्हें क्यों और कैसे बनाया गया? क्या एक माइनॉरिटी इंस्टीट्यूशन पर कब्जा किया जा रहा है?

नेचर वॉक के दौरान दिखीं पक्षियों और कीटों की कई प्रजातियां

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में नागरिक विज्ञान और जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 16 अगस्त को स्पाइडर एवं इंसेक्ट वॉक और बर्ड वॉक का आयोजन किया गया। इसमें प्रकृति प्रेमियों, विद्यार्थियों, वाइल्डलाइफ फोटोग्राफरों, शोधकताओं समेत 29 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वॉक के दौरान प्रतिभागियों ने चिड़ियाघर परिसर में 44 पक्षी, आठ मकड़ी और 16 कीट प्रजातियों को दर्ज किया। इस दौरान 1,000 से अधिक पक्षियों, मकड़ियों और कीटों के अवलोकन किए गया। चिड़ियाघर परिसर में 80 से अधिक पेंटेड स्टॉर्क भी नजर आए। इनके पेड़ों और वेटलैंड के आसपास मौजूद होने की जानकारी दर्ज की गई। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को विभिन्न प्रजातियों की पहचान, उनके व्यवहार और जैव विविधता संबंधी आंकड़े दर्ज करने के तरीकों की जानकारी दी गई।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने सूचीबद्ध अस्पतालों को दी राहत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने दिल्ली सरकार कर्मचारी स्वास्थ्य योजना के तहत पहले से सूचीबद्ध अस्पतालों को राहत दी है। सूचीबद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्थानों की पैनल अवधि बढ़ाने से लेकर लंबित दस्तावेज और समझौता ज्ञापन पूरा करने की समय सीमा को बढ़ा दिया है। इस संबंध में महानिदेशालय ने ज्ञापन जारी किया है। इसके अनुसार कई मौजूदा संस्थानों ने निर्धारित एसओपी के मुताबिक जरूरी दस्तावेज और समझौता ज्ञापन की प्रक्रिया को पूरा नहीं किया है। इसके लिए समय अवधि को 30 नवंबर तक के लिए बढ़ा दिया गया है। यह विस्तार उन्हीं मौजूदा संस्थानों पर लागू होगा, जिन्होंने निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन किया है। साथ ही संबंधित अस्पतालों को निर्धारित एसओपी के अनुसार बाकी औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी।

चुनाव आयोग ने शिफ्टेड दिखाकर बुराडी विधानसभा में काट दिए 39.4 फीसद वोट: संजीव झा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने एसआईआर के तहत वोटर लिस्ट से बड़े पैमाने पर लोगों के नाम काटने पर कड़ी आपत्ति जताई हैं। उन्होंने कहा कि बुराड़ी विधानसभा में शिफ्टेड दिखाकर 39.4 फीसद वोट काट दिए गए हैं। पहले बुराड़ी में 4,26,451 मतदाता थे, अब 2,52,189 रह गए हैं। करीब 1,67,885 लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या इतने बड़े पैमाने पर नाम काट कर किराएदारों और प्रवासी नागरिकों के वोटिंग अधिकार छीने जा रहे हैं? उन्होंने मांग की कि जिन लोगों के नाम काटे गए हैं, उन्हें चुनाव आयोग जानकारी दे कि वे अपना वोट दोबारा कैसे जुड़वा सकते हैं। मंगलवार को संजीव झा ने कहा कि दिल्ली चुनाव आयोग का ड्राफ्ट रोल आ गया है और इसमें मेरी अपनी विधानसभा में 39.4 फीसद वोट काट दिए गए हैं। पहले कुल 4,26,451 वोट थे, जिसमें से करीब 1,67,885 से ज्यादा वोट काट दिए गए और अब केवल 2,52,189 वोट ही बचे हैं। काटे गए वोटों में से अधिकांश के आगे शिफ्टेड लिखा गया है। इसका सीधा मतलब है कि उन लोगों के वोट काटे गए हैं जो किराएदार हैं और अक्सर जगह बदलते रहते हैं, यानी बड़े पैमाने पर प्रवासी लोगों के वोट काटे गए हैं। संजीव झा ने बताया कि आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिला था। पार्टी ने चुनाव आयोग को सुझाव दिया था कि जिन लोगों को शिफ्टेड दिखाया गया है, उनका डेटा साझा किया जाए ताकि हम खुद कॉल करके उसकी प्रामाणिकता की जांच कर सकें। साथ ही यह भी कहा गया था कि कई जगहों पर बीएलओ ठीक से नहीं पहुंचे हैं और जहां 50 फीसद से कम काम हुआ है, वहां बैठक करके कारणों का पता लगाया जाए। लेकिन चुनाव आयोग ने धोखा दिया क्योंकि उनकी मंशा कुछ और थी। संजीव झा ने कहा कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि देश के किसी भी नागरिक का वोट न छूटे, लेकिन यह पूरी प्रक्रिया लोगों को बाहर करने और उनके मताधिकार छीनने के लिए अपनाई जा रही है। संजीव झा ने कहा कि चुनाव आयोग अपनी मूल जिम्मेदारी पर खरा नहीं उतरा है। जिनका नाम वोटर लिस्ट से कट गया है, वे क्लेम कैसे करें, इसको लेकर कोई स्पष्टता नहीं है और न ही चुनाव आयोग इसका कोई प्रचार-प्रसार कर रहा है, जिससे जनता पूरी तरह अनजान है। हम चुनाव आयोग से उम्मीद और मांग करते हैं कि वे अपनी जिम्मेदारी को समझें और जिनका वोट कटा है, उन्हें सही प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए एक मिशन के तौर पर काम करें, ताकि जनता का मताधिकार सुरक्षित रह सके। संजीव झा ने एक्स पर कहा कि बुराड़ी विधानसभा में ड्राफ्ट वोटर रोल से 39.4 फीसद वोट काट दिए गए। पहले 4,26,451 मतदाता थे, अब सिर्फ 2,52,189 रह गए। यानी करीब 1,67,885 लोगों के नाम हटा दिए गए। सबसे ज्यादा नामों के आगे शिफ्टेड लिखा है। सवाल है कि आखिर इतने बड़े पैमाने पर लोगों को मतदाता सूची से क्यों हटाया गया? क्या किरायेदारों और प्रवासी नागरिकों के वोटिंग अधिकार छीने जा रहे हैं? चुनाव आयोग की जिम्मेदारी हर योग्य नागरिक का वोट सुरक्षित रखना है, न कि लोगों को मतदाता सूची से बाहर करना। उन्होंने चुनाव आयोग से मांग करते हुए कहा कि जिनका नाम काटा गया है, उन्हें तुरंत पूरी जानकारी दी जाए कि वे अपना वोट दोबारा कैसे जुड़वा सकते हैं। लोकतंत्र में हर वोट की कीमत है, हर नागरिक का वोटिंग अधिकार सुरक्षित रहना चाहिए।

यमुनापार के अस्पतालों में बढ़े फ्लू जैसे मरीज, एच1एन1 जांच की किट नहीं

नई दिल्ली। यमुनापार के अस्पतालों में स्वाइन फ्लू जैसे लक्षणों वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इन अस्पतालों में एच1एन1 की जांच के लिए टेस्ट किट उपलब्ध नहीं हैं। डॉक्टर लक्षणों के आधार पर ही बीमारी की पुष्टि कर इलाज कर रहे हैं। जीटीबी और स्वामी दयानंद जैसे अस्पतालों में रोजाना 100 से अधिक संदिग्ध मरीज ओपीडी पहुंच रहे हैं। टेस्ट किट न होने से बीमारी की पहचान लक्षणों पर निर्भर है। हल्के लक्षण वाले मरीजों को सामान्य उपचार देकर घर भेजा जा रहा है। गंभीर मरीजों को अस्पताल में भर्ती कर निगरानी में रखा जाता है। सांस लेने में परेशानी या ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मधुमेह, सीओपीडी और अस्थमा जैसी बीमारियों वाले मरीजों पर भी खास नजर रखी जा रही है। ऐसे मरीजों को एंटीवायरल दवा, ऑक्सीजन और अन्य सपोर्टिव उपचार दिया जा रहा है। डॉक्टरों ने लोगों को मास्क पहनने, हाथ साफ रखने और बीमारों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी है। रैपिड किट हो तो 10 मिनट में मिल सकती है रिपोर्ट डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल में रैपिड टेस्ट किट उपलब्ध होने पर संदिग्ध एच1एन1 मरीजों की जांच तेजी से की जा सकती है, जिसमें करीब 10 से 15 मिनट में रिपोर्ट मिल जाती है। फिलहाल अस्पतालों में किट उपलब्ध न होने की वजह से यह सुविधा नहीं मिल पा रही है। जरूरत पड़ने पर मरीज के नमूने को उच्चस्तरीय जांच के लिए भेजने या पीसीआर टेस्ट कराने का विकल्प है, लेकिन इसमें रैपिड टेस्ट की तुलना में अधिक समय लग सकता है। गंभीर मरीजों को तुरंत एंटीवायरल एच1एन1 के संदिग्ध श्रेणी-बी मरीजों को ओसेल्टामिविर दिया जा रहा है। श्रेणी-सी के मरीजों को तुरंत भर्ती कर एंटीवायरल उपचार शुरू किया जाता है। इनमें कम ऑक्सीजन स्तर या पुरानी बीमारियों वाले मरीज शामिल हैं। स्वामी दयानंद अस्पताल की एमएस सुनीता ने बताया कि उन्होंने जांच किट का ऑर्डर दिया है। किट जल्द आने पर जांच शुरू हो जाएगी।

गाजीपुर की स्काईलार्क और हाईवे अपार्टमेंट में डीडीए कराएगा मरम्मत कार्य

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। डीडीए द्वारा गाजीपुर स्थित स्काईलार्क और हाईवे अपार्टमेंट के कर्मचारी आवासों की मरम्मत कराई जाएगी। इसके तहत आवासों में प्लास्टर, रंगाई-पुताई, फर्श, पानी की व्यवस्था, छत की जलरोधक मरम्मत और बारिश के पानी की निकासी से जुड़े काम किए जाएंगे। डीडीए के अनुसार, परियोजना को पूरा करने के लिए 365 दिन का समय निर्धारित किया गया है। आवासों में खराब आरसीसी, ईंट के काम को हटाने, पुराने प्लास्टर को निकालने और नए ईंट व सीमेंट का काम किया जाएगा। करीब 263.57 वर्गमीटर क्षेत्र में 12 मिलीमीटर मोटा सीमेंट प्लास्टर और 653.80 वर्गमीटर क्षेत्र में खराब प्लास्टर की मरम्मत प्रस्तावित है। इसके अलावा पुराने काम पर ऐक्रेलिक डिस्टेंपर भी किया जाएगा। इसके अलावा पुराने कांच के पैन बदलने और दोबारा लगाने के साथ लकड़ी के दरवाजों की मरम्मत भी शामिल है।

सांसद रुहुल्ला का फेसबुक पेज ब्लॉक करने पर मेटा से जवाब तलब

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मेटा प्लेटफॉर्म्स ने मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि श्रीनगर से नेशनल कॉन्फ्रेंस सांसद आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी का फेसबुक पेज कानून प्रवर्तन एजेंसी के नोटिस के आधार पर ब्लॉक किया गया था। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा की अदालत में मेहदी की याचिका पर सुनवाई हुई। मेहदी ने गत 3 मार्च से अपने फेसबुक पेज पर लगाए गए प्रतिबंध को चुनौती दी है। मेटा के वकील ने संबंधित आदेश अदालत में पेश करने के लिए समय मांगा। वहीं, मेहदी के वकील ने कहा कि सांसद को यह नहीं बताया गया कि उनके पेज पर कौन-सी आपत्तिजनक सामग्री थी। उन्होंने कहा कि मेहदी सांसद के साथ धार्मिक नेता भी हैं। अदालत ने मेटा को जवाब दाखिल करने का समय देते हुए मामले की अगली सुनवाई 20 सितंबर को तय की है।

एसआईआर में डिलीट हुए वोटरों की कैसे करें जांच? आप का ईसीआई से सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली में वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर आम आदमी पार्टी और चुनाव आयोग के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने अब दावा किया है कि राजनीतिक दलों को हटाए गए मतदाताओं की सूची तो साझा की गई है, लेकिन उसमें मतदाताओं का पता और फोन नंबर नहीं दिया गया है। उनका कहना है कि ऐसी स्थिति में राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता यह वैरिफाई नहीं कर सकते कि वोटर का नाम हटाना सही है या गलत। सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर एक ट्वीट के जवाब में यह बात कही। इससे पहले उन्होंने दावा किया था कि उन्होंने चुनाव आयोग से लिखित रूप में और कई बैठकों में मांग की थी कि जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं, उनका नाम, फोन नंबर और पता राजनीतिक दलों के साथ साझा किया जाए, ताकि इन नामों का सत्यापन किया जा सके। उन्होंने कहा था कि दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने बैठक में इसका आश्वासन भी दिया था, लेकिन उनके मुताबिक पूरी जानकारी साझा नहीं की गई। सौरभ ने अपने ताजा पोस्ट में एक यूजर के उस दावे का जवाब दिया, जिसमें कहा गया था कि दिल्ली के उएड ने डिलीट किए गए वोटरों की लिस्ट राजनीतिक दलों के साथ पहले ही साझा कर दी थी। सौरभ ने जवाब में कहा कि चुनाव आयोग ने ऐसी सूची साझा की, लेकिन उसमें ह्लठङ्क ीँशि२२, ठङ्क स्रँङ्मल्ली ल्लश्रृ१ह्व है। यानी न तो उसमें वोटर का पता दिया गया है और न ही फोन नंबर। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर सूची में सिर्फ नाम जैसी सीमित जानकारी उपलब्ध होगी तो राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता यह कैसे वैरिफाई करेंगे कि बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाना सही है या नहीं। सौरभ ने आरोप लगाया कि इस तरह की व्यवस्था से वास्तविक वोटरों के नाम गलत तरीके से हटाए जाने की आशंका पैदा होती है। पहले भी उठाई थी पूरी जानकारी साझा करने की मांग सौरभ भारद्वाज ने पहले किए गए ट्वीट में भी इसी तरह की बात उठाई थी। उन्होंने दावा किया कि राजनीतिक दलों को डिलीट किए गए वोटर्स की सूची के साथ उन मतदाताओं की पहचान और संपर्क से जुड़ी जानकारी भी मिलनी चाहिए, ताकि कार्यकर्ता संबंधित मतदाता से संपर्क कर उसके नाम हटाए जाने की स्थिति की जांच कर सकें। उनका तर्क है कि केवल नामों की सूची मिलने से यह पता लगाना मुश्किल होगा कि संबंधित मतदाता वास्तव में उस पते पर मौजूद है या नहीं। ऐसे में रक्ररू के दौरान नाम हटाए जाने की प्रक्रिया की स्वतंत्र रूप से जांच करने की राजनीतिक दलों की क्षमता पर सवाल उठता है।

लैंडफिल नहीं, अब कचरे से कमाई का मॉडल तलाशेगा निगम

नई दिल्ली। दिल्ली में रोजाना निकलने वाले करीब 13 हजार मीट्रिक टन कचरे के निस्तारण के लिए एमसीडी अब ह्यवेस्ट-टू-लैंडफिलह्ण के बजाय ह्यवेस्ट-टू-वेल्थह्ण मॉडल पर काम करेगा। यानी कचरे को लैंडफिल में डालने के बजाय उससे खाद, बायोगैस और पुनर्चक्रित सामग्री तैयार कर आर्थिक उपयोग में लाया जाएगा। मंगलवार को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में एमसीडी और आईआईटी दिल्ली की ओर से आयोजित कार्यशाला में इस रणनीति पर मंथन हुआ। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि कचरा प्रबंधन सिर्फ सफाई का मुद्दा नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य, पर्यावरण और जीवन की गुणवत्ता से सीधे जुड़ा है। दिल्ली को इंदौर समेत सफल शहरों के मॉडल का अध्ययन कर अपनी जरूरत के मुताबिक लागू करना चाहिए। उन्होंने कचरा कम करने, पुनः उपयोग और रिसाइक्लिंग बढ़ाने के साथ तकनीक व डिजिटल निगरानी से जवाबदेही तय करने पर जोर दिया। एमसीडी आयुक्त संजीव खिरवार ने बताया कि जैविक कचरे से खाद और बायोगैस तथा सूखे कचरे से उपयोगी सामग्री की रिकवरी व रिसाइक्लिंग पर काम चल रहा है। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने जीरो-वेस्ट वार्ड, कॉलोनी और सड़क के लिए नागरिक भागीदारी बढ़ाने की जरूरत बताई।

मालवीय नगर होटल अग्निकांड मामले में पुलिस ने दाखिल की चार्जशीट, तीन लोगों को बनाया आरोपी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश होटल में हुए भीषण अग्निकांड के मामले में दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को होटल मालिक समेत तीन आरोपियों के खिलाफ साकेत कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल कर दिया। तीन जून को हुई इस दुर्घटना में 13 विदेशियों समेत 22 लोगों की मौत हुई थी। पुलिस के मुताबिक मामले की जांच जारी है और इस मामले में पूरक आरोपपत्र भी दाखिल किया जा सकता है। ड्यूटी मजिस्ट्रेट अरीबा खान की अदालत ने आरोपपत्र पर विचार के लिए तीन सितंबर का दिन निर्धारित किया है। पुलिस ने आरोपपत्र में होटल मालिक लोकेश बजाज, होटल के अकाउंटेंट बताए गए जय मिश्रा और कुक केसर नेगी को आरोपी बनाया है। मंगलवार को जय को न्यायिक हिरासत से अदालत में पेश किया गया। होटल मालिक लोकेश बजाज भी न्यायिक हिरासत में है, लेकिन फिलहाल अस्पताल में भर्ती है। वहीं, तीसरे आरोपी केसर को अदालत से जमानत मिल चुकी है। परिजनों का इलाज कराने आए लोग होटल में ठहरे थे पुलिस के मुताबिक, होटल में आग इतनी तेजी से फैली थी कि होटल में ठहरे लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। होटल में ठहरने वालों में बड़ी संख्या ऐसे लोगों की थी जो पास के मैक्स अस्पताल में इलाज करा रहे मरीजों के साथ दिल्ली आए थे। खासकर कई विदेशी नागरिक अपने परिजनों के इलाज के लिए दिल्ली आए थे और होटल में ठहरे हुए थे। पुलिस ने कई गंभीर धाराओं के तहत लगाए आरोप पुलिस ने होटल मालिक लोकेश बजाज के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराएं लगाई हैं। इनमें धारा 105 (गैर-इरादतन हत्या), धारा 326(जी) (आग लगाकर नुकसान पहुंचाना), धारा 324(5) (संपत्ति को नुकसान पहुंचाना), धारा 125 (किसी व्यक्ति के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) और धारा 287 (आग से संबंधित लापरवाही से काम करना) का आरोप शामिल है। छह कमरों की अनुमति, 26 कमरे चलाने का आरोप इस अग्निकांड के बाद हुई शुरूआती जांच में होटल के संचालन को लेकर कई गंभीर सवाल उठे थे। रिपोर्टों के मुताबिक, फ्लोरिश होटल को बेड एंड ब्रेकफास्ट के तौर पर सिर्फ छह कमरों के लिए लाइसेंस मिला था, लेकिन वहां करीब 25-26 कमरे संचालित किए जा रहे थे। होटल के पास फायर सेफ्टी ठडउ नहीं होने की बात भी जांच में सामने आई थी। इसके अलावा होटल में एक ही प्रवेश और निकास मार्ग होने तथा आग से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की जानकारी भी सामने आई थी। जांच में यह भी सामने आया था कि आग होटल के निचले हिस्से में स्थित रसोई से फैलने के बाद तेजी से ऊपरी मंजिलों तक पहुंची। धुएं और आग के कारण कई लोग कमरों में फंस गए थे। कुछ लोगों ने जान बचाने के लिए खिड़कियों से छलांग तक लगाई थी। अकाउंटेंट ने 8 जून को किया था आत्मसमर्पण पुलिस के अनुसार, होटल के अकाउंटेंट बताए गए जय मिश्रा ने आठ जून को अदालत के सामने आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वहीं, कुक केसर नेगी को पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार किया था। बाद में साकेत कोर्ट ने 27 जुलाई को उसे जमानत दे दी थी।

डीएसईयू के कुलपति को मानद कर्नल रैंक सम्मान मिला

नई दिल्ली। दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी (डीएसईयू) के कुलपति प्रो. डॉ. अशोक कुमार नगावत को दिल्ली स्थित एनसीसी निदेशालय ओर से मानद कर्नल रैंक से सम्मानित किया गया। मंगलवार को सेक्टर-9 द्वारका स्थित विश्वविद्यालय मुख्यालय में आयोजित इन्वेस्टिचर एवं पिपिंग समारोह में मुख्य अतिथि मेजर जनरल रविंदर कुमार एसएम, वीएसएम, एडीजी, एनसीसी निदेशालय ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। इस मौके पर ब्रिगेडियर पीएस छोंकर एसएम, वीएसएम, ग्रुप कमांडर, ग्रुप बी एनसीसी, कर्नल करण मेहता कमांडिंग ऑफिसर दिल्ली बटालियन एनसीसी सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक और कैडेट मौजूद रहे। इस अवसर पर डीएसईयू कुलपति प्रो. अशोक कुमार ने 1972 से 1975 तक एनसीसी नेवल विंग में कैडेट के रूप में बिताए दिनों को याद किया। उन्होंने कहा कि एनसीसी से मिले अनुशासन एकता और सेवा के संस्कार व्यक्ति के जीवन में लंबे समय तक बने रहते हैं। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं से कौशल, उद्यमिता, नेतृत्व और आपदा प्रबंधन की क्षमता विकसित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर मेजर जनरल रविंदर कुमार ने सर्विस बिफोर सेल्फ का संदेश देते हुए कहा कि नेतृत्व पद नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और निस्वार्थ सेवा की भावना है।

संक्षिप्त खबरें

फरीदाबाद में महिला ने दो बच्चों के साथ गुरुग्राम नहर में लगाई छलांग, तीनों की तलाश कर रहे पुलिस और गोताखोर

फरीदाबाद। गुरुग्राम नहर में सेक्टर 56 के पास एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ मंगलवार सुबह छलांग लगा दी। महिला की अभी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम उनकी तलाश में जुटी हुई है। अभी यह भी पता नहीं चल सका है कि वह महिला कौन है और उसने ऐसा क्यों किया? फिलहाल, पुलिस उस मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी जुटाकर पूरे मामले का पता लगा रही है।

मानसून सत्र में विधायक ने किसानों को मुआवजा देने की मांग की

पटौदी। पटौदी की विधायक बिमला चौधरी ने हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान पटौदी विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और जनहित की मांगों को सदन के समक्ष प्रमुखता से रखा। विधायक बिमला चौधरी ने विधानसभा के मानसून सत्र में रामपुर से जाटौली मंडी होते हुए टोड़ापुर तक मुख्य सड़क का निर्माण जल्द करवाने की मांग रखी। साथ ही मिजार्पुर से जाटौली मंडी तक सड़क निर्माण, जमालपुर चौक से ताजनगर तक मुख्य सड़क निर्माण की मांग रखी। गांव खोड में कुछ महीने पहले लगभग 50 एकड़ खड़ी गेंहू की फसल जलने से प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा प्रदान करने की मांग भी विधायक ने रखी। साथ ही पटौदी की सब्जी मंडी को अनाज मंडी में शिफ्ट करने की मांग रखी। इससे क्षेत्र के किसानों एवं व्यापारियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी और मंडी व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित किया जा सकेगा। विधायक बिमला चौधरी ने बताया कि पटौदी विधानसभा क्षेत्र का विकास और क्षेत्रवासियों की समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सरकार से सभी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया।

मानसून सत्र में विधायक ने किसानों को मुआवजा देने की मांग की

पटौदी। पटौदी की विधायक बिमला चौधरी ने हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान पटौदी विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और जनहित की मांगों को सदन के समक्ष प्रमुखता से रखा। विधायक बिमला चौधरी ने विधानसभा के मानसून सत्र में रामपुर से जाटौली मंडी होते हुए टोड़ापुर तक मुख्य सड़क का निर्माण जल्द करवाने की मांग रखी। साथ ही मिजार्पुर से जाटौली मंडी तक सड़क निर्माण, जमालपुर चौक से ताजनगर तक मुख्य सड़क निर्माण की मांग रखी। गांव खोड में कुछ महीने पहले लगभग 50 एकड़ खड़ी गेंहू की फसल जलने से प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा प्रदान करने की मांग भी विधायक ने रखी। साथ ही पटौदी की सब्जी मंडी को अनाज मंडी में शिफ्ट करने की मांग रखी। इससे क्षेत्र के किसानों एवं व्यापारियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी और मंडी व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित किया जा सकेगा। विधायक बिमला चौधरी ने बताया कि पटौदी विधानसभा क्षेत्र का विकास और क्षेत्रवासियों की समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सरकार से सभी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया।

जिले में डेंगू के दो नए मरीज मिले

गुरुग्राम। जिले में लगातार डेंगू और मलेरिया की रोकथाम के लिए नगर निगम एवं स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गए हैं और शहर में फॉगिंग का अभियान भी तेज कर दिया है। इसके तहत टीमें एंटी लार्वा की जांच और फागिंग करेंगी। मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से 173 लोगों के डेंगू के सैंपल की जांच की गई, जिसमें डेंगू के दो नए मरीजों की पुष्टि की गई। इसके बाद जिले में कुल 45 डेंगू के मरीज हो गए हैं।

विधानसभा में गीता भुक्कल के बयान पर विवाद

BJP विधायक ने कांग्रेस पर लगाया जातिवाद का आरोप; मुकेश शर्मा बोले-जाति पर बांटना बंद करें

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान आज सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। गुरुग्राम से भाजपा विधायक मुकेश शर्मा ने कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल द्वारा सदन में दिए गए बयान पर ब्राह्मणवाद विरोधी बताते हुए आपत्ति जताई। विधायक मुकेश शर्मा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि समाज में जातिवाद का जहर घोलने की कोशिश कर रही कांग्रेस पार्टी को अपने इस कृत्य के लिए पूरे समाज से तुरंत सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। विधायक ने कहा कि आज सदन की कार्यवाही के दौरान कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल द्वारा जिस प्रकार की अमर्यादित और आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया गया, वह बेहद निंदनीय है। विधानसभा में इस तरह के जातिसूचक और समाज को बांटने वाले बयानों की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। 36 बिरादरी का अपमान स्वीकार नहीं भाजपा विधायक ने कहा कि हरियाणा की संस्कृति और राजनीति हमेशा से ह्व36 बिरादरीह्ल के सम्मान पर आधारित रही है। भारतीय जनता पार्टी सर्वसमाज को साथ लेकर चलने और सभी वर्गों के समान विकास की विचारधारा में अटूट विश्वास रखती है। मुकेश शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस विधायक का यह बयान न केवल किसी एक वर्ग के खिलाफ है, बल्कि यह पूरी प्रदेश की जनता और 36 बिरादरी के भाईचारे का घोर अपमान है, जिसे हरियाणा के लोग कभी भी स्वीकार नहीं करेंगे। कांग्रेस की राजनीति पर तीखा प्रहार मुकेश शर्मा ने कांग्रेस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के पास विकास के नाम पर बात करने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है। यही कारण है कि चुनावी लाभ और राजनीतिक रोटियां सेकने के लिए कांग्रेस नेता अब खुलकर जाति के नाम पर समाज को बांटने की घटिया राजनीति पर उतर आए हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, कांग्रेस समाज में दरार पैदा करने की साजिशें रचने लगती है, लेकिन हरियाणा की समझदार जनता उनकी इस विभाजनकारी नीति को पूरी तरह समझ चुकी है। सार्वजनिक माफी की मांग विधायक मुकेश शर्मा ने मांग की कि कांग्रेस पार्टी को अपनी इस ओछी राजनीति को तुरंत बंद करना चाहिए। समाज के ताने-बाने को ठेस पहुंचाने के लिए कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल और पूरी कांग्रेस पार्टी को देश व हरियाणा के सर्वसमाज से बिना शर्त सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। इस बयान के बाद विधानसभा के भीतर और बाहर दोनों ही तरफ राजनीतिक सरगर्मियां काफी तेज हो गई हैं। जानिएह्नगीता भुक्कल ने क्या कहा कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल ने कहा कि ब्राह्मण समाज में रामकुमार गौतम जैसा व्यक्ति पैदा हो सकता है, जो हर समय समाज में जातीय जहर घोलता रहता है।

जलभराव और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों से अतिक्रमण हटाने पर होगा मंथन

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। गुरुग्राम में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर केंद्रीय राज्य मंत्री एवं गुरुग्राम के सांसद राव इंद्रजीत सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को महत्वपूर्ण बैठक होगी। पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में होने वाली बैठक में जीएमडीए, नगर निगम गुरुग्राम, जिला प्रशासन और एचएसवीपी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में शहर में जलभराव की समस्या के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा के साथ इसके प्रभावी और दीर्घकालिक समाधान पर मंथन किया जाएगा। खासतौर पर प्राकृतिक जल निकासी मार्गों, तालाबों और अन्य जल निकायों पर हुए अतिक्रमण का मुद्दा प्रमुखता से उठेगा। अधिकारियों से इन अतिक्रमणों के कारण जल निकासी व्यवस्था पर पड़ रहे असर और जलभराव वाले क्षेत्रों की मौजूदा स्थिति की जानकारी ली जाएगी। बैठक में अधिकारियों की ओर से जलभराव वाले क्षेत्रों, जल निकासी व्यवस्था और अब तक किए गए कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। जीएमडीए और नगर निगम की ओर से जलभराव के समाधान के लिए विशेषज्ञ एजेंसियों से प्राप्त रिपोर्ट और सुझावों पर भी चर्चा की जाएगी। संबंधित विभागों के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में किए गए कार्यों, मौजूदा चुनौतियों और प्रस्तावित समाधानों की जानकारी देंगे। बैठक में विशेषज्ञ एजेंसियों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है।

गुरुग्राम में रफ्तार ने छीनी युवक की जान, कार से साइकिल सवार को उड़ाया; ड्राइवर फरार

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। सेक्टर-29 में तेज रफ्तार कार ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी। हादसे में 35 वर्षीय युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान बाबुल हुसैन के रूप में हुई है। वह मूल रूप से पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के डिगना गांव का रहने वाला था और फिलहाल चक्करपुर में किराए पर रहता था। वह गुरुग्राम में ही किसी कंपनी में पार्ट टाइम काम करता था। जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम करीब चार बजे बाबुल हुसैन सेक्टर-29 में लेजर वैली पार्क के पास साइकिल से जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार महिंद्रा एक्सयूवी गाड़ी ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाबुल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान रात में उसकी मौत हो गई। वहीं, हादसे के बाद कार चालक अपनी गाड़ी मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और गाड़ी को कब्जे में ले लिया।

गुरुग्राम में बच्चों के झगड़े के बाद युवक की चाकू मारकर हत्या, दस आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। सेक्टर 45 की झुग्गियों में सोमवार दोपहर बच्चों के झगड़े के बाद एक युवक से मारपीट व चाकू मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस टीम ने दस आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपित एक दूसरे को जानते हैं और ज्यादातर मध्य प्रदेश के दमोह जिले के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार मूल रूप से दमोह के हिनौता गांव निवासी 35 वर्षीय बाबूलाल सेक्टर 45 के पास झुग्गी में परिवार समेत रहता था और एक निजी कंपनी में ड्राइवर का काम करता था। कुछ लोगों ने सोमवार को उसकी हत्या कर दी थी। उसकी पत्नी ने मामले में सेक्टर 40 थाने में एफआइआर दर्ज कराई थी। बच्चों के झगड़े को लेकर युवकों से हुई बहस बताया था कि राहुल व आकाश नाम के व्यक्ति सेक्टर 45 मार्केट के पास इनकी झुग्गी में आए और बच्चों के झगड़े को लेकर इनके साथ बहस करने लगे। इसी दौरान इनकी हाथापाई हो गई, जिसमें आकाश व सुनील को चोट लगी। इसके बाद सोमवार को राहुल व उसके साथी लाठी, डंडे, चाकू व अन्य हथियारों से लैस होकर आए। बाबूलाल को झुग्गी से बाहर खींचकर उसके साथ मारपीट की। चाकू भी मारा। अस्पताल ले जाते समय इसके पति की मौत हो गई। मंगलवार को पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दस आरोपितों को गुरुग्राम से गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों की पहचान दमोह के हटा गांव निवासी नारायण, बालकिशन, सुरेखा कॉलोनी के प्रमोद, सोजना गांव के रणेश, अनिल, बटियागढ़ के राहुल, इमलिया रावल गांव निवासी बिजू, पपरिया साई गांव निवासी राजाराम, उत्तर दिनाजपुर के धुमसरगाछी गांव निवासी रफीकुल आलम, मुर्शिदाबाद के रकीबुल के रूप में की गई। आरोपित झुग्गी में रहते हैं और श्रमिक के तौर पर करते हैं काम सभी आरोपित वर्तमान में समसपुर व कन्हई गांव की झुग्गियों में रहते हैं और श्रमिक का काम करते हैं। पुलिस पूछताछ में पता चला कि रविवार शाम बाबूलाल के बच्चे के साथ आरोपित पक्ष ने गाली-गलौज की थी, जिसके बाद शिकायतकर्ता पक्ष ने आरोपित पक्ष के साथ मारपीट की। इसी मारपीट की रंजिश के चलते आरोपितों ने इस वारदात को अंजाम दिया।पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपितों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।

फरीदाबाद में 12वीं की छात्रा की मौत, पिता बोले- बिरयानी खाने पर 4 घंटे खड़ा रखा, परेशान होकर कूद गई बेटी

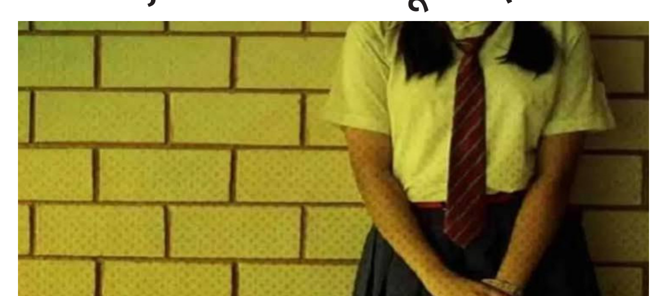

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। जिले के एक स्कूल में 12वीं की नाबालिग छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में स्कूल की तीसरी मंजिल से गिरने के बाद मौत हो गई। छात्रा को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया था। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पिता बोले-4 घंटे क्लास के बाहर खड़ा रखा छात्रा के पिता ने बताया कि उनकी बेटी क्लास में बिरयानी खा रही थी। उनका आरोप है कि इस बात को लेकर क्लास टीचर ने छात्रा को करीब चार घंटे तक क्लास के बाहर खड़े रहने की सजा दी थी। पिता के अनुसार, इस सजा से परेशान होकर छात्रा स्कूल की छत पर पहुंच गई और वहां से तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। घर से बिरयानी लेकर नहीं गई थी छात्रा पिता ने बताया कि छात्रा घर से बिरयानी लेकर स्कूल नहीं गई थी। उनके अनुसार, ऐसा अनुमान है कि बच्चों ने स्कूल के बाहर से बिरयानी खरीदी थी। घटना के बाद छात्रा को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस कर रही मामले की जांच स्कूल में हुई इस घटना को लेकर पुलिस जांच कर रही है। छात्रा के तीसरी मंजिल से गिरने की परिस्थितियों और पिता की ओर से लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है।

नगर निगम कार्यालय से अग्रसेन चौक तक निकाला मार्च

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रतिनिधिमंडल के साथ 31 अगस्त को पंचकूला स्थित हरियाणा निवास में कथित दुर्व्यवहार के विरोध में मंगलवार को नगर निगम गुरुग्राम के कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने पुराने नगर निगम कार्यालय से अग्रसेन चौक और पुराने रेलवे रोड तक मार्च निकाला और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। इसके बाद कर्मचारी वापस पुराने निगम कार्यालय पहुंचे। नगर निगम कर्मचारियों की हड़ताल मंगलवार को 27वें दिन भी जारी रही। हड़ताल की संयुक्त अध्यक्षता इकाई के वरिष्ठ उपप्रधान सम्मी बोहत और फायर के जिला प्रधान साहुन खान ने की, जबकि संचालन सचिव धर्मेंद्र जिंघाला और कोषाध्यक्ष भारत कांगड़ा ने किया। राज्य उपप्रधान एवं इकाई प्रधान बसंत कुमार ने सरकार पर सफाई और सीवर कर्मचारियों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब अन्य श्रेणियों में नियमित पदों पर भर्ती की व्यवस्था है तो सफाई कर्मचारियों और सीवरमैन के लिए नियमित भर्ती कर ठेका प्रथा समाप्त क्यों नहीं की जा रही। संघ ने मांग की कि 13 मई के समझौते को लागू करते हुए स्वीकार की गई मांगों के लिखित आदेश तत्काल जारी किए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 2 सितंबर तक सरकार ने मांगों का समाधान नहीं किया तो हड़ताल को और आगे बढ़ाया जा सकता है। प्रदर्शन को फायरमैन मुकेश कुमार, कुलदीप, सतपाल, सुभाष, हरिओम तथा नगरपालिका कर्मचारी नेताओं तेजपाल, गब्बर सिंह, सुनीता देवी, अशोक कुमार, कुलदीप, धर्मपाल, संजीत, किशन लाल और कैलाश सहित अन्य ने संबोधित किया। प्रदर्शन में सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे। सफाई व्यवस्था के खर्च की जांच की मांग उपप्रधान ज्ञान चंद, संगठन सचिव तेजपाल और सीमा देवी तथा प्रचार सचिव अनीता, पिंकी व कमला देवी ने आरोप लगाया कि हड़ताल के दौरान कूड़ा उठाने और सफाई के नाम पर फर्जी बिल तैयार कर कुछ ठेकेदारों और अधिकारियों द्वारा सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। संघ ने हड़ताल के दौरान कूड़ा उठान और सफाई व्यवस्था पर हुए सभी खर्च, बिलों और भुगतानों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि सफाई व्यवस्था सामान्य दिखाने के लिए पुलिस बल के सहारे कूड़ा उठवाया जा रहा है।

अब सफर में तुरंत मिलेगी मदद, छह सड़कें बनेंगी मॉडल

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए छह प्रमुख सड़कों को मॉडल रोड के रूप में विकसित किया जा रहा है। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) इन मार्गों पर पब्लिक एड्रेसिंग सिस्टम के साथ इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले यानी वेरिएबल मैसेज डिस्प्ले (वीएमडी) और इमरजेंसी कॉल प्वाइंट लगाने की योजना पर काम कर रहा है। इन्हें लगने से सफर में आपात स्थिति होने पर तुरंत मदद मिल सकेगी। इस पर सात करोड़ रुपये खर्च अनुमानित है। जीएमडीए यातायात पुलिस के साथ मिलकर पहले चरण में इन छह सड़कों को मॉडल रोड के तौर पर विकसित कर रहा है। इसका उद्देश्य वाहन चालकों में यातायात नियमों के पालन और सुरक्षित ड्राइविंग की आदत को बढ़ावा देने के साथ पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना है। मॉडल रोड के लिए एमजी रोड (इफ्को चौक से सिकंदरपुर तक), हैमिल्टन कोर्ट रोड, व्यापार केंद्र रोड, अतुल कटारिया चौक से सेक्टर-29 सिग्नेचर टावर रोड, सिग्नेचर टावर से मिलेनियम सिटी सेंटर रोड और मेदांता रोड को चुना गया है।

गाय से घिनौनी हरकत के बाद आरोपी की तलाश में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही गुरुग्राम पुलिस

प्रात : किरण संवाददाता

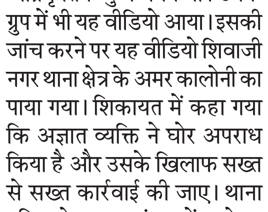

गुरुग्राम। गुरुग्राम के शिवाजी नगर थाना क्षेत्र में एक बेहद शर्मनाक और मानवता को शर्मसार करने वाली वारदात सामने आई है। अमर कालोनी में गली के बाहर बैठी एक गाय से एक व्यक्ति ने अप्राकृतिक दुष्कर्म किया। वारदात का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर सामने आने के बाद लोगों में भारी आक्रोश है। बजरंग दल के सदस्यों की शिकायत पर शिवाजी नगर थाना पुलिस ने मामले में पशु क्रूरता से संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना रविवार रात करीब पौने एक बजे बजे की है। बजरंग दल के प्रखंड संयोजक ओम नगर निवासी विक्की गांधी ने शिवाजी नगर थाने में सोमवार को लिखित शिकायत दी। शिकायत में उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह से ही एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। इसमें एक व्यक्ति ने गली के बाहर बैठी गाय के साथ आप्रकृतिक दुष्कर्म किया। उनके ग्रुप में भी यह वीडियो आया। इसकी जांच करने पर यह वीडियो शिवाजी नगर थाना क्षेत्र के अमर कालोनी का पाया गया। शिकायत में कहा गया कि अज्ञात व्यक्ति ने घोर अपराध किया है और उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। थाना पुलिस ने मामला संज्ञान में आने पर अमर कालोनी में घटनास्थल के आसपास के कई घरों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की।आरोपित व्यक्ति गली के बाहर दिखाई दिया। थाना पुलिस का कहना है कि वीडियो की फारेंसिक जांच कराई जा रही है, ताकि आरोपित की पहचान पुख्ता हो सके। इसके साथ ही आसपास के लोगों से भी आरोपित के बारे में पूछताछ की जा रही है।

गुरुग्राम के अस्पताल ने बिल न चुकाने पर शव देने से किया इनकार, एनएचआरसी के एक्शन के बाद परिजनों को सौंपा

प्रात : किरण संवाददाता

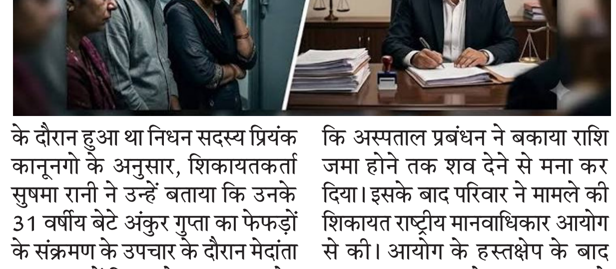

गुरुग्राम। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर निवासी 30 वर्षीय युवक की मेदांता अस्पताल में इलाज के दौरान मौत के बाद बकाया बिल व शव सौंपने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। स्वजन का आरोप था कि अस्पताल प्रबंधन ने करीब 18 लाख रुपये का बकाया बिल जमा होने तक शव देने से इनकार कर दिया। मामला राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तक पहुंचा तो आयोग ने हस्तक्षेप किया। इसके बाद मेदांता प्रबंधन ने बकाया बिल के भुगतान के बगैर ही शव स्वजन को सौंप दिया। आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से मामले में अस्पताल प्रशासन को चेतावनी दी थी। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि वह स्वयं अस्पताल का इलाज करने पहुंच रहे हैं। इसके बाद मामले में तेजी से कार्रवाई हुई और शनिवार देर शाम शव स्वजन को सौंपा गया। 31 वर्षीय अंकुर गुप्ता का इलाज के दौरान हुआ था निधन सदस्य प्रियंक कानूनगो के अनुसार, शिकायतकर्ता सुषमा रानी ने उन्हें बताया कि उनके 31 वर्षीय बेटे अंकुर गुप्ता का फेफड़ों के संक्रमण के उपचार के दौरान मेदांता अस्पताल में निधन हो गया था। आरोप है कि अस्पताल ने पहले ही 23 लाख 67 हजार 524 रुपये ले लिए थे। इसके बावजूद शव देने से पहले 18 लाख 55 हजार 422 रुपये की अतिरिक्त राशि मांगी गई। महिला ने आयोग से गुहार लगाई कि उसकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब है और इतनी बड़ी रकम देना उसके लिए संभव नहीं है। आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने बकाया राशि जमा होने तक शव देने से मना कर दिया। इसके बाद परिवार ने मामले की शिकायत राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से की। आयोग के हस्तक्षेप के बाद अस्पताल प्रशासन ने शव स्वजन को सौंप दिया। शनिवार दोपहर स्वजन शव लेने पहुंचे थे। उन्होंने आर्थिक स्थिति का हलावा देते हुए बकाया बिल भुगतान में असमर्थता जताई थी। इसके बाद प्रबंधन से बातचीत और कागजी कार्रवाई में समय लगा। देर शाम स्वजन को शव सौंप दिया गया था। बिल के विवाद जैसी स्थित नहीं थी।

उत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (फ्रेट), उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल अनुभवी और सक्षम निविदाकारों से एक खुली प्रणाली निम्नलिखित कार्य हेतु मुहरबंद ई–निविदा आमंत्रित जाती है।

1	**कार्य का नाम :** नई दिल्ली डिपो की मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए 03 वर्षों हेतु लिनेन धुलाई का कार्य
2	**कार्य स्थल :** नई दिल्ली
3	**कार्य की अवधि :** तीन (03) वर्ष
4	**विज्ञापित मूल्य :** रु. 7,00,33,468.40/- (जीएसटी के प्रावधान सहित)
5	**बयाना राशि जमा की जानी है :** रु. 5,00,200.00/-, केवल नेट बैंकिंग या गेटवे के माध्यम से
6	**निविदा प्रपत्र मूल्य :** रु. 0/-
7	**ई-निविदा प्रपत्र प्राप्त करने का समय :** दिनांक 01.09.2026 13:15 बजे से 23.09.2026 12:00 बजे तक
8	**ई-निविदा बंद होने की तिथि और समय :** दिनांक 23.09.2026 12:00 बजे
9	**ई-निविदा खुलने की तिथि और समय :** दिनांक 23.09.2026 को 12:00 बजे के बाद, यदि खुलने की तारीख अवकाश होता है, तो अगले कार्य दिवस पर ई–निविदा खोली जाएगी
10	**ई-निविदा खोलने का स्थान :** यांत्रिक विभाग, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055

नोटः निविदा का पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में मिल सकती है।

सं.: NR-DLIOMCNWLINW22026 दिनांकः 01.09.2026 **3006/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

फर्जी एपल कस्टमर सर्विस देने का झांसा देकर अमेरिकी नागरिकों से ठगी, गुरुग्राम पुलिस ने 11 लोगों को किया गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। एपल कस्टमर सर्विस के नाम पर अमेरिकी नागरिकों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का गुरुग्राम साइबर पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पालम विहार से 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपित अमेरिकी नागरिकों को फोन में वायरस और तकनीकी खराबी का डर दिखाते थे और फिर उसे सही करने के नाम पर डॉलर और रिवार्ड प्वाइंट लेकर ठगी करते थे। एसीपी साइबर क्राइम गौरव फौगाट ने बताया कि पुलिस थाना साइबर अपराध पश्चिम को सूचना मिली थी कि पालम विहार के जे ब्लॉक के प्लॉट नंबर 1208 में बिना अनुमति फर्जी कॉल सेंटर चलाया जा रहा है। यहां से अमेरिका के नागरिकों को एपल कस्टमर सर्विस के नाम पर गुमराह कर ठगी की जा रही है। सूचना पर पुलिस ने मंगलवार दोपहर मौके पर छापा मारा। छापे के दौरान 11 युवक लैपटॉप, हेडफोन, माइक और मोबाइल फोन के माध्यम से एक्स लाइट डायलर और एपल फेसटाइम पर अंग्रेजी में विदेशी नागरिकों से बात करते मिले। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गिरफ्तार आरोपितों की पहचान दिल्ली के सुभाष नगर निवासी प्रितपाल सिंह, नई दिल्ली के सदर बाजार के हाथी खाना नूरगंज निवासी मोहम्मद रिजान अंसारी, मध्य दिल्ली के लड्डू घाटी निवासी चैतन्य गोयल, ओडिशा के भद्रक जिले के वासुदेवपुर गांव निवासी और वर्तमान में झज्जर जिले के बहादुरगढ़ के नेहरू पार्क निवासी मनीष, नई दिल्ली के सदर बाजार के हाथी खाना नूरगंज निवासी शाहरुख अंसारी के रूप में हुई। वहीं अन्य आरोपियों में दिल्ली के आजादपुर के केवल पार्क निवासी संजीव पाण्डे, दिल्ली के वजीराबाद के कालीघाट निवासी शिवम, दिल्ली के उत्तम नगर के सेवा पार्क निवासी आदित्य, उत्तम नगर के मोहन गार्डन निवासी दीपक त्रिवेदी, उत्तम नगर के रामा पार्क निवासी वरुण गौतम तथा रोहतक जिले के कृष्णा कॉलोनी रामलीला पड़ाव निवासी नीरज के रूप में हुई है। कॉल सेंटर का लीडर था प्रीतपाल सिंह पूछताछ में पता चला कि प्रीतपाल सिंह इस कॉल सेंटर का टीम लीडर था। आरोपित पिछले दो से तीन महीनों से मकान किराए पर लेकर कॉल सेंटर चला रहे थे। प्रत्येक कॉलर को कमीशन के आधार पर रखा गया था। कॉल सेंटर का संचालन एक अन्य व्यक्ति कर रहा था। आरोपित एपल कस्टमर सर्विस के नाम पर अमेरिकी नागरिकों को फोन में वायरस आने और तकनीकी खराबी का झांसा देकर उन्हें फर्जी टोल फ्री नंबर पर कॉल करने के लिए कहते थे। खुद को एपल कंपनी का कर्मचारी बताकर समस्या ठीक करने के नाम पर दस हजार से बीस हजार अमेरिकी डॉलर तक की ठगी करते थे। ठगी की रकम विदेशी बैंक खाते में मंगवाते थे और गिफ्ट वाउचर के नंबर भी ले लेते थे। पुलिस ने आरोपितों के पास से नौ लैपटॉप, बीस मोबाइल फोन, दो हेडफोन माइक, दो कार, एक बाइक और एक स्कूटी बरामद की है।

हर माह समय पर वेतन की उम्मीद से धरना स्थगित

गुरुग्राम। सेक्टर-39 स्थित सीएमओ कार्यालय में वेतन भुगतान और लंबित भत्तों की मांग को लेकर धरने पर बैठे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारियों ने स्वास्थ्य विभाग के आश्वासन के बाद धरना स्थगित कर दिया। जिले में कार्यरत एनएचएम कर्मचारियों के वेतन को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने निर्देश जारी किए हैं। विभाग की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि एनएचएम के तहत कार्यरत सभी कर्मचारियों का वेतन हर महीने की 7 तारीख तक जारी किया जाए। पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि वेतन जारी करने में देरी होने पर संबंधित अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होंगे। कर्मचारियों ने प्रशासन के आश्वासन का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में हर माह समय पर वेतन जारी किया जाएगा। कर्मचारियों ने कहा कि यदि लिखित आश्वासन के अनुसार व्यवस्था लागू नहीं होती है तो वे आगे की रणनीति तय करने के लिए मजबूर होंगे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

ई–निविदा (ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

एन.आई.टी.	**46, 49 & 52-2026-27-डब्ल्यू–5**
1. कार्य का नाम और उसका स्थान	
46	ADEN/HNZM के तहत विभिन्न बड़े और छोटे पुलों की वार्षिक मरम्मत। **समान कार्य की प्रकृतिः किसी भी पुल का काम।**
49	ADEN/DEE के अंतर्गत DLI-RE सेक्शन पर स्टेशनों में टैक्टाइल पाथ, स्टैंडर्ड साइन, पार्किंग, शौचालय और एंड रैंप प्रदान करके दिव्यजन सुविधाओं की व्यवस्था। **समान कार्य की प्रकृतिः ट्रैक के काम के अलावा कोई भी सिविल काम।**
52	ADEN/DEE के तहत विभिन्न मुख्य और छोटे पुलों की वार्षिक मरम्मत। **समान कार्य की प्रकृतिः किसी भी पुल का काम।**

2. काम की अनुमानित लागत (रुपये)

46	₹ 69,99,975.40	49	₹ 4,42,32,342.49	52	₹ 64,99,994.45

3. अग्रिम राशि (रुपये)

(यह नेट बैंकिंग के रूप में होना चाहिए या केवल भुगतान गेटवे द्वारा।) (नोटः– रेलवे बोर्डों के पत्र संख्या 2015/सीई–आई/सीटी/5/1 दिनांक 31.08.2016 के अनुसार जो टेंडर आईआरईपीएस पर आमंत्रित किया गया है उसमें एफडीआर को निविदा के लिए ईएमडी के रूप में, स्वीकार नहीं किया जाएगा)।

46	₹ 1,40,000.00	49	₹ 8,84,700.00	52	₹ 1,30,000.00

4. काम की समाप्ति अवधि

46	12 महीने	49	12 महीने	52	12 महीने

5. निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय	24.09.2026 को 15:00 बजे तक तथा 24.09.2026 को 15:00 बजे निविदा खुलना है।
6. वेबसाइट के विवरण का नोटिस बोर्ड स्थान, निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	यह निविदा आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट अर्थात **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

सं.: 128-W/280/OET/2026-27/W-V/NIT-46, 49 & 52-2026-27
दिनांकः 01.09.2026 **3012/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

विचार मंथन

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 02 सितंबर, 2026

सम्पादकीय

क्या महिलाएं आज भी सुरक्षित हैं?

सुनील कुमार महला

हाल ही में देश की राजधानी दिल्ली में चलती स्लीपर बस में 16 वर्षीय छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार घटना के आरोपी बस चालक और कंडक्टर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा बस को भी जब्त कर लिया गया है, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर यह गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर देश में महिलाएं और बालिकाएं कितनी सुरक्षित हैं? इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि जिस बस में यह हैवानियत हुई, वह करीब 47 किलोमीटर तक चलती रही, लेकिन इस दौरान न तो बस को किसी चेकपोस्ट पर रोका गया और न ही किसी स्तर पर ऐसी कोई निगरानी सामने आई, जिससे इस अपराध को समय रहते रोका जा सकता। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार, आरोपी बस चालक और कंडक्टर दोनों ही कानपुर के रहने वाले हैं, जबकि पीड़िता उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली और कक्षा 11वीं की छात्रा है। घटना 4 अगस्त की रात की बताई जा रही है, जो अब सामने आई है। बताया जाता है कि छात्रा किसी बात को लेकर अपने परिजनों से नाराज होकर बिना बताए नोएडा में रहने वाले अपने चचेरे भाई के पास जा रही थी। बारिश और अंधेरे के कारण वह गलती से परी चौक पर उतर गई। इसी दौरान वहां से गुजर रही एक खाली स्लीपर बस को देखकर उसने रुकने का इशारा किया। चालक ने बस रोककर उसे उसमें बैठा लिया। आरोप है कि इसके बाद कंडक्टर ने छात्रा के साथ अश्लील हरकत शुरू कर दी। पीड़िता के अनुसार, चालक और कंडक्टर ने उसके साथ दुष्कर्म किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। मामले को और गंभीर बनाने वाली बात यह है कि बस में पर्दे लगे हुए थे और कथित तौर पर सीसीटीवी कैमरे भी बंद थे। सवाल यह है कि करीब 47 किलोमीटर के लंबे सफर के दौरान बस के भीतर एक नाबालिग छात्रा के साथ यह जघन्य अपराध होता रहा और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। इससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि इतने लंबे रास्ते में बस किसी चेकपोस्ट या निगरानी बिंदु पर क्यों नहीं रोकी गई? यदि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में निगरानी के पर्याप्त इंतजाम होते, सीसीटीवी कैमरे सक्रिय होते और बसों की नियमित जांच की जाती, तो संभव है कि इस घटना को समय रहते रोका जा सकता था। बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि तमाम कड़े कानूनों, पुलिस गश्त और महिला सुरक्षा के दावों के बावजूद दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अब भी गंभीर चिंताएं बनी हुई हैं। राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते दिल्ली से यह अपेक्षा की जाती है कि यहां कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा की व्यवस्था देश के अन्य शहरों की तुलना में अधिक मजबूत और प्रभावी होगी। लेकिन यह विडंबना ही है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में दिल्ली लंबे समय से सवालों के घेरे में रही है। पाठक यह जानते हैं कि वर्षों पहले हुए निर्भया कांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था। 16 दिसंबर 2012 की उस भयावह घटना के बाद महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कानूनों में व्यापक बदलाव किए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 के माध्यम से बलात्कार से संबंधित कानूनी प्रावधानों को अधिक कठोर बनाया गया तथा यौन उत्पीड़न, पीछा करना (स्टॉकिंग), ताक-झांक (वॉययूरिज्म), तेजाब हमला और महिला को निर्वस्त्र करने जैसे अपराधों को स्पष्ट रूप से दंडनीय बनाया गया। गंभीर परिस्थितियों में बलात्कार के लिए आजीवन कारावास तथा कुछ मामलों में मृत्युदंड तक का प्रावधान किया गया। बाद में 2018 में 12 वर्ष से कम उम्र की बच्चियों से बलात्कार के मामलों में भी मृत्युदंड का प्रावधान जोड़ा गया। महिलाओं की सुरक्षा, आपातकालीन सहायता और अन्य सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के उद्देश्य से निर्भया फंड के माध्यम से भी कई पहल की गईं। लेकिन यहां सवाल यह उठता है कि क्या केवल कानूनों को कठोर बना देने से महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकती है? दिल्ली में निजी बस के भीतर एक नाबालिग छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म और फिर उसे बाहर फेंक दिए जाने की घटना बताती है कि कानून की कठोरता और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच अभी भी एक बड़ी खाई मौजूद है। वास्तव में, कानून तभी प्रभावी होगा, जब अपराधी को उसके उल्लंघन का त्वरित और निश्चित परिणाम दिखाई दे। यदि अपराधी को यह विश्वास हो जाए कि वह निगरानी व्यवस्था को आसानी से चकमा दे सकता है, तो कठोर कानून का भय भी कमजोर पड़ जाता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर चिंता पैदा करते रहे हैं।

22 हजार करोड़ का दावा, 6.5 करोड़ का निपटारा: आखिर किस कीमत पर?

डॉ. प्रियंका सौरभ

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा सुभाष चंद्र बैंक के लगभग 22,006 करोड़ रुपये के दावों के निपटारे को मात्र 6.5 करोड़ रुपये में अस्थायी मंजूरी देने के आदेश ने बैंकिंग क्षेत्र को झकझोर दिया है और दिवालियापन कानून तथा देश के आर्थिक न्याय को लेकर विवाद खड़ा कर दिया है। यह टकराव केवल व्यावसायिक संघर्ष नहीं है, बल्कि बड़े कॉरपोरेट समूहों, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, नियामक संस्थानों और न्यायपालिका की व्यवस्था के लिए एक चुनौती है, जो एक ही मंच पर खड़े दिखाई देते हैं। जब इतने बड़े ऋण की वसूली के लिए 99.97 प्रतिशत तक की कटौती की जाती है, तो आप उम्मीद कर सकते हैं कि कानून निष्पक्ष होगा, या कम से कम आर्थिक शक्ति के अनुरूप कानून की व्याख्या अपरिवर्तित रहेगी। इसलिए, इस निर्णय ने जनता की नाराजगी, राजनीतिक बहस और संस्थानों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।दिवालियापन और दिवालिया संहिता मूल रूप से संकटग्रस्त कंपनियों को एक निश्चित समय सीमा के भीतर पुनर्जीवित करने, लेनदारों के हितों की रक्षा करने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के लिए बनाई गई थी। हालांकि, यदि कोई समाधान योजना इतनी कठोर प्रतीत होती है कि अधिकांश दावे को छोड़ दिया जाता है, तो समाधान प्रक्रिया की वास्तविक प्रकृति पर सवाल उठना स्वाभाविक है। किसी कानून की वैधता केवल यह नहीं है कि वह कानूनी रूप से एक प्रक्रिया स्थापित कर सकता है, बल्कि यह उचित और जनहित के अनुरूप भी होना चाहिए। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के धन में भारी कमी - जो अंततः नागरिकों की जमा राशि और करों द्वारा समर्थित है - प्रणाली की जवाबदेही को प्रभावित करेगी। इससे यह धारणा बनती है कि उधारकर्ता का सामाजिक वर्ग, राजनीतिक संबंध और व्यावसायिक शक्ति वसूली की समय-सारणी और उसकी गंभीरता को प्रभावित कर सकती है। यह एक संवेदनशील मुद्दा है क्योंकि भारत में बैंकिंग प्रणाली छोटे कर्जदारों के प्रति बेहद कठोर मानी जाती है। किसान, छोटे व्यापारी, निम्न मध्यम वर्ग के वेतनभोगी और शिक्षा ऋण लेने वाले छात्रों को मामूली चूक पर भी अक्सर नोटिस, वसूली की कार्रवाई और दंड का दबाव झेलना पड़ता है। इसके विपरीत, जब बड़े व्यावसायिक ऋणों की बात आती है, तो पुनर्गठन, समाधान और कटौती जैसे तकनीकी शब्द आम नागरिक को यह नहीं समझा पाते कि नुकसान किसका होगा। 22,000 करोड़ की बड़ी रियायत से असमानता पैदा होना तय है, जब एक किसान की जमीन 50,000 के बकाया ऋण के कारण खतरे में पड़ जाती है। यह असमानता न केवल आर्थिक है, बल्कि नैतिक भी है, जो राज्य और उसकी संस्थाओं में नागरिकों के विश्वास को प्रभावित करती है। इस मुद्दे का एक और पहलू भारत की कॉर्पोरेट ऋण वसूली व्यवस्था की अपारदर्शिता है। दावे की वास्तविक राशि, स्वीकृत प्रतिशत, कटौती के निर्धारण में प्रयुक्त प्रक्रिया और संबंधित परिसंपत्तियों के मूल्यांकन का आधार आम नागरिक के लिए समझना कठिन है। जब दस्तावेज, मूल्यांकन और निर्णय लेने की प्रक्रिया सरल भाषा में उपलब्ध न हों और सार्वजनिक जांच के लिए खुले न हों, तो ऐसे मामलों में संदेह होना स्वाभाविक है। यह संदेह तब और भी प्रबल हो जाता है जब कोई निर्णय ऐसे समय में आता है जब सरकार और बड़े उद्योगपतियों के बीच किसी प्रकार का संबंध है या नहीं, इस पर राजनीतिक बहस चल रही होती है। इसलिए यह केवल एक व्यक्ति या एक कंपनी का मामला नहीं है, बल्कि यह वित्तीय न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता का प्रश्न है। समर्थकों के बीच यह बहस हो सकती है कि दिवालियापन व्यवस्था का लक्ष्य हमेशा अधिकतम वसूली नहीं बल्कि एक व्यावहारिक समाधान होना चाहिए।

आईएएस/आईपीएस अधिकारियों का इस्तीफा

इसलिए, आईएएस या आईपीएस अधिकारी का इस्तीफा व्यक्तिगत पसंद नहीं माना जा सकता। यह प्रशासन, संगठनात्मक संस्कृति और शासन प्राथमिकताओं से जुड़े मुद्दों को भी संबोधित करता है। लेकिन हाल के वर्षों में, इस तरह के इस्तीफों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारी प्रणाली अपने सबसे कुशल और उच्च प्रशिक्षित अधिकारियों को ऐसा कार्यस्थल प्रदान कर सकती है जहां वे स्वतंत्रता, गरिमा और उद्देश्य के साथ अपनी प्रतिभा का उपयोग कर सकें। आईएएस/आईपीएस अधिकारी का इस्तीफा किसी सामान्य कर्मचारी के इस्तीफे जैसा नहीं होता। इन सेवाओं में प्रवेश पाने के लिए देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक को उत्तीर्ण करना, गहन प्रशिक्षण लेना और वर्षों तक जिम्मेदारियां निभाना आवश्यक होता है। जब कोई अधिकारी इस तरह के करियर को छोड़ने का फैसला करता है, तो स्वाभाविक है कि समाज उससे पूछेगा कि उसने ऐसा क्यों किया। सभी इस्तीफे व्यवस्था में खामियों के कारण नहीं होते। कारण वास्तविक हो सकते हैं, जैसे पारिवारिक जिम्मेदारियां, स्वास्थ्य, व्यक्तिगत परिस्थितियां, वैकल्पिक करियर या जीवनशैली में बदलाव। हालांकि, अन्य स्थितियों में, इस्तीफे निर्णय लेने की शक्ति की कमी, राजनीतिक या संस्थागत तनाव और कार्य परिस्थितियों से उत्पन्न दीर्घकालिक असंतोष के कारण भी हो सकते हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) को भारत की शासन प्रणाली की रीढ़ माना जाता है। इन सेवाओं में प्रवेश केवल सरकारी नौकरी पाने का साधन नहीं है, बल्कि संविधान, राज्य और जनता के प्रति प्रतिबद्धता भी है। इसलिए, आईएएस या आईपीएस अधिकारी का इस्तीफा व्यक्तिगत पसंद नहीं माना जा सकता। यह प्रशासन, संगठनात्मक संस्कृति और शासन प्राथमिकताओं से जुड़े मुद्दों को भी संबोधित करता है। लेकिन हाल के वर्षों में, इस तरह के इस्तीफों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारी प्रणाली अपने सबसे कुशल और उच्च प्रशिक्षित अधिकारियों को ऐसा कार्यस्थल प्रदान कर सकती है जहां वे स्वतंत्रता, गरिमा और उद्देश्य के साथ अपनी प्रतिभा का उपयोग कर सकें। आईएएस/आईपीएस अधिकारी का इस्तीफा किसी सामान्य कर्मचारी के इस्तीफे जैसा नहीं होता। इन सेवाओं में प्रवेश पाने के लिए देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक को उत्तीर्ण करना, गहन प्रशिक्षण लेना और वर्षों तक जिम्मेदारियां निभाना आवश्यक होता है। जब कोई अधिकारी इस तरह के करियर को छोड़ने का फैसला करता है, तो स्वाभाविक है कि समाज उससे पूछेगा कि उसने ऐसा क्यों किया। सभी इस्तीफे व्यवस्था में खामियों के कारण नहीं होते। कारण वास्तविक हो सकते हैं, जैसे पारिवारिक जिम्मेदारियां, स्वास्थ्य, व्यक्तिगत परिस्थितियां, वैकल्पिक करियर या जीवनशैली में बदलाव। हालांकि, अन्य स्थितियों में, इस्तीफे निर्णय लेने की शक्ति की कमी, राजनीतिक या संस्थागत तनाव और कार्य परिस्थितियों से उत्पन्न दीर्घकालिक असंतोष के कारण भी हो सकते हैं। ऐसे में सवाल व्यक्तिगत नहीं रह जाता, बल्कि संस्थागत हो जाता है। प्रशासनिक अधिकारियों का मनोबल शासन की प्रभावशीलता से गहराई से जुड़ा होता है। प्रशासनिक प्रभावशीलता समय के साथ तब कमजोर हो सकती है जब अधिकारी को यह महसूस होता है कि निर्णय नियमों, कानूनों और जनहित के बजाय बाहरी दबावों के आधार पर लेने पड़ते हैं। यह विशेष रूप से ज़िला स्तर पर सच है, जहाँ प्रशासकों और पुलिस अधिकारियों को अक्सर कानून-व्यवस्था, विकास, सामाजिक तनाव और जनता की शिकायतों तथा निर्वाचित प्रतिनिधियों की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाना पड़ता है। नागरिकों की अपेक्षाएँ होती हैं, और वहाँ राजनीतिक और संस्थागत दबाव भी होते हैं। जब ये दबाव बढ़ते हैं और अधिकारी के पास अपने विवेक का उपयोग करने का सीमित अवसर होता है, तो असंतोष और हताशा का उत्पन्न होना निश्चित है। इसलिए, जब भी नौकरी समाप्त करने के लिए वास्तविक व्यक्तिगत कारण मौजूद हों, तो उन्हें ध्यान में रखा जाना चाहिए; हालाँकि, जहाँ संस्थागत कारण मौजूद हों, उन्हें केवल यह कहकर खारिज नहीं किया जाना चाहिए कि बर्खास्तगी व्यक्तिगत कारण से थी। आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की स्थिरता, व्यावसायिकता और लोक सेवा के प्रति समर्पण उनके सर्वोत्तम गुणों में से हैं। लेकिन अगर अधिकारी अपने पेशेवर विवेक का पालन करने के बजाय अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने लगें तो यह गुण धूमिल हो सकते हैं। परियोजनाओं में देरी, कानून-व्यवस्था पर दबाव, शिकायतों पर निष्क्रियता और तबादलों को लेकर अनिश्चितता, ये सभी कारक अधिकारी के मनोबल को प्रभावित कर सकते हैं। एक सक्षम अधिकारी से कठिन परिस्थितियों में कड़े निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। इसके लिए अधिकारी को संस्थागत समर्थन और पेशेवर आत्मविश्वास भी मिलना आवश्यक है। समय के साथ, किसी निर्णय के प्रति साहसिक और निष्पक्ष दृष्टिकोण कमजोर पड़ सकता है क्योंकि अधिकारी अपने करियर को ध्यान में रखते हुए उसका मूल्यांकन करने लगते हैं। आज के युवा सरकारी कर्मचारियों के रूप में सुरक्षित नौकरी या आजीविका से संतुष्ट नहीं हैं। नौकरी से संतुष्टि, बेहतर कार्य-जीवन संतुलन, गरिमा और कौशल का सार्थक उपयोग भी पेशेवर स्वतंत्रता के लिए महत्वपूर्ण कारक बनकर उभर रहे हैं। यह बदलाव हमेशा बुरा नहीं होता। बल्कि, यह सरकारी संस्थानों के लिए अपने कार्यस्थल संस्कृति को आधुनिक बनाने का एक अवसर है। यदि कोई अधिकारी आश्वस्त है कि कोई अन्य क्षेत्र अधिक स्वायत्त है, बेहतर कार्य वातावरण प्रदान करता है और विचारों को व्यवहार में लाने के अधिक अवसर प्रदान करता है, तो सेवा छोड़ने के निर्णय को प्रतिबद्धता की कमी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह इस बात का भी संकेत दे सकता है कि सरकारी संस्थानों की प्रतिभा अधिग्रहण और प्रतिधारण रणनीतियों का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए। हालांकि, इस मामले पर निष्पक्ष रूप से विचार किया जाना चाहिए। प्रत्येक अधिकारी का अनुभव अद्वितीय होता है और प्रत्येक इस्तीफा प्रणाली पर दोषारोपण नहीं है। कुछ छिटपुट घटनाओं के आधार पर आईएएस/आईपीएस का मूल्यांकन करना भी उतना ही गलत होगा। हजारों अधिकारी बेहद कठिन परिस्थितियों में भी लगन और मेहनत से काम करते हैं। लेकिन, यदि इस्तीफों का एक स्पष्ट पैटर्न दिखाई देता है, विशेष रूप से उन अधिकारियों से जो सक्षम हैं, सत्यनिष्ठा से परिपूर्ण हैं और निर्णय लेने में स्वतंत्र हैं, तो इसे महज एक संयोग मानकर खारिज नहीं किया जाना चाहिए। ऐसी स्थिति में सरकार, कार्मिक विभाग और सेवाओं के वरिष्ठ अधिकारियों को यह विचार करना चाहिए कि व्यक्ति, वातावरण या संस्था में क्या खामी है। इस प्रश्न का सबसे संवेदनशील पहलू शायद जनता का विश्वास है। नागरिक ऐसे अधिकारियों की ओर देखते हैं जिन्होंने देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में से एक को उत्तीर्ण किया हो और जो व्यवस्था को बेहतर बनाने में योगदान दें। तो ऐसे में क्या होता है जब वे पद छोड़ने का फैसला करते हैं? स्वाभाविक रूप से वे स्वयं से यह प्रश्न पूछते हैं: क्या शासन प्रणाली अपने सर्वश्रेष्ठ लोगों को आकर्षित कर सकती है? जब योग्य और प्रशिक्षित लोग बड़ी संख्या में सार्वजनिक संस्थानों को छोड़ने लगते हैं, तो इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

विरासत - पिता और संतान के बीच बदलती बिहार की राजनीति

यह केवल एक धार्मिक वाक्य नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच विरासत के हस्तांतरण का गहरा दर्शन है। पिता अपनी संतान को केवल संपत्ति, पद, प्रतिष्ठा या राजनीतिक प्रभाव नहीं देता, बल्कि अपने कर्म, संस्कार, विचार और जीवन-मूल्यों की विरासत भी सौंपता है। संतान की परवरिश केवल उसे पढ़ा-लिखाकर नौकरी या व्यवसाय के योग्य बना देने से पूरी नहीं होती। उसके शरीर, चरित्र, व्यवहार, विवेक, आत्मबोध और जिम्मेदारी की भावना का विकास भी उतना ही आवश्यक है। क्योंकि अंततः संतान को केवल जीवन जीना नहीं होता, बल्कि उस विरासत को भी संभालना होता है जिसे पिछली पीढ़ी ने वर्षों के संघर्ष से अर्जित किया है। किसी बड़े पिता की संतान होना निश्चित रूप से सौभाग्य है। पिता की उपलब्धियां संतान के लिए रास्ते खोलती हैं, समाज में पहचान देती हैं और संघर्ष की कई कठिनाइयों को कम कर देती हैं। लेकिन यही विरासत कई बार संतान के लिए सबसे बड़ी चुनौती भी बन जाती है। जब पिता का कद बहुत ऊंचा हो, तब संतान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न होता है कि वह अपनी पहचान कैसे बनाए। पिता की छाया इतनी विशाल हो सकती है कि उसके नीचे खड़े होकर अपनी स्वतंत्र पहचान बनाना कठिन हो जाता है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

तैत्तिरीय उपनिषद् में पिता द्वारा संतान को दिए जाने वाले संस्कारों का एक अत्यंत महत्वपूर्ण सूत्र मिलता है यान्यस्माकं सुचरितानि तानि त्वयोपास्यानि। अर्थात, हमारे जो अच्छे आचरण हैं, उन्हें तुम अपने जीवन में अपनाना। यह केवल एक धार्मिक वाक्य नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच विरासत के हस्तांतरण का गहरा दर्शन है। पिता अपनी संतान को केवल संपत्ति, पद, प्रतिष्ठा या राजनीतिक प्रभाव नहीं देता, बल्कि अपने कर्म, संस्कार, विचार और जीवन-मूल्यों की विरासत भी सौंपता है। संतान की परवरिश केवल उसे पढ़ा-लिखाकर नौकरी या व्यवसाय के योग्य बना देने से पूरी नहीं होती। उसके शरीर, चरित्र, व्यवहार, विवेक, आत्मबोध और जिम्मेदारी की भावना का विकास भी उतना ही आवश्यक है। क्योंकि अंततः संतान को केवल जीवन जीना नहीं होता, बल्कि उस विरासत को भी संभालना होता है जिसे पिछली पीढ़ी ने वर्षों के संघर्ष से अर्जित किया है। किसी बड़े पिता की संतान होना निश्चित रूप से सौभाग्य है। पिता की उपलब्धियां संतान के लिए रास्ते खोलती हैं, समाज में पहचान देती हैं और संघर्ष की कई कठिनाइयों को कम कर देती हैं। लेकिन यही विरासत कई बार संतान के लिए सबसे बड़ी चुनौती भी बन जाती है। जब पिता का कद बहुत ऊंचा हो, तब संतान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न होता है कि वह अपनी पहचान कैसे बनाए। पिता की छाया इतनी विशाल हो सकती है कि उसके नीचे खड़े होकर अपनी स्वतंत्र पहचान बनाना कठिन हो जाता है। लोग संतान को उसके नाम से कम और पिता के नाम से अधिक पहचानने लगते हैं। उसकी हर उपलब्धि की तुलना पिता से होने लगती है और हर असफलता को पिता की विरासत से जोड़कर देखा जाता है। हर संतान पिता की प्रतिलिपि नहीं हो सकती। यह प्रकृति का नियम है। संतान का व्यक्तित्व अलग होगा, उसकी सोच अलग होगी और उसकी क्षमता भी अलग हो सकती है। इसलिए पिता की हूबहू नकल बनने की अपेक्षा करना उचित नहीं। लेकिन पिता के अच्छे संस्कारों, अनुशासन, संघर्षशीलता और मूल्यों को आत्मसात करना संतान की जिम्मेदारी अवश्य है। हमारे समाज में विरासत का अर्थ अक्सर संपत्ति से लगाया जाता है। मकान, जमीन, कारोबार, बैंक बैलेंस, पद और राजनीतिक प्रभाव, इन सबको विरासत मान लिया जाता है। लेकिन वास्तविक विरासत इससे कहीं बड़ी होती है। एक पिता अपनी संतान को ईमानदारी की विरासत दे सकता है। वह उसे कठिन परिस्थितियों में धैर्य रखने की सीख दे सकता है। वह उसे लोगों के सम्मान, कमजोरों की सहायता और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव दे सकता है। यही विरासत आने वाली पीढ़ियों को मजबूत बनाती है। यदि करोड़ों की संपत्ति संतान को मिल जाए लेकिन उसे संभालने का विवेक न मिले, तो वह संपत्ति कुछ ही वर्षों में समाप्त हो सकती है। इसके विपरीत सीमित साधनों के बावजूद यदि संतान को संस्कार, मेहनत और निर्णय लेने की क्षमता मिल जाए, तो वह अपनी दुनिया स्वयं बना सकती है। इसलिए पिता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह नहीं है कि वह अंत समय में संपत्ति बांटे, बल्कि यह है कि वह समय रहते संतान को उस विरासत के योग्य बनाए। विरासत का बंटवारा अक्सर उस समय विवाद का कारण बनता है, जब परिवार के भीतर संवाद और संस्कार की जगह स्वार्थ ले लेता है। यदि पिता ने जीवनकाल में ही संतान को जिम्मेदारी का अवसर दिया, तो भविष्य के विवाद की संभावना कम हो जाती है। संपत्ति देना आसान है, लेकिन संपत्ति संभालने की योग्यता पैदा करना कठिन है। पद देना आसान है, लेकिन पद की गरिमा बनाए रखना कठिन है। राजनीतिक विरासत सौंपना आसान है, लेकिन जनता का विश्वास बनाए रखना सबसे कठिन काम है। यही कारण है कि कई परिवारों में पिता के जीवनकाल में सब कुछ व्यवस्थित दिखाई देता है, लेकिन उनके कमजोर पड़ते ही विरासत को लेकर संघर्ष शुरू हो जाता है। तब सवाल यह नहीं रहता कि किसे क्या मिला, बल्कि सवाल यह बन जाता है कि कौन कितना हासिल कर सकता है। यहीं से रिश्तों में दरार आती है और विरासत अधिकार के बजाय संघर्ष का मैदान बन जाती है। कभी-कभी पिता का व्यक्तित्व इतना असाधारण होता है कि उसकी बराबरी करना संतान के लिए संभव नहीं होता है। इतिहास, राजनीति, समाज, साहित्य और व्यवसाय, हर क्षेत्र में ऐसे उदाहरण मिलते हैं जहां पिता का कद बहुत बड़ा रहा है, लेकिन संतान ने उसी ऊंचाई की नकल करने के बजाय अपनी अलग राह बनाई है।यही वास्तविक सफलता है। पिता के प्रकाश में अपनी राह बनाना, पिता की उपलब्धियों को सम्मान देना और साथ ही अपनी प्रतिभा से नया अध्याय लिखना किसी भी संतान की सबसे बड़ी उपलब्धि हो सकती है। विरासत का अर्थ यह नहीं है कि पिछली पीढ़ी जहां पहुंची, अगली पीढ़ी भी वहीं पहुंचे। असली विरासत तो तब सफल मानी जाती है, जब अगली पीढ़ी उस आधार पर कुछ नया निर्माण करे। राजनीति में विरासत का प्रश्न और भी जटिल हो जाता है। यहां केवल परिवार का नाम पर्याप्त नहीं होता। जनता की स्वीकृति, संगठन का समर्थन, कार्यकर्ताओं का विश्वास और समय की मांग, इन सभी का अपना महत्व है। बिहार की राजनीति में इन दिनों विरासत को लेकर जुबानी जंग का वातावरण इसी व्यापक बदलाव की ओर संकेत करता है। पुरानी पीढ़ी धीरे-धीरे राजनीतिक परिदृश्य से पीछे हट रही है और नई पीढ़ी अपने लिए जगह बनाने की कोशिश कर रही है। कई राजनीतिक परिवारों में उत्तराधिकार की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है, जबकि कुछ परिवारों में यह सवाल अभी भी संघर्ष का विषय बना हुआ है। यह बदलाव स्वाभाविक है। राजनीति में कोई भी स्थान स्थायी नहीं होता। जनता समय के साथ अपनी पसंद बदलती है और राजनीतिक परिस्थितियां भी लगातार परिवर्तित होती रहती हैं। नई पीढ़ी को अवसर मिलना चाहिए, लेकिन अवसर के साथ जिम्मेदारी भी मिलनी चाहिए। केवल इसलिए कि कोई व्यक्ति किसी बड़े राजनीतिक परिवार में पैदा हुआ है, उसे विरासत का स्वाभाविक उत्तराधिकारी मान लेना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता है। उसे यह सिद्ध करना होगा कि वह जनता की समस्याओं को समझता है, कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा रह सकता है और कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता रखता है। पुरानी पीढ़ी का अनुभव और नई पीढ़ी की ऊर्जा यदि साथ आ जाए तो राजनीति को नई दिशा मिल सकती है।

संबंधों से तय होते हैं बातों के अर्थ

राजीव थेपडा

जीवन में लोगों के साथ जीते हुए हम सब ने लगातार यह पाया होगा कि बहुतों बार आपस में बातचीत करते हुए एक ही व्यक्ति या समूह के साथ एक ही बात पर दूसरे व्यक्ति या समूह की अपेक्षा की तुलना में कुछ अलग सी ही भावाभिव्यक्ति की जाती है और यह सिर्फ यह केवल बाहर नहीं होता। अपने घर में भी होता है। हम लगातार यह देखते हैं कि जिन लोगों के आपस में संबंध बेहतर होते हैं, उनके बीच हुई कोई कटु बात भी बड़ी आसानी से संबंधों में समाहित कर ली जाती है। लेकिन जिन लोगों के आपस में संबंध इतने अच्छे अथवा बेहतर ढंग से सामंजस्य पूर्ण नहीं होते उन लोगों की सामान्य बातों को भी तूल दे दिया जाता है या उनकी सामान्य सी बातों के भी कई कई बार गलत अर्थ निकाल लिए जाते हैं। यह संसार में हर जगह हर घर, हर संस्थान, हर समूह में हुआ करता है और यह सब इतना ज्यादा होता है कि आपसी देन लेन में भी यह अंतर स्पष्ट दिखाई देता है। जिनके साथ आपके संबंध अच्छे हैं या जो घर में मजबूत पोजीशन में है, उनके साथ का देन लेन और जो थोड़ी कमतर स्थिति में है उसके साथ के देन लेन में भी स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। माथा देखकर टीका गाड़ना वाली कहावत संभवतः इसी से निकली होगी!! तो यह स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है कि भले ही शब्दों के अर्थ डिक्शनरी के अनुसार एक ही हुआ करते हैं। लेकिन व्यवहार में इस सांसारिक दुनिया में वास्तव में शब्दकोश का उतना महत्व नहीं है, जितना आपसी संबंधों के आधार पर जानबूझकर गलत अर्थ बना लिए गए अर्थों का महत्व है। तो आपसी संबंधों के अनुसार शब्दकोश में दर्शाए गए अर्थ भी बदल जाते हैं। और खराब संबंध होने पर फूल की खुशबू भी दुर्गंध मालूम पड़ती है और अच्छे संबंध होने पर किसी बदबू को भी आदमी सुगंध की तरह स्वीकार कर लेता है!! यह सब अपने आप में बड़ा अटपटा है!! किंतु इसी को दुनियादारी कहते हैं और एक्चुअली दुनियादारी आपसी स्वार्थ के समायोजन को कहा जाता है, जिससे जितना स्वार्थ सधता है, उसके संग वैसी ही दुनियादारी अपनाई जाती है!! किसी भी क्षेत्र में कोई वैचारिक तथ्य या कोई बौद्धिक बात भी इसी तरह अपने अर्थ बदलते हैं। विचारों के अनुसार भी और संबंधों के अनुसार भी। किसी से अच्छा संबंध हो, तो मतलब उसके अनुसार निकलता है और बुरा संबंध हो, तो वही मतलब बदल जाता है और यहां तक कि जिसे हम बहुत चाहते हैं और पसंद करते हैं, उनसे भी जब हमारा किसी प्रकार का मनमुटाव हो जाता है या झगड़ा हो जाता है। तो भी उसी बात का अर्थ तब बदल जाता है। कुल मिलाकर यही है कि आदमी की दुनिया असल में किसी भी प्रकार अपने स्वार्थों को पूरा करने की दुनिया है और उन स्वार्थों को पूरा करने के लिए छल, छद्म, धूर्तता व हर किस्म के अन्य साधन अपनाए जाते हैं। लेकिन यह सब करते हुए आदमी इस बात की फिराक में भी रहता है कि उसका यह धूर्तता शायद किसी को पता ना चले! बहुतों बार, बहुतों समय तक ऐसा हो भी जाता है। लेकिन अंततः असली बात सामने आती हैं और तब चीजें बदल जाती हैं!! और तब अक्सर परिणाम अच्छे नहीं निकलते। किंतु आदमी ने भला कुछ भी करने से पहले कभी सोचा ही कहां है! यदि वह कुछ करने से पहले थोड़ा सा भी सोच ले, तो फिर उसके कुल परिणामों की गणना करने पर संभव है कि अपने स्वार्थ त्याग देने लायक लगेंगे। किंतु आदमी में स्वहित सदैव समष्टि हित पर हावी रहा है। इसलिए आदमी कभी भी कुछ भी करने से पूर्व समष्टि के बारे में कुछ सोचता ही नहीं है, उसे केवल और केवल अपने स्वार्थ दिखते हैं और हमें नहीं लगता कि आदमी की दुनिया में इससे दीगर भी कोई और बात कभी हो सकेगी!

संक्षिप्त खबरें

फरुर्खाबाद वन विभाग ने पकड़ा विशालकाय अजगर

फरुर्खाबाद। उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जिले की शमसाबाद क्षेत्र में मोहल्ला सिकंदरपुर महमूद से सटे एक खेत में काम कर रहे किसान ने मंगलवार को झाड़ियों में एक अजगर को देखा। उसने शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुला लिया। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर अजगर को पकड़ लिया। मामले की जानकारी मिलने पर जिला पंचायत सदस्य कुंवरजीत सिंह भी मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने स्थिति को देखते हुए तत्काल वन विभाग की टीम को सूचना दी। कुछ समय बाद वन विभाग के कर्मचारी सांप पकड़ने वाले विशेषज्ञों के साथ मौके पर पहुंच गए। टीम को देखते ही ग्रामीणों की भीड़ और बढ़ गई। वन विभाग की टीम ने काफी सावधानी के साथ अजगर को पकड़ने का अभियान शुरू किया। झाड़ियों और खेत के बीच मौजूद अजगर को पकड़ना आसान नहीं था। टीम ने काफी मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित तरीके से काबू में ले लिया। अजगर को कब्जे में लेने के बाद वन विभाग की टीम उसे अपने साथ ले गई। अजगर के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। वन दरोगा केपी सिंह ने बताया कि इस अजगर का वजन लगभग 20 किलो होगा। इसे गांव से दूर जंगलों में छोड़ दिया जाएगा।

घोर वित्तीय अनियमितताओं में प्रधानाचार्य अनिल सिंह निलंबित

फरुर्खाबाद। गंगा पार महात्मा गांधी इंटर कॉलेज के प्रबंधक महेश चंद्र सिंह ने घोर वित्तीयअनियमितताओं के आरोप में कॉलेज के प्रधानाचार्य अनिल कुमार सिंह को निलंबित कर दिया है। प्रबंधक महेश सिंह ने मंगलवार को प्रधानाचार्य अनिल कुमार को निलंबन के संबंध में एक पत्र भेजा है। इसमें उन्हें अवगत कराया कि 8, 20 और 27 अगस्त को शैक्षिक सत्र 2013-14 से अद्यतन कक्षावार कुल छात्र संख्या के सापेक्ष लिये गये शुल्क तथा सत्रवार आय-व्यय का विवरण मूल अभिलेख (बिल बाउचर, कैशबुक, पासबुक) इत्यादि तथा विद्यालय में संचालित अटल टिंकरिंग लैब के लिए प्राप्त समस्त धनराशि एवं उसके व्यय का वर्षवार विवरण मूल अभिलेख प्राप्त कराने के लिए आदेशित किया गया था जो आपके द्वारा अद्यतन उपलब्ध नहीं कराये गये हैं, जिससे घोर वित्तीय अनियमितता प्रकट होती है। 30. अगस्त को हुई प्रबन्ध समिति की बैठक में प्रस्ताव में लिये गये निर्णयानुसार अनिल कुमार सिंह प्रधानाध्यापक को इण्टरमीडिएट शिक्षा अधिनियम के अन्तर्गत सेवा से घोर अनधीनता, प्रबन्धक के आदेशों की अवहेलना, विद्यालय के अभिलेख अवलोकन के लिए प्रस्तुत न करना, कर्तव्यों की उपेक्षा, निधियों के दुरुविनियोग, अवैध शुल्क वसूली जैसे गंभीर आरोपों की स्थिति में प्रबन्ध समिति ने तत्काल प्रभाव से निलम्बित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया जाता है। प्रबन्ध समिति के पारित प्रस्ताव के आलोक में प्रबन्ध समिति की अनुशंसा पर प्रकरण की जाँच के लिए तीन सदस्यीय जाँच समिति जिसमें आदेश कुमार सिंह, महेश चन्द्र सिंह, दिनेश प्रताप सिंह को जाँच अधिकारी नामित किया गया है। प्रकरण में जाँच समिति द्वारा आरोप पत्र पृथक से समयान्तर्गत प्रेषित किया जायेगा। निलम्बन प्रकरण में अपना पक्ष नियमानुसार जाँच समिति को प्रस्तुत करेंगे। निलम्बन अवधि में नियमानुसार देय जीवन निर्वाह भत्ता इस शर्त पर प्रदान किया जायेगा कि जब आप इस आशय का प्रमाण प्रस्तुत करेंगे कि अन्यत्र कोई कार्य, रोजगार नहीं कर रहे हैं।

युवा संवाद कार्यक्रम : राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर हुआ मंथन

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में सदर खंड अंतर्गत फुलवरिया स्थित उर्मिला विद्या मंदिर में मंगलवार को युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय ह्युवा का राष्ट्र निर्माण में योगदानह्ल रहा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के जिला प्रचार प्रमुख पुष्पराज तिवारी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होती है। युवाओं के विचार, ऊर्जा और संकल्प से ही समाज और देश का भविष्य निर्धारित होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रहित की भावना को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के सामने आगे बढ़ने के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। युवा अपनी प्रतिभा, परिश्रम और क्षमता का सदुपयोग कर समाज के विकास और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने तथा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने वक्ता के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना। विद्यार्थियों में कार्यक्रम को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरा वातावरण प्रेरणा, अनुशासन और राष्ट्रभावना से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम के संयोजक ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी तथा सह संयोजक राजेश मिश्र रहे।

विकसित प्रदेश और विकसित भारत के निर्माण में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका : केशव प्रसाद मौर्य

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि प्रदेश सरकार खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन करने तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत के निर्माण में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उप मुख्यमंत्री ने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं, अनुदानों एवं प्रोत्साहनों की व्यापक जानकारी उद्यमियों तक पहुंचाने के लिए प्रभावी जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक उद्यमियों को इस क्षेत्र में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाए, ताकि किसानों की उपज को बेहतर बाजार एवं उचित मूल्य मिल सके तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ें। इसी क्रम में अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत गठित एप्रेजल समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पोर्टल पर प्राप्त नवीन निवेश प्रस्तावों का परीक्षण किया गया तथा समिति के समक्ष प्रस्तुत प्रस्तावों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्राप्त कुल 12 नवीन आवेदनों पर विचार किया गया। परीक्षण के उपरांत इनमें से 10 प्रस्तावों को आवश्यक शर्तों की पूर्ति के अधीन स्वीकृति हेतु संस्तुति प्रदान की गई। संस्तुत परियोजनाओं में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की विभिन्न गतिविधियां शामिल हैं। इनमें कैटल फीड, अनाज एवं रिफाइंड मसाले, मूंगफली प्रसंस्करण, फ्रोजन एवं अन्य खाद्य उत्पाद, रेडी-टू-कुक उत्पाद, तेल-आटा-दाल-बेसन निर्माण, दाल मिल तथा फ्रोजन फ्रूट्स एवं वेजिटेबल प्रोसेसिंग जैसी इकाइयां शामिल हैं। कई प्रस्तावों में इकाइयों की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सोलर पावर प्लांट स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। एप्रेजल समिति द्वारा संस्तुत परियोजनाओं में निर्धारित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इनमें स्थानीय किसानों से कच्चे माल की खरीद, आवश्यक प्लांट मैप, फायर एवं प्रदूषण नियंत्रण संबंधी प्रमाण-पत्र, उत्पादन क्षमता के उपयोग तथा विद्युत बिल एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराना शामिल है। बैठक में एक प्रस्ताव को अभिलेखों के आधार पर पात्रता पूरी न होने के कारण निरस्त किया गया। वहीं, एक अन्य प्रस्ताव में प्लांट एवं मशीनरी से संबंधित आवश्यक विवरण उपलब्ध कराए जाने के बाद आगामी एप्रेजल समिति की बैठक में विचार किए जाने का निर्णय लिया गया। समिति ने यह भी निर्देशित किया कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत प्रथम किस्त प्राप्त करने वाली संस्थाओं को द्वितीय किस्त निर्गत करने पर तभी विचार किया जाए, जब संबंधित इकाइयां आरओएफसी के माध्यम से अपने उत्पाद का परीक्षण कराकर परीक्षण आख्या उपलब्ध कराएं। बैठक का उद्देश्य प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में नवीन निवेश को प्रोत्साहित करना, स्थानीय कृषि उपज का मूल्य संवर्धन बढ़ाना, किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नीति-2023 के अंतर्गत प्राप्त निवेश प्रस्तावों के समयबद्ध परीक्षण एवं आवश्यक अनुमोदन की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

वाराणसी : बाढ़ के बीच कोनिया पहुंचे विधायक, नाव से लिया हालात का जायजा, राहत शिविर में बच्चों में बांटा चॉकलेट और बिस्किट

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। गंगा और वरुणा के बढ़ते जलस्तर के बीच बाढ़ की मार झेल रहे कोनिया में मंगलवार को शहर दक्षिणी विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी नाव से पहुंचे। जलमग्न इलाकों में घूमकर उन्होंने जमीनी हालात देखे और प्रभावित परिवारों से सीधे संवाद कर उनकी परेशानियां जानीं। इसके बाद कोनिया के सुभाष चंद्र बोस प्राथमिक विद्यालय स्थित राहत शिविर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बच्चों से मिले तो उनके चेहरों पर मुस्कान लाने के लिए चॉकलेट, बिस्किट और फल बांटे। नाव से पहुंचे बाढ़ प्रभावित इलाकों में, बढ़ाने को कहा नावों की संख्या नाव से निरीक्षण के दौरान विधायक ने प्रभावित लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिया कि लोगों की आवाजाही और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए जरूरत के अनुसार नावों की संख्या बढ़ाई जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बाढ़ प्रभावितों को आवागमन, भोजन, चिकित्सा या अन्य जरूरी सुविधाओं के लिए परेशान न होना पड़े। शासन की ओर से मिलने वाली सहायता प्राथमिकता के आधार पर जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाई जाए। राहत शिविर में परखी भोजन-पानी और स्वास्थ्य व्यवस्था सुभाष चंद्र बोस प्राथमिक विद्यालय में बने राहत शिविर में डॉ. तिवारी ने रह रहे लोगों से भोजन, पानी, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली। अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविर में समय से भोजन और नाश्ता उपलब्ध कराया जाए। बच्चों के लिए दूध, फल और अन्य जरूरी खाद्य सामग्री की पर्याप्त व्यवस्था रखने को कहा।

रेलवे और व्यापारिक प्रतिनिधियों के बीच सार्थक संवाद, माल लदान बढ़ाने पर जोर

-प्रयागराज मंडल में फ्रेट कस्टमर मीटिंग, समस्याओं के शीघ्र समाधान का अधिकारियों ने दिया भरोसा

प्रात : किरण संवाददाता

प्रयागराज। माल लदान को बढ़ावा देने और माल परिवहन को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए रेलवे और व्यापारिक प्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल कार्यालय स्थित संकल्प सभागार में 31 अगस्त को फ्रेट कस्टमर मीटिंग आयोजित की गई। मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में साइडिंग और माल परिवहन से जुड़े ग्राहकों के प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं और सुझाव साझा किए। यह जानकारी मंगलवार को उत्तर मध्य रेलवे जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने दी। बैठक में रेलवे और व्यापारिक प्रतिनिधियों के बीच माल ढुलाई से जुड़ी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। व्यापारिक प्रतिनिधियों ने साइडिंग संचालन और माल परिवहन से संबंधित विभिन्न समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। रेलवे अधिकारियों ने सभी मुद्दों पर सकारात्मक विचार करते हुए उनके शीघ्र समाधान का भरोसा दिया। बैठक की शुरूआत वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (फ्रेट) शीरत फातिमा ने की। उन्होंने व्यापारिक और साइडिंग प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए रेलवे के साथ उनके निरंतर सहयोग के लिए आभार जताया। माल लदान के लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि माल लदान और माल ढुलाई के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं। उन्होंने ग्राहकों की ओर से उठाए गए मुद्दों के समाधान के लिए त्वरित और प्रभावी निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

शिक्षकों की भूमिका केवल विद्यार्थियों को एआई और सर्च इंजन से जानकारी उपलब्ध कराने तक सीमित न हो : प्रो.अजित कुमार चतुर्वेदी

–बीएचयू में वैज्ञानिक अनुसंधान में एआई पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आगाज

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, कंप्यूटर विजन तथा वर्गीकरण जैसी प्रौद्योगिकियों पर आधारित एआई अब केवल विशिष्ट क्षेत्रों तक सीमित नहीं रह गई है। उन्होंने शोधकताओं को इसके प्रभावी उपयोगकर्ता बनने के लिए प्रेरित किया तथा एआई को शोध को गति देने वाला प्रभावी साधन भी बताया। कुलपति मंगलवार को विश्वविद्यालय के कला संकाय के शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। तीन दिवसीय ह्यवैज्ञानिक अनुसंधान में एआई का अनुप्रयोगह्ल विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में कुलपति ने कहा कि जिन कार्यों को पूरा करने में पहले एक वर्ष लगता था, उन्हें अब एक माह या 15 दिनों में पूरा करना संभव हो सकेगा। इससे शोधकर्ता केवल शोध की अवधि को कम करने के साथ-साथ अधिक गहन एवं महत्त्वपूर्ण प्रश्नों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की भूमिका केवल विद्यार्थियों को एआई और सर्च इंजन के माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। बल्कि उन्हें इनसे आगे बढ़कर विषय की गहरी समझ और व्यापक ज्ञान प्रदान करना चाहिए। कार्यशाला में कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी-बीएचयू के प्रो. संजय कुमार सिंह ने एआई एवं मशीन लर्निंग से संबंधित संसाधनों के लिए समर्पित प्रयोगशाला एवं अधिगम मंच विकसित करने पर जोर दिया। विद्यार्थियों के बीच एआई एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। कला संकाय की संकाय प्रमुख प्रो. सुषमा घिल्डियाल ने दैनिक जीवन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बढ़ती भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शारीरिक शिक्षा एवं खेलों के क्षेत्र को भी तकनीकी बदलावों के अनुरूप स्वयं को विकसित करना होगा। विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग ने अतिथियों का स्वागत किया।

आईआईटी बीएचयू के प्रो. प्रांजल चंद्र को इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेंसिंग में राष्ट्रीय सम्मान

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के स्कूल ऑफ बायोकेमिकल इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं कोऑर्डिनेटर प्रो. प्रांजल चंद्र, एफएनएएससी को इलेक्ट्रोकेमिकल सोसायटी ऑफ इंडिया-मेट्रोहम नेशनल अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान 29 अगस्त को भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। प्रो. चंद्र को इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेंसर, नैनोबायोइंजीनियरिंग और उन्नत सेंसिंग तकनीकों के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह पुरस्कार दिया गया। उनके शोध का प्रमुख फोकस प्रयोगशाला में विकसित वैज्ञानिक नवाचारों को व्यावहारिक तकनीकों में बदलकर स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र के लिए उपयोगी समाधान विकसित करना है। प्रो. चंद्र की प्रयोगशाला में आईआईटी बीएचयू के पेटेंट के तहत कई पेटेंटेड और ट्रांसलेशनल तकनीकों का विकास किया गया है। इनमें नवीन डायग्नोस्टिक प्लेटफॉर्म और स्वास्थ्य क्षेत्र में उपयोग होने वाले उन्नत सेंसिंग उपकरण शामिल हैं। इन तकनीकों का उद्देश्य वैज्ञानिक अनुसंधान को वास्तविक जीवन की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के समाधान से जोड़ना है। शोध और नवाचार पर दिया व्याख्यान पुरस्कार समारोह के दौरान प्रो. प्रांजल चंद्र ने आईआईएससी बेंगलुरु के प्रतिष्ठित जेएन टाटा ऑडिटोरियम में नेशनल अवार्ड लेक्चर भी दिया। उन्होंने अपने शोध कार्य के साथ इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेंसिंग, नैनोबायोइंजीनियरिंग और उन्नत सेंसिंग तकनीकों में हो रहे नवीनतम विकास पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आधुनिक सेंसिंग तकनीकों और नैनोबायोइंजीनियरिंग के क्षेत्र में हो रहा अनुसंधान स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कई चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उनके शोध में वैज्ञानिक नवाचारों को प्रयोगशाला से आगे ले जाकर व्यावहारिक उपयोग तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया है।

बाढ़ के बीच नमो घाट से सारनाथ तक दौड़ी अफसरों की मोटरबोट, बाढ़ प्रभावित इलाकों का लिया जायजा, राहत शिविरों में लोगों से पूछी समस्याएं

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। गंगा के बढ़ते जलस्तर और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए वाराणसी में पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। मंगलवार को पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी मोहित अग्रवाल और जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने नमो घाट से पुराना पुल (सारनाथ) तक मोटरबोट से भ्रमण कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने मौके पर जलस्तर और परिस्थितियों का जायजा लेते हुए राहत एवं बचाव व्यवस्था की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जलस्तर पर 24 घंटे नजर, आपात स्थिति के लिए टीमें तैयार निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने निर्देश दिया कि जलस्तर में होने वाले प्रत्येक परिवर्तन पर पैनी नजर रखी जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में परिस्थितियों की लगातार निगरानी करते हुए जरूरत पड़ने पर तत्काल सुरक्षा, राहत और बचाव की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जल पुलिस और एनडीआरएफ को पूरी तरह अलर्ट रहने तथा किसी भी आपात स्थिति में प्रभावित लोगों तक तत्काल पहुंचने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार पेट्रोलिंग कर रही हैं। संवेदनशील स्थानों पर जलस्तर और परिस्थितियों की सतत निगरानी की जा रही है, ताकि संभावित खतरे की स्थिति में बिना देरी कार्रवाई की जा सके। राहत शिविरों में पहुंचकर जानी लोगों की दिक्कतें निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी ने सारनाथ क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय, सलार तथा विद्या विहार इंटर कॉलेज, सलार स्थित राहत शिविरों का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने शिविरों में उपलब्ध व्यवस्थाओं की मौके पर समीक्षा की और वहां रह रहे बाढ़ प्रभावित लोगों से सीधे बातचीत की। उन्होंने लोगों से खानपान, रहने की व्यवस्था और बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी समस्याओं की जानकारी ली।

वाराणसी : थानों में तैनात चार उपनिरीक्षक बनाए गए चौकी इंचार्ज

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। गोमती जोन में उपनिरीक्षकों की फील्ड तैनाती अब उनके कार्यप्रदर्शन, योग्यता और मेरिट के आधार पर की गई है। पुलिस उपायुक्त गोमती जोन नीतू कादयान ने उपनिरीक्षकों की फील्ड तैनाती एवं प्रभार सौंपने में पारदर्शिता और योग्यता को प्राथमिकता देते हुए साक्षात्कार और कार्यप्रदर्शन का मूल्यांकन को आधार बनाया। मूल्यांकन के दौरान उपनिरीक्षकों द्वारा की जा रही विवेचनाओं की स्थिति एवं गुणवत्ता, वाहन चेकिंग और चालान, अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई, निरोधात्मक कार्रवाई तथा आईजीआरएस से प्राप्त प्रार्थना पत्रों के प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को प्रमुख आधार बनाया गया। इसके अलावा ई-साक्ष्य, यक्ष एप सहित अन्य पोर्टलों पर डाटा फीडिंग, हिस्ट्रीशीटरों की नियमित चेकिंग एवं निगरानी और उपनिरीक्षकों द्वारा किए गए सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्यों को भी मूल्यांकन में शामिल किया गया। सभी बिंदुओं पर साक्षात्कार एवं कार्यप्रदर्शन का मूल्यांकन करने के बाद मेरिट और कार्यक्षमता के आधार पर चार उपनिरीक्षकों का स्थानांतरण किया गया है। इसके तहत उपनिरीक्षक रितेश कुमार को थाना फूलपुर से चौकी प्रभारी धौकलगंज थाना कपसेठी के पद पर तैनाती की। इसी तरह उपनिरीक्षक सुनील कुमार को थाना बड़ागांव से चौकी प्रभारी मातलदेई बनाकर थाना राजातालाब भेजा गया है। उपनिरीक्षक अविनाश कुमार सिंह को थाना सिंधोरा से चौकी प्रभारी जक्खिनी के रूप में थाना राजातालाब

प्रदेश की पाण्डुलिपियां हमारी सभ्यता, संस्कृति तथा ज्ञात परम्परा की जीवंत धरोहर : जयवीर सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार में मुख्यमंत्री योगी की विशेष रुचि के क्रम में राज्य सरकार द्वारा प्राचीन पाण्डुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटलीकरण के कार्य को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की प्राचीन ज्ञान परम्परा को सहेजने की महत्वाकांक्षी पहल ज्ञान भारतम् मिशन के द्वितीय चरण के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में पाण्डुलिपियों के डिजिटलीकरण का कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने मंगलवार को ने बताया कि उत्तर प्रदेश भारतीय ज्ञान परम्परा, साहित्य, दर्शन, धर्म, कला, विज्ञान एवं संस्कृति की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध प्रदेश है। प्रदेश के विभिन्न संस्थानों, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थाओं एवं अन्य संग्रहों में सुरक्षित पाण्डुलिपियाँ हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनका संरक्षण वर्तमान पीढ़ी के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में लगभग 30 लाख पाण्डुलिपियों का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इस व्यापक सर्वेक्षण के माध्यम से प्रदेश में उपलब्ध पाण्डुलिपियों की जानकारी, उनके संग्रह-स्थलों तथा उनकी उपलब्धता का आकलन एवं सूचीकरण किया गया है। अब चिन्हित पाण्डुलिपियों का चरणबद्ध एवं वैज्ञानिक तरीके से डिजिटलीकरण किया जा रहा है। द्वितीय चरण के अंतर्गत प्रदेश के पांच प्रमुख केन्द्रों पर पाण्डुलिपियों के डिजिटलीकरण का कार्य वर्तमान में संचालित है। इनमें गीता प्रेस, गोरखपुर, नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयागराज, राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय प्रयागराज, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी शामिल हैं।

स्वाइन फ्लू को लेकर बागपत में स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

बागपत। प्रदेश में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों को देखते हुए मंगलवार को बागपत में स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। जिला अस्पताल समेत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों के उपचार के लिए विशेष तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) तीर्थ लाल ने बताया कि अस्पतालों में आइसोलेशन बेड तैयार किए जा रहे हैं, ताकि संभावित संक्रमित मरीजों को अलग रखकर इलाज किया जा सके। जिला अस्पताल में 12 आइसोलेशन बेड की व्यवस्था की गई है, जबकि सभी सीएचसी पर भी छह-छह बेड तैयार किए जा रहे हैं।

अगस्त माह की आईजीआरएस रैंकिंग में बागपत को मिला प्रदेश में प्रथम स्थान

प्रात : किरण संवाददाता

बागपत। जनसुनवाई और शिकायत निस्तारण के क्षेत्र में बागपत पुलिस को पहला स्थान मिला है। अगस्त माह की आईजीआरएस (इंटीग्रेटेड ग्रिवेंस रिड्रेसल सिस्टम) रैंकिंग में बागपत पुलिस को सौ अंक हासिल हुए थे। इस उपलब्धि को संवेदनशील पुलिसिंग और प्रभावी कार्यप्रणाली का परिणाम माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने बताया कि जनसुनवाई से लेकर शिकायतों के समाधान तक हर स्तर पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की गई है। यही कारण रहा कि रैंकिंग के सभी 10 मानकों पर बागपत पुलिस ने प्रदेश में 100 प्रतिशत अंक हासिल किए। पुलिस अधीक्षक का कहना है कि आईजीआरएस प्रणाली के माध्यम से आम नागरिक अपनी शिकायत ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और शिकायतों के निस्तारण में तेजी आई है। हर शिकायत की सतर्क जांच, प्रभावी अनुश्रवण और शिकायतकर्ता से लगातार संवाद को प्राथमिकता दी गई। एसपी ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल शिकायतों का निस्तारण नहीं, बल्कि जनता का विश्वास मजबूत करना भी है। उन्होंने कहा कि आगे भी जनसुनवाई को और प्रभावी बनाकर नागरिकों को त्वरित न्याय दिलाने का प्रयास जारी रहेगा।

10 माह से मानदेय का इंतजार, 85 माह का ईपीएफ अटका

मनरेगा कार्मिकों की परेशानी पर डीएम सख्त, तीन दिन में भुगतान का प्रमाण देने के निर्देश

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। मनरेगा से जुड़े कार्मिकों के लंबे समय से लंबित मानदेय और ईपीएफ भुगतान का मामला गंभीर होता जा रहा है। ग्राम रोजगार सेवकों, तकनीकी सहायकों और अन्य मनरेगा कार्मिकों ने कई विकासखंडों में आठ से दस माह से मानदेय नहीं मिलने की शिकायत की है। वहीं 85 माह के ईपीएफ की राशि कर्मचारियों के यूएएन खातों में जमा नहीं होने का मामला भी सामने आया है। ईपीएफ से संबंधित प्रकरण में ब्याज, क्षतिपूर्ति एवं दंड के रूप में 1,28,92,275 रुपये की राशि का उल्लेख किया गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक जसजीत कौर ने संबंधित अधिकारियों को लंबित मानदेय और ईपीएफ का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर कराने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को निर्धारित समय में ईपीएफ राशि कर्मचारियों के यूएएन खातों में जमा कराकर प्रमाण उपलब्ध कराने को कहा गया है। लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

करोड़ों की राशि उपलब्ध, फिर भी भुगतान पर सवाल

विभागीय दस्तावेजों में विभिन्न विकासखंडों के प्रशासनिक और सामग्री मद में धनराशि उपलब्ध होने का विवरण दिया गया है। दस्तावेज के अनुसार प्रशासनिक मद में कुल 2,13,89,862 रुपये तथा सामग्री मद में 76,82,193 रुपये की राशि दर्शाई गई है। ऐसे में कर्मचारियों के सामने सवाल है कि यदि संबंधित मदों में धनराशि उपलब्ध थी तो उनके मानदेय का भुगतान लंबे समय तक क्यों लंबित रहा। कर्मचारियों ने भुगतान प्रक्रिया में देरी की जांच और जिम्मेदारी तय किए जाने की मांग की है।

हल्दौर में खर्च को लेकर शिकायत

ग्राम रोजगार सेवक संघ की ओर से अधिकारियों को दिए गए शिकायती पत्र में हल्दौर विकासखंड में प्रशासनिक मद की राशि के उपयोग को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकताओं का आरोप है कि रोजगार सेवकों के मानदेय के बजाय राशि का उपयोग वाहन किराया, पैदल भत्ता, स्टेशनरी और पेट्रोल आदि मदों में किया गया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि मामले की जांच के लिए समिति गठित किए जाने के बावजूद जांच रिपोर्ट का निस्तारण नहीं हुआ। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

संसाधनों की कमी से काम प्रभावित होने का दावा

रोजगार सेवकों ने अतिरिक्त पंचायतों की आईडी और पासवर्ड उपलब्ध नहीं कराने तथा आवश्यक संसाधनों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। उनका कहना है कि पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं होने से मनरेगा कार्यों के संचालन में व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

भुगतान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

लंबे समय से मानदेय नहीं मिलने से नाराज मनरेगा कार्मिकों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि लगातार भुगतान नहीं होने से परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। बच्चों की फीस और घरेलू खर्च प्रभावित होने का भी दावा किया गया है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि लंबित मानदेय और ईपीएफ का शीघ्र भुगतान नहीं किया गया तो भूख हड़ताल और अनिश्चितकालीन कामबंद आंदोलन किया जाएगा।

अब कार्रवाई पर निगाह

डीएम के सख्त निर्देश के बाद अब संबंधित विकासखंडों की कार्रवाई पर निगाह है। कर्मचारियों को उम्मीद है कि लंबित मानदेय और 85 माह के ईपीएफ का शीघ्र समाधान होगा। साथ ही यदि वित्तीय अनियमितता या प्रशासनिक लापरवाही की पुष्टि होती है तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी होगी।

खाकी और आबकारी की लोनी बॉर्डर क्षेत्र पर बड़ी मेहरबानी, अवैध मयखानों में छलकते है खुलेआम जाम

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। अगर आपको लगता है कि लोनी बॉर्डर सिर्फ दिल्ली और उत्तर प्रदेश को जोड़ने का जरिया है, तो आप गलत हैं। आजकल यह बॉर्डर ह्लआबकारी और पुलिस विभागह्न के आपसी समन्वय और अद्भुत मौन साधना का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है। बॉर्डर के आस-पास खुले ढाबों का कायाकल्प देखकर लगता है कि यहां ह्यढाबेह्ल तो सिर्फ एक बहाना है, असली मकसद तो लोगो को मयखाने का अहसास कराना है। लोनी बॉर्डर थाने से चंद दूरी पर संचालित विभिन्न नाम से पहचाने जाने वाले इन ढाबों पर भले ही बाहर आपको सब्जी बनाने के कुकर नजर आते हो लेकिन सुबह से देर शाम तक यहां अंदर शराब पीने के शौकीनों का परिवार देखने को मिलेगा। दरसल इन ढाबा संचालकों का असल मकसद लोगों के जान से जाम टकराने की व्यवस्था करने का होता है। ढाबा मालिकों ने कानून की नाक के ठीक नीचे ऐसा ह्लनव प्रवर्तन व्यवसायह्न शुरू किया है, जहां बिना किसी लाइसेंस के, बिना किसी नियम के, खुलेआम टेबल पर बोतलें खुलती हैं। यह सब इतनी सहजता से होता है जैसे आबकारी विभाग ने इन ढाबों को ह्यविशेष आर्थिक क्षेत्रह्ल घोषित कर रखा हो। इस पूरे खेल में सबसे अनुकरणीय भूमिका लोनी बॉर्डर पुलिस और आबकारी विभाग की है। इनकी कारगुजारी का आलम यह है कि ढाबों के बाहर खड़ी गाड़ियों की कतारें और अंदर छलकते जाम इन्हें कभी दिखाई नहीं देते। शायद विभाग के पास कोई ऐसा विशेष चश्मा है, जो केवल तभी काम करता है जब कोई रेहड़ी-पटरी वाला बिना इजाजत दुकान लगा ले। इन बड़े-बड़े अवैध मयखानों के सामने आते ही दोनों विभागों की आंखें खुद-ब-खुद मौन व्रत पर चली जाती हैं। स्थानीय लोगों में चर्चा है कि बॉर्डर पर तैनात पुलिस और आबकारी कर्मियों की ह्यसद्भावनाह्ल इतनी मजबूत है कि ढाबे से उठने वाले कबाब और शराब के धुएं में उन्हें कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि ह्यशांति व्यवस्थाह्ल नजर आती है। कानून की किताबें लोनी बॉर्डर की सीमा में घुसते ही शायद अपना रास्ता भूल जाती हैं, या फिर ढाबा मालिकों के ह्यखास सत्कारह्ल के आगे नतमस्तक हो जाती हैं। बहरहाल, लोनी बॉर्डर पर कानून भले ही धुएं में उड़ रहा हो, लेकिन आबकारी और पुलिस विभाग की इस ह्लअंधेरी मुस्तैदीह्न की दाद देनी होगी। जनता अब यह मान चुकी है कि बॉर्डर पर चेकिंग सिर्फ गाड़ियों की कागजात देखने के लिए होती है, ढाबों में चल रहे काले कारोबार को देखने के लिए विभाग को अभी ह्यऊपर से आदेश आने का इंतजार है!

संक्षिप्त खबरें

रपटा डूबा तो नाव बनी सहारा, चुनार तहसील से टम्मलगंज का संपर्क टूटा

मीरजापुर। गंगा में बढ़े जलस्तर ने टम्मलगंज के सैकड़ों लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बाढ़ का पानी रपटा पर करीब आठ फीट तक चढ़ जाने से चुनार तहसील मुख्यालय से टम्मलगंज का संपर्क पूरी तरह टूट गया है। बाजार, अस्पताल और तहसील आने-जाने के लिए अब ग्रामीणों को नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। पिछले तीन-चार दिनों से हो रही बारिश और गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण वार्ड 21 स्थित रपटा पूरी तरह जलमग्न हो गया है। हालात ऐसे हैं कि बाइक और साइकिल तो दूर, पैदल रपटा पार करना भी जान जोखिम में डालने जैसा है। स्कूली बच्चों, कोचिंग जाने वाले विद्यार्थियों और रोज कमाकर परिवार चलाने वाले मजदूरों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। सभासद प्रतिनिधि अशोक पाल ने बताया कि दो वर्ष पहले सांसद एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल से रपटा पर पक्का पुल बनवाने की मांग की गई थी। सांसद के निर्देश पर विभागीय टीम ने मौके की नापी भी की थी। इससे ग्रामीणों को पुल बनने की उम्मीद जगी थी, लेकिन दो वर्ष बीतने के बाद भी निर्माण शुरू नहीं हो सका। ग्रामीणों के सामने सबसे गंभीर संकट रात में होता है। अचानक किसी के बीमार पड़ने या महिला को प्रसव पीड़ा होने पर अस्पताल पहुंचाना मुश्किल हो जाता है। रात में नाव की सुविधा नहीं मिलने से खतरा और बढ़ जाता है। ग्रामीणों ने पक्का पुल निर्माण जल्द शुरू कराने के साथ फिलहाल सुरक्षित नाव और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था कराने की मांग की है।

विजिट माय स्टेट के तहत जेन-जी बनेंगे कल्चरल एम्बेसडर

लखनऊ। डिजिटल दुनिया में छाजेन-जीछ्र की पसंद और उनकी आवाज संस्कृति व यात्रा के नए रुझान तय कर रहे हैं। इसी बदलते दौर को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के युवाओं को अपने-अपने शहरों की संस्कृति, विरासत और खासियत का प्रतिनिधि बनाने की पहल की है। विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश अभियान के तहत उत्तर प्रदेश पर्यटन ने युवाओं से आह्वान किया है कि वे अपने शहर की अनकही कहानियों, स्थानीय संस्कृति और खास पहचान को अपनी आवाज में महज 60 सेकंड की रील के जरिए दुनिया के सामने लाएं। शहर के विरासत से जुड़ी अनकही कहानियां हों या स्थानीय व्यंजन का स्वाद, सदियों पुरानी परंपराएं हों या फिर पर्यटकों की नजरों से अब तक दूर रहे अल्पज्ञात स्थल, हृविजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेशह्व अभियान के जरिए प्रदेश को उन लोगों की नजर से दिखाने की तैयारी है, जो अपने शहर और उसकी पहचान को सबसे करीब से जानते हैं। स्थानीय निवासी खुद कैमरे के सामने आकर अपने शहर के विशेष अनुभव और विशेषताओं की कहानी के रूप में साझा कर सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य किसी स्थान की पहचान को केवल तस्वीरों और सूचनाओं तक सीमित न रखकर वहां के लोगों की आवाज और अनुभवों के जरिए उसकी असली कहानी व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाना है।

बिजनौर में एससी/एसटी आयोग के सदस्य ने की जनसुनवाई, योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य मिठाई लाल ने मंगलवार को सर्किट हाउस में जनसुनवाई की तथा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। जनसुनवाई के दौरान आयोग के सदस्य ने अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग सहित अन्य वर्गों के लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने शिकायतकर्ताओं को समस्याओं के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया और संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जिन वर्ग विशेष के लिए योजनाएं संचालित की जा रही हैं, उनका लाभ पात्र व्यक्तियों तक हर हाल में पहुंचना चाहिए। उन्होंने समाज कल्याण विभाग की आदर्श ग्राम योजना, राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, नगर पालिका की योजनाओं तथा राजस्व एवं पुलिस विभाग के कार्यों की समीक्षा की। एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज प्रकरणों की जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्होंने तहसीलदार सदर को निर्देश दिए कि तहसील स्तर पर विभिन्न योजनाओं की समीक्षा हेतु गठित निगरानी समिति की बैठक प्रत्येक माह नियमित रूप से आयोजित की जाए और उसमें जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाए। विभागीय रिपोर्ट में सामने आए आंकड़े जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि आदर्श ग्राम योजना के तहत जिले में 470 ग्राम चिन्हित किए गए हैं। चयनित प्रत्येक ग्राम को विकास कार्यों के लिए 20 लाख रुपये दिए जाते हैं, जिनमें से 181 ग्रामों में कार्य पूर्ण हो चुका है, शेष में कार्य प्रगति पर है। राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन के तहत 60,103 लाभार्थियों को लाभ दिया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 2702 नए आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को 30 हजार रुपये की एकमुश्त धनराशि दी जाती है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत इस वित्तीय वर्ष में 1276 विवाह का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके सापेक्ष 2578 के लिए टेंडर प्रक्रिया गतिमान है। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत वर्तमान में 32 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। जनसुनवाई के दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर अभय कुमार पांडे ने पुलिस विभाग से संबंधित प्रकरणों में अधीनस्थों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए और शिकायतकर्ताओं को न्याय का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर तहसीलदार सदर, जिला समाज कल्याण अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, सेनेटरी इंस्पेक्टर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बछरायूं पालिका बोर्ड की बैठक सम्पन्न, विकास कार्यों पर जोर

अधिशाषी अधिकारी ने जनसुविधाओं से जुड़े प्रस्तावों पर नियमानुसार कार्रवाई का दिया भरोसा

प्रात: किरण संवाददाता

बछरायूं। नगरपालिका सभागार में पालिका बोर्ड की बैठक अध्यक्ष राहत हसन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में नगर के विकास, साफ-सफाई, पथ प्रकाश समेत नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई। सभासदों ने नगरवासियों की समस्याओं के समाधान और जनसुविधाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। बैठक में अधिशासी अधिकारी दीपालिका यादव भी मौजूद रहीं। बैठक में नगर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने, पथ प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने तथा जरूरत वाले स्थानों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था कराने पर चर्चा हुई। नगरवासियों के लिए लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध कराने और पूर्व की तरह एंबुलेंस सेवा संचालित करने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। सभासदों ने पात्र परिवारों के राशन कार्ड बनवाने और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र लोगों को नियमानुसार लाभ दिलाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचना चाहिए। बरसात के मौसम को देखते हुए मच्छर जनित रोगों की रोकथाम के लिए नियमित फॉगिंग कराने, नगर में बनाए गए कच्चे लैट्रिन टैंकों की जांच कराने तथा आवश्यक कार्रवाई किए जाने का सुझाव दिया गया। पालिका की रिपोर्ट के बिना बनाए गए राशन कार्डों की जांच कराने का मुद्दा भी बैठक में उठाया गया। अध्यक्ष राहत हसन और ईओ दीपालिका यादव ने बैठक में उठाए गए जनहित के मुद्दों पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया। इस दौरान लेखाकार अमन कुमार, सभासद खलीफा शब्बीर अहमद, शेख चिरागुद्दीन, अरशद चौधरी, अरुण रस्तोगी, चंद्रपाल सिंह, सुरेश सैनी, जावेद कुरैशी, दानिश कुरैशी, सरफराज चौधरी, संजीव आदि मौजूद रहे।

विकास खंड की ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा । आज मंगलवार को अनिल कुमार ए.डी.ओ. पंचायत द्वारा विकास खंड स्योहारा की विभिन्न ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत लाम्बाखेड़ा में पंचायत घर का जायजा लिया, जहाँ पंचायत सहायक भव्या सिंह ग्रामीणों के योजनाओं से संबंधित आवेदन ऑनलाइन करती हुई पाई गईं। इसके साथ ही क्षेत्र के आंगनवाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालय लाम्बाखेड़ा का परख के माध्यम से निरीक्षण किया गया। विद्यालय में कुल 128 बच्चे पंजीकृत हैं, जिनमें से निरीक्षण के समय 86 बच्चे उपस्थित मिले (32 बालक और 54 बालिकाएं)। स्कूल में मिलने वाले मिड-डे मील (मध्यान्ह भोजन) की गुणवत्ता की भी जांच की गई, जो संतोषजनक पाई गई। विद्यालय में प्रधानाध्यापक सुनील कुमार सहित चार सहायक अध्यापक और 3 रसोइया नियुक्त हैं, जिन्हें जुलाई 2026 तक का मानदेय मिल चुका है। ए.डी.ओ. पंचायत ने ग्राम पंचायत माढ़ूपुरा के डिजिटल पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया और सचिव माधव राणा को पुस्तकालय की सभी व्यवस्थाएं जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा आर.आर.सी. रिसोर्स रिकवरी सेंटर केंद्र और ग्राम पंचायत मुबारकपुर मंधु के सामुदायिक शौचालय व ग्राम सचिवालय का भी निरीक्षण किया गया, जहाँ पंचायत सहायक रिंकी उपस्थित मिलीं। इस पूरे निरीक्षण के दौरान स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर दीपक कुमार भी साथ रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपाइयों ने किया बैठक का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। मंगलवार को लोनी के निशांत कालोनी स्थित एक मैरिज होम में भाजपा जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन हुआ। यह बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले हृसेवा संकल्प अभियानह्व के विषय में आयोजित की गई। बैठक का विधिवत शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय, भारत माता एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रो पर पुष्पांजलि के साथ वन्देमातरम गाकर किया गया जिसमे जिला संयोजक एंव जिलामहामंत्री रामकुमार त्यागी जी ने बताया कि इस महीने 10 बडे कार्यक्रम होने हैं जिनके अंतर्गत आशिर्वाद दिया, सपनों का भारत, नमो सेवा गाथा, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, बडनगर से वाराणसी, सेवा मेरा योगदान व सेवा सेतु अभियान जैसे कार्यक्रम बडे स्तर पर होने है। कार्यक्रम मे प्रमुख रुप से निवर्तमान जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल, सतपाल प्रधान, महामंत्री पवन सोम, देवेंद्र चौधरी,जिला उपाध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी,अमित चौधरी, सुनील निठौरा, राजकुमार चौधरी,आकाश गौतम, डी.डी यादव, जिला मंत्री कृष्ण बंसल,रुदामिनी गिरी,सीमा सैनी,तीशा गोस्वामी,जितेंद्र दौसा,विरेंद्र यादव,जिला मिडिया प्रभारी पं ब्रह्ममेश तिवारी व नवीन जायसवाल के अलावा सभासदगण तथा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिजनौर-किरतपुर ठल्ल-34 पर कट की मांग को लेकर भाकियू की महापंचायत, 8 दिन के आश्वासन पर समाप्त हुआ धरना

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। बिजनौर-किरतपुर मार्ग स्थित नेशनल हाईवे-34 पर ग्राम झालरा के सामने कट खुलवाने की मांग को लेकर आज भारतीय किसान यूनियन की एक महापंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत का नेतृत्व भाकियू के जिला अध्यक्ष सुनील प्रधान ने किया। पंचायत में क्षेत्र के कई गांवों के किसानों ने भाग लिया। किसानों का कहना है कि इस स्थान पर कट न होने से उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क किनारे जंगल होने और कट बंद होने के कारण ग्रामीणों को बैलगाड़ी व अन्य वाहनों से कई-कई किलोमीटर घूमकर आना-जाना पड़ता है, जिसमें समय और धन दोनों की बबार्दी होती है। किसानों ने बताया कि इस कट को खुलवाने के लिए पहले भी कई बार प्रशासन और एनएचएआई के अधिकारियों से वार्ता की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। लगातार आश्वासन से नाराज होकर आज भारतीय किसान यूनियन ने अनिश्चितकालीन आंदोलन की घोषणा कर दी और हाईवे किनारे धरना शुरू कर दिया। आंदोलन की सूचना पर सदर तहसीलदार आशीष सक्सैना, कोतवाल बिजनौर और एनएचएआई के एसडीओ आशीष शर्मा मौके पर पहुंचे। अधिकारियों और भाकियू पदाधिकारियों के बीच लंबी वार्ता हुई। वार्ता के बाद प्रशासन ने 8 दिन का समय मांगा है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि 8 दिन के भीतर एनएचएआई की टेक्निकल टीम मौके पर आएगी और कट खोलने के लिए जो भी तकनीकी बिंदु हैं, उन्हें पूरा करते हुए कट को खुलवा दिया जाएगा। प्रशासन के इस आश्वासन पर आज का धरना समाप्त कर दिया गया। इस अवसर पर नरदेव कुमार, पंडित देवता शर्मा, कोमन सिंह, डॉ. विजय चौधरी, विकास चौधरी, आशु चौधरी, अरुण नेताजी, अंकित कुमार, नीटू चौधरी, अभिषेक कुमार, गौरव जंघाला, अंकुर, विनीत कुमार, शकील प्रधान, नासिर, पीरू, रईस, यमन, इस्लाम, फुरकान सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

लोनी क्षेत्र में प्रदूषण का कारण बनी 25 इकाइयां सील

प्रात: किरण संवाददाता

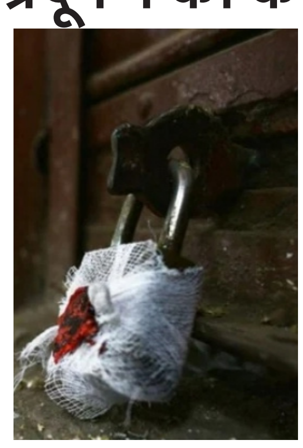

लोनी। गाजियाबाद के लोनी में प्रशासन ने संबंधित विभागों की संयुक्त टीम बनाकर कई स्थानों पर कार्रवाई की। इस दौरान लगभग दो दर्जन फैक्ट्रियों को सील कर उनके बिजली कनेक्शन भी काट दिए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली से सटे लोनी में मंगलवार को प्रशासन ने विभिन्न विभागों की संयुक्त टीम बनाकर 25 अवैध फैक्ट्रियों को सील कर दिया। अवैध रूप से चलाई जा रही इन अधिकांश फैक्ट्रियों में धातु गलाने का काम हो रहा था, जिसके चलते हवा में जहर घुल रहा था। फैक्ट्रियों को बंद करा इनका बिजली कनेक्शन भी काटा गया। करवाई के दौरान फैक्ट्री संचालकों में हड़कंप रहा और कई मौके से फरार हो गए। गौरतलब हो कि उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को लगातार शिकायतें मिल रही थी कि लोनी क्षेत्र में अवैध फैक्ट्रियां चल रही हैं। इसके आधार पर जिलाधिकारी के आदेश के बाद संयुक्त टीमें बनाई गईं, जिनमें प्रशासनिक अधिकारियों के साथ यूपीपीसीबी, सीपीसीबी, विद्युत निगम, पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी शामिल रहे। एसडीएम लोनी दीपक सिंघनवाल ने बताया कि सात टीम बनाई गई थीं। सभी ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की। लोनी के बैहटा हाजीपुर, सेवाधाम, अमित विहार, प्रेमनगर, कृष्णा नगर, अंकित विहार और टीला शहबाजपुर में टीमों ने एक साथ दबिश दी। टीमों ने इन इलाकों में फैक्ट्रियों की जांच की। जांच के दौरान धातु गलाने वाली 25 इकाइयां अवैध रूप से चलती मिलीं। मौके पर ही इन फैक्ट्रियों में सील लगाई गई।

बार-बार कनेक्शन जोड़ने का आरोप

सूत्रअनुसार यह बात खुलकर सामने आ चुकी है कि लोनी का इलाका विश्व में सर्वाधिक प्रदूषित था। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि सब कुछ संबंधित विभागीय अधिकारियों की मिली भगत का नतीजा था। साथ यही कारण है कि इस रिपोर्ट के बाद सीपीसीबी से मिले निर्देश के आधार पर यूपीपीसीबी ने कार्रवाई शुरू की। इसी साल अभी तक 550 फैक्टरियों को बंद कराया जा चुका है। ये सभी फैक्ट्रियां लोनी में ही चल रही थीं, जिनमें रंगाई या धातु गलाने का काम होता था। मगर कार्रवाई के बाद फैक्ट्रियों के दोबारा कनेक्शन जोड़ने के आरोप भी लग रहे हैं। यूपीपीसीबी को ऐसी कई शिकायतें मिलीं, जिनके आधार पर विद्युत निगम को पत्र भेजा गया था। वहीं, एसडीएम लोनी का कहना है कि 25 फैक्ट्रियों को सील कर निर्देश दिया है कि दोबारा कनेक्शन न दिए जाएं। ऐसा करने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बिजनौर के गांवों में गूंज रहा शिक्षा का डिजिटल मंत्र, उऊड ने किया ग्राउंड चेक

बच्चों की हाजिरी देखी, किताबों की अलमारी खंगाली, बोले - लाइब्रेरी चमकेगी तभी भविष्य चमकेगा

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिलाधिकारी कार्यालय से निकली एक गाड़ी जब सीधे गांव की डिजिटल लाइब्रेरी पर जाकर रुकी तो वहां हड़कंप मच गया। गाड़ी से उतरे थे मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह। बिना किसी पूर्व सूचना के वह जिले की दो डिजिटल लाइब्रेरियों का औचक निरीक्षण करने पहुंचे थे। सोमवार को उऊड ने सबसे पहले विकास खंड की डिजिटल लाइब्रेरी रशीदपुर गढ़ी और उसके बाद तैमूरपुर दीपा स्थित डिजिटल लाइब्रेरी का निरीक्षण किया। कुर्सी नहीं, बच्चों के बीच जाकर बैठे उऊड निरीक्षण के दौरान उऊड ने अधिकारियों से रिपोर्ट नहीं ली, बल्कि सीधे लाइब्रेरी में बैठकर पढ़ रहे विद्यार्थियों से संवाद किया। कौन सी परीक्षा की तैयारी कर रहे हो? किताबें मिल रही हैं? इंटरनेट चल रहा है? लाइट- पंखे की व्यवस्था कैसी है? ऐसे सवालों से उन्होंने बच्चों का मन टटोला। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि दोनों ही लाइब्रेरियां सुबह से शाम तक अपने निर्धारित समय पर रोज खुलती हैं। सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चल रही हैं। रशीदपुर गढ़ी लाइब्रेरी में वर्तमान में 25 विद्यार्थी पंजीकृत हैं जो प्रतियोगी परीक्षाओं और बोर्ड की तैयारी के लिए आते हैं, जबकि तैमूरपुर दीपा लाइब्रेरी में 14 बच्चे नियमित रूप से अध्ययन कर रहे हैं।

किताब ढूंढने में न लगे समय, इसलिए दिया ये नया फॉर्मूला

निरीक्षण के दौरान उऊड ने लाइब्रेरी की सबसे बड़ी समस्या को पकड़ लिया। अक्सर बच्चे सही किताब न मिलने से परेशान होते हैं। इस पर उन्होंने तत्काल निर्देश जारी किए।

1. पुस्तकों की विषयवार सजावटः सभी पुस्तकों को बिखरा कर न रखकर अलमारियों में सुव्यवस्थित और विषयवार रखा जाए।
2. बाहर चस्पा होगी सूचीः हर अलमारी के बाहर एक बड़ी सूची चस्पा की जाए, जिसमें उस अलमारी के अंदर रखी गई हर पुस्तक का नाम और लेखक लिखा हो, ताकि छात्र को एक नजर में पता चल जाए कि उसे जो किताब चाहिए वो किस अलमारी में है।

उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी का मतलब सिर्फ चार दीवारें और कुछ किताबें नहीं है। यह गांव के गरीब और होनहार बच्चों के सपनों का सेंटर है। यहां साफ-सफाई, रोशनी, शांति और किताबों की उपलब्धता ऐसी होनी चाहिए कि बच्चा अपने घर से ज्यादा यहां बैठकर पढ़ना पसंद करे। अंत में उन्होंने संबंधित खंड विकास अधिकारियों और लाइब्रेरी संचालकों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप बच्चों की शिक्षा और उनकी शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। डिजिटल लाइब्रेरियों को मॉडल के रूप में विकसित किया जाए।

रफ्तार का कहरः स्कूल वैन ने बाइक सवार सगे भाइयों को मारी टक्कर, दोनों गंभीर

हादसे के बाद स्कूल संचालक व चालक पर मौके से भागने का आरोप, पिता ने दी तहरीर

प्रात: किरण संवाददाता

धामपुर। नगीना रोड पर मंगलवार को तेज रफ्तार स्कूल वैन की चपेट में आने से बाइक सवार दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में दोनों भाइयों के हाथ-पैर की हड्डियां टूटने के साथ ही शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। घायलों का काशीपुर के के. आर. हॉस्पिटल में उपचार चल रहा है। काशीपुर निवासी दिग्विजय सिंह ने कोतवाली धामपुर में दी तहरीर में बताया कि उनके बेटे अभिषेक (25) और रितिक (23) ऋषिकेश स्थित एम्स अस्पताल से मोटरसाइकिल संख्या वङ018ऊ-4221 से वापस घर लौट रहे थे। दोपहर करीब 1:30 बजे नगीना रोड स्थित सांई मंदिर के पास सामने से गलत दिशा में आ रही जे.के. पब्लिक स्कूल की वैन संख्या वढ020ळ-4602 ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों भाई सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। पीड़ित पिता का आरोप है कि हादसे के समय स्कूल वैन में स्कूल संचालक का बच्चा भी मौजूद था।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और रामडोल शोभायात्रा को लेकर प्रशासन अलर्ट

डीएम-एसपी ने शांति समिति की बैठक में दिए निर्देश, शोभायात्रा मार्ग पर गड्ढे-जलभराव और लटकते तार दुरुस्त कराने को कहा

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं श्री रामडोल शोभायात्रा को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता तथा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव की मौजूदगी में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोजकों एवं समिति के सदस्यों से व्यवस्थाओं और समस्याओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक सुझाव प्राप्त किए गए। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने कहा कि पर्व को परंपरागत तरीके से शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाए। किसी भी प्रकार की नई परंपरा शुरू न की जाए। उन्होंने अफवाहों पर ध्यान न देने तथा बिना पुष्टि के किसी भी सूचना को सोशल मीडिया पर प्रसारित नहीं करने की अपील की। किसी समस्या अथवा विवाद की जानकारी तत्काल पुलिस-प्रशासन को देने के निर्देश दिए। डीएम ने अधिकारियों को शोभायात्रा एवं जुलूस के निर्धारित मार्गों का पूर्व में स्थलीय निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी कराने के निर्देश दिए। मंदिरों एवं शोभायात्रा मार्ग पर विशेष साफ-सफाई, पर्याप्त पथ प्रकाश और निर्बाध आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। मार्ग में गड्ढे और जलभराव न होने देने के साथ ही विद्युत विभाग को जर्जर एवं लटकते तारों को दुरुस्त कराने तथा आवश्यक स्थानों पर विद्युत पोल सुरक्षित कराने के निर्देश दिए। त्योहार के दौरान मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के लिए अभियान चलाकर मिलावटखोरों के खिलाफ कार्रवाई करने को भी डीएम ने निर्देशित किया। एसपी लखन सिंह यादव ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं श्री रामडोल शोभायात्रा पूर्व में आयोजित पर्वों की तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जाए। शोभायात्रा निर्धारित एवं परंपरागत मार्ग से ही निकाली जाए और ऐसा कोई कार्य न किया जाए, जिससे किसी को असुविधा हो। उन्होंने आयोजकों से पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने तथा शोभायात्रा में पर्याप्त वॉलेंटियर्स तैनात करने की अपील की। एसपी ने डीजे का प्रयोग निर्धारित मानकों के अनुरूप करने तथा आपत्तिजनक या धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री से बचने की हिदायत दी। सभी थाना प्रभारियों को पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती तथा वरिष्ठ अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों का पूर्व भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने के निर्देश दिए। प्रमुख मार्गों एवं महत्वपूर्ण स्थलों पर सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी रखने को भी कहा गया। उन्होंने सोशल मीडिया पर भ्रामक, आपत्तिजनक पोस्ट, वीडियो अथवा ऑडियो को बिना सत्यापन के साझा नहीं करने तथा ऐसी सामग्री की जानकारी तत्काल पुलिस-प्रशासन को देने की अपील की। बैठक के बाद डीएम और एसपी ने श्री रामडोल शोभायात्रा के निर्धारित मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई, सड़क, विद्युत, पथ प्रकाश और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को शोभायात्रा से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, एएसपी अखिलेश भदौरिया, समस्त थाना प्रभारी, आयोजक, शांति समिति के सदस्य एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बारिश और पिच की चुनौती के बीच बड़ा फैसला

कानपुर। लगातार बारिश और ग्रीन पार्क स्टेडियम की पिच के बदलते मिजाज को देखते हुए यूपी टी-20 लीग सीजन-4 के प्लेऑफ मुकाबलों को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। यूपी टी-20 गवर्निंग काउंसिल इस संबंध में ग्रीन पार्क स्टेडियम में शाम साढ़े छह बजे पत्रकार वार्ता के दौरान आधिकारिक जानकारी साझा करेगी। कानपुर चरण के दौरान रुक-रुककर हो रही बारिश ने लीग के कार्यक्रम को प्रभावित किया है। वहीं, अब तक खेले गए मुकाबलों में पिच पर देखने को मिले अनियंत्रित उछाल को लेकर भी चिंता जताई गई है। खिलाड़ियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्लेऑफ मुकाबलों को लखनऊ स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया है। यूपी टी-20 लीग के चौथे सीजन की शुरूआत लखनऊ के इकाना स्टेडियम से हुई थी, जहां लीग चरण के 22 मुकाबले खेले गए थे। इसके बाद प्रतियोगिता का दूसरा चरण कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में आयोजित किया गया। यहां कुल 12 मुकाबले प्रस्तावित थे, लेकिन मौसम लगातार चुनौती बना हुआ है।

कला उत्सव में छात्र-छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा, विभिन्न विधाओं में जीते पुरस्कार

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अमरोहा में जनपद स्तरीय कला उत्सव का भव्य आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अमरोहा के प्रांगण में मंगलवार को समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत जनपद स्तरीय कला उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक शतानंद शर्मा ने फीता काटकर किया। इसके बाद प्रधानाचार्य श्रीमती स्नेह लता की उपस्थिति में मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। कला उत्सव में जनपद के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे छात्र-छात्राओं ने नृत्य, गायन, वादन, नाटक, चित्रकला, मूर्तिकला, स्थानीय खेल एवं खिलौने तथा पारंपरिक कहानी वाचन समेत 12 विधाओं में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने अपनी कला, रचनात्मकता और सांस्कृतिक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। प्रतियोगिताओं के परिणाम में नृत्य एकल में कुंदन मॉडल इंटर कॉलेज की कक्षा 11 की अंशिका प्रथम तथा जीजीआईसी अमरोहा की कक्षा 10 की अवनी शर्मा द्वितीय रहीं। नृत्य समूह में लिटिल स्कॉलर एकेडमी प्रथम, नेहरू स्मारक द्वितीय और खत्री कन्या इंटर कॉलेज तृतीय रहा। संगीत गायन एकल में कुंदन मॉडल इंटर कॉलेज के कक्षा 12 के सार्थक गोस्वामी प्रथम, जीजीआईसी अमरोहा की कक्षा 11 की काव्य सिंधु द्वितीय तथा लिटिल स्कॉलर एकेडमी की कक्षा 11 की नव्या उपाध्याय तृतीय रहीं। संगीत गायन समूह में लिटिल स्कॉलर एकेडमी प्रथम, नेहरू स्मारक द्वितीय तथा कुंदन मॉडल इंटर कॉलेज तृतीय रहा। संगीत वादन स्वर वाद्य में एएसएम खाता की कक्षा 11 की काव्या शर्मा प्रथम तथा एलएसए की कक्षा 11 की रूपांशी सक्सेना द्वितीय रहीं। अवनद्ध वाद्य में ब्लू बर्ड्स के कक्षा 10 के दक्ष अग्रवाल प्रथम, जीजीआईसी अमरोहा की कक्षा 10 की कंचन द्वितीय तथा जीजीआईसी हसनपुर की कक्षा 10 की शिवी तृतीय रहीं। नाटक एकल में जीजीआईसी अमरोहा की कक्षा 12 की छवि प्रथम तथा ईशा द्वितीय रहीं। नाटक समूह में जीजीआईसी हसनपुर प्रथम और जीजीआईसी अमरोहा द्वितीय रहा। चित्रकला में जीजीआईसी हसनपुर की कक्षा 12 की साधना वर्मा प्रथम, जीजीआईसी अमरोहा की कक्षा 10 की जैनब द्वितीय तथा किसान इंटर कॉलेज ताहरपुर की कक्षा 10 की खुशी तृतीय रहीं। मूर्ति कला में जीजीआईसी अमरोहा की कक्षा 12 की दीपिका प्रथम, शर्मा देवी कन्या इंटर कॉलेज की कक्षा 12 की चाहत द्वितीय तथा जीजीआईसी हसनपुर की कक्षा 12 की प्रिया तृतीय रहीं। स्थानीय खेल एवं खिलौने में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अमरोहा प्रथम, शर्मा देवी कन्या इंटर कॉलेज द्वितीय तथा जीजीआईसी हसनपुर तृतीय स्थान पर रहा।

मुझे जिंदगी में किसी चीज का पछतावा नहीं

देश के जाने-माने फिल्मी परिवार में जन्मीं अक्षरा हासन ने अपने पापा कमल हासन, मम्मी सारिका और बड़ी बहन श्रुति हासन के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टिंग को करियर चुना। हालांकि, उनका कहना है कि उन्हें सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला के कई फॉर्म जैसे डांस, लेखन, निर्देशन आदि से प्यार है। उनके लिए यह सिर्फ एक्टिंग तक सीमित नहीं है। बीते दिनों अपनी फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' को लेकर चर्चा में रहीं अक्षरा ने जब हमने पूछा कि क्या परिवार में पापा, मम्मी, दीदी सभी के एक्टिंग में होने के चलते उनका भी रुझान फिल्मों की ओर हुआ? इस पर उन्होंने कहा, 'बेशक मेरे कला की ओर झुकाव का श्रेय मेरे पैरंट्स को जाता है, क्योंकि उन्होंने मुझे अलग-अलग आर्ट फॉर्म को एक्सप्लोर करने की आजादी दी, लेकिन जहां तक एक्टिंग की बात है, वह कोई एक चीज नहीं है, जिससे मुझे प्यार हुआ।'

एक्टिंग ही नहीं, कई आर्ट फॉर्म से प्यार

मुझे कई आर्ट फॉर्म से प्यार है। जैसे, सबसे पहला तो डांस है। फिर राइटिंग, उसके बाद एक्टिंग से प्यार हुआ। अभी डायरेक्शन है तो मुझे सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला को कई रूपों से प्यार है। ऐसा नहीं है कि मम्मी-पापा एक्टर थे, तो मैं भी एक्टर बन गई। अभी तो मेरा ज्यादा फोकस डायरेक्शन की ओर है। मैं कुछ डायरेक्ट जरूर करूंगी।'

मौके मिले, पर मुश्किलें भी खूब रहीं

अक्षरा ने साल 2015 में अमिताभ बच्चन और धनुष जैसे सितारों के साथ फिल्म 'शमिताभ' से जोरशोर से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था, लेकिन आज 11 साल बाद भी उनका करियर वो परवाज नहीं पा सका। उनके खाते में गिनती की यादगार फिल्में हैं? इसकी वजह पूछने पर वह कहती हैं, 'मुझे मौके मिले लेकिन उसमें मुश्किलें भी खूब रहीं। जो भी फिल्में मुझे मिलीं, उसमें कोई न कोई चीज वर्क नहीं की, इसलिए उसका प्रभाव भी नहीं हुआ। मेरे साथ ज्यादातर यही हुआ। इसीलिए, मैंने खुद को एक्टिंग तक सीमित नहीं रखा, लेखन-निर्देशन जैसी दूसरी विधाओं की ओर मुड़ गई।'

किसी फैसले का पछतावा नहीं

अक्षरा को उनकी पहली फिल्म जाने-माने निर्देशक मणिरत्नम ने ऑफर की थी, जिसे उन्होंने मना कर दिया था। क्या कभी अक्षरा को अपने इस फैसले पर पछतावा होता है? इस पर उनका कहना है, 'मुझे कोई पछतावा नहीं है, क्योंकि हर चीज का एक वक्त होता है। मणिरत्नम सर की फिल्म का जब ऑफर आया था, उस वक्त मेरा फोकस डांस में था और जब मैंने उन्हें अपने दिल की बात बताई तो उन्होंने उसका सम्मान किया और कभी भी मुझे अपराध बोध महसूस नहीं कराया। इसलिए, मुझे उसका कोई अफसोस नहीं है, क्योंकि शायद तब उसका सही समय नहीं था।'

यीन-ऐंग जैसा है दीदी संग रिश्ता

अक्षरा ने हमें अपने पैरंट्स कमल हासन-सारिका और दीदी श्रुति हासन संग बॉन्डिंग के बारे में भी कई बातें बताईं। उन्होंने बताया, 'पापा ने हमेशा यही सिखाया है कि विनम्रता, ईमानदारी और कड़ी मेहनत कामयाबी के तीन मूल मंत्र हैं। इसके अलावा, इंडस्ट्री में किसी चीज को लेकर बहुत जिद्दी नहीं होना चाहिए, हर चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए। ये गुण हमेशा काम करते हैं। यही खूबियां मैंने 'शमिताभ' में काम करते हुए बिग बी में भी देखी थीं।' वहीं, दीदी श्रुति हासन संग रिश्ते पर वह बताती हैं, 'हम बहनें हैं, हम एक दूसरे को लेकर बेहद प्रोटेक्टिव हैं। हम दोस्त भी हैं। हम यीन एंड ऐंग हैं, मतलब हमारा नेचर एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है, लेकिन हम एक-दूसरे के बिना रह भी नहीं सकते। यही चीज हमारे बॉन्ड और मजबूत बनाती है।'

कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी

अक्षरा की फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' यादों को सहेजने और मिटाने जैसे यूनिक विषय पर है। ऐसे में, 'असल जिंदगी में वह कौन सी यादें मिटाना चाहेंगी? और किसे रखना चाहेंगी? यह पूछने पर वह कहती हैं, 'मैं अपनी सारी यादें और अनुभव अपने पास रखूंगी, क्योंकि उसी ने मुझे वह इंसान बनाया है जो मैं आज हूं तो मैं कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी। हर चीज रखना चाहूंगी। कुछ भी डिलीट नहीं करना चाहूंगी क्योंकि मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं है।'

अल्का आहूजा के व्यक्तित्व ने मुझे काफी प्रभावित किया

अभिनेत्री अमृता बागची ने हालिया रिलीज सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा की पत्नी अलका आहूजा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि अलका आहूजा के किरदार ने उन्हें काफी प्रभावित किया था, जिस वजह से वह सीरीज का हिस्सा बनीं। अभिनेत्री ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि अलका आहूजा के व्यक्तित्व ने उन्हें काफी प्रभावित किया, जिसे वह अपने जीवन में लाना चाहती हैं। अभिनेत्री ने बताया, 'अलका आहूजा में एक बहादुर महिला के गुण तो हैं ही लेकिन जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह थी उनकी सकारात्मकता और सहजता। इतनी मुश्किल घड़ियों से गुजरने के बाद भी उनके मन में न तो कड़वाहट है और न ही कभी उनका भरोसा टूटा। उन्होंने बहुत सहजता से अपनी जिंदगी जी है।' सीरीज में दिखाया गया है कि अलका आहूजा अपने पति स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा का रिश्ता दोस्ती और बराबरी का था। अपने किरदार की तैयारी और पति स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा के साथ तालमेल बनाने के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'अलका आहूजा और स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा के रिश्ते को दो तरह के होते हैं। एक तो इस तरह से कि अलका जी और अजय जी के बीच कैसा तालमेल था और वे रोज़मर्रा की ज़िंदगी में एक-दूसरे के साथ कैसे काम करते थे। दूसरी बात, मैंने डायरेक्टर ओनी सेन, क्रिएटर अभिजीत परमार और कुशल श्रीवास्तव से बात की। कुशल कारगिल के समय इंडियन एयरफोर्स में थे। जब मैंने उनसे बात की, तो उन्होंने बताया कि कैसे ओनी, एक डायरेक्टर के तौर पर, परफॉर्मेंस के वॉल्यूम और टोनैलिटी को बहुत अच्छे से गाइड करते हैं।' अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने अलका आहूजा के साथ भी मुलाकात की थी, जिसमें उन्हें किरदार के बुनियाद के बारे में समझने को मिला। उन्होंने कहा, 'अलका जी से मिलने के बाद, मुझे बुनियादी समझ मिली कि दोनों किरदारों के बीच एक बराबरी का मजबूत आधार होना चाहिए। उसके बाद सिद्धार्थ के साथ टेबल रीडिंग और सीन बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई।' अभिनेत्री अलका आहूजा ने अभिनेता सिद्धार्थ के स्वभाव की जमकर सराहना की। उन्होंने बताया कि सिद्धार्थ स्वभाव से ही बराबरी में विश्वास रखने वाले इंसान हैं। साथ ही, बहुत ही मिलनसार और उदार को-एक्टर हैं। उन्होंने कहा, ' जब हमने एक-दूसरे से बात की, तो हमें एहसास हुआ कि हमारी सोच मिलती है। साथ मिलकर काम करने का तरीका बहुत अच्छा रहा और इसीलिए यह कैमरे पर इतनी सहजता से दिखाई दिया।

सुरभि चंदना ने तेजस्वी प्रकाश के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की

टीवी की दुनिया में सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश दोनों ही जाना-पहचाना नाम हैं। दोनों अभिनेत्रियों के बीच कुछ समय पहले एक विवाद की खबरों ने खूब ध्यान खींचा था। अब सुरभि ने पहली बार इस पुराने मतभेद और तेजस्वी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ खुलकर बातें की। अभिनेत्री ने बताया कि हमारी दोस्ती काफी पुरानी है। इंडस्ट्री में रिश्तों में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है, लेकिन जरूरी यह है कि लोग बात करके चीजों को सुलझाएं और आगे बढ़ें। इंडस्ट्री में कलाकारों के एक-दूसरे को सपोर्ट करने की जरूरत पर बात करते हुए सुरभि ने कहा, इंडस्ट्री के लोग अक्सर अच्छे माहौल, स्वस्थ कामकाज और वर्क एथिक्स की बात करते हैं। इन बातों को सिर्फ कहने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि कलाकारों को वास्तव में एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए और एक-दूसरे की उपलब्धियों की सराहना भी करनी चाहिए। सुरभि ने कहा, काम के दौरान रिश्तों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। कलाकारों के बीच किसी बात को लेकर गलतफहमी या मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उसे लंबे समय तक बनाए रखना सही नहीं है। सुरभि ने कहा, तेजस्वी के साथ मेरा रिश्ता अब भी बना हुआ है।

अंधेरी से कोलाबा का सफर नहीं करना चाहतीं अपूर्वा

हमेशा अपने बयानों और सोशल मीडिया एक्टिविटी से सुर्खियों में रहने वाली मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर अपूर्वा मखीजा (रेबिल किड) ने पुष्टि कि है की वे न्यूयॉर्क शिफ्ट हो गई हैं। अपूर्वा का मानना है कि न्यूयॉर्क में जाने के बाद उन्हें अलग एहसास हुआ और फिर उन्होंने इसी शहर में बसने का फैसला लिया। अपूर्वा ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है। दरअसल, अपूर्वा हाल ही में एक पॉडकास्ट में गई थीं, जिसका लिंक उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर करते हुए लिखा, 'अब मैं इंडिया में नहीं रहती।' पॉडकास्ट में अपूर्वा ने बताया कि वे भारत में रहकर अपनी जिंदगी बनाने के बारे में नहीं सोच रही हैं। अपूर्वा ने ये भी कहा कि वे पूरी जिंदगी कंटेंट क्रिएटर नहीं बनना चाहतीं। उन्हें लगता है कि ये काम हमेशा नहीं किया जा सकता और वे अब बिजनेस में जाना चाहती हैं। अपूर्वा ने अपनी कॉलेज लाइफ के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि उनका कॉलेज वाला समय सही से नहीं बीता। पहले 2 साल लॉकडाउन में निकल गए और बाकी के 2 साल वे रिलेशनशिप में थीं। अपूर्वा ने कहा कि कॉलेज में वे बस अपने तब के बॉयफ्रेंड का हाथ पकड़कर घूमती थीं। भारत में रहने को लेकर अपूर्वा का कहना है कि वे अभी तक इस देश के सबसे अच्छे शहर में रह रही थीं, लेकिन वे आगे कि जिंदगी अंधेरी से कोलाबा आना-जाना करते हुए नहीं बिताना चाहतीं। पॉडकास्ट में उन्होंने न्यूयॉर्क शिफ्ट होने का फैसला भी बताया। उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने बहुत जगह घूमी है, लेकिन न्यूयॉर्क में आकर उन्हें वहां रहने का मन हुआ।

अपूर्वा ने कहा, 'मैंने काफी ट्रैवल किया है और जब मैं न्यूयॉर्क पहुंची तो मुझे लगा, 'मैं सच में यहां रहना चाहती हूं, इस शहर में कुछ अलग बात है। यहां सब बहुत तेज है, लोग बहुत अच्छे कपड़े पहनते हैं और खाना भी बढ़िया है। मुझे यहां की बिल्डिंग्स बहुत पसंद हैं और मैंने न्यूयॉर्क को अपनी पसंदीदा वेब सीरीज में लगभग हर जगह देखा है।' अपूर्वा ने ये भी बताया कि वो न्यूयॉर्क में पढ़ाई करने को लेकर इतनी पक्की थीं कि उन्होंने शहर में सिर्फ एक ही कॉलेज में अप्लाई किया। उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा था 'अगर एडमिशन मिल गया तो मिल गया और मैं चली जाऊंगी।'' हालांकि अपूर्वा ने पहले भी कई पॉडकास्ट में न्यूयॉर्क शहर में जाने और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में ज्यादा समय तक न टिकने की बात की है। अपूर्वा का कहना है कि वे आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाएंगी और अभी वे फैशन या मैनेजमेंट में मास्टर्स की तैयारी कर रही हैं।

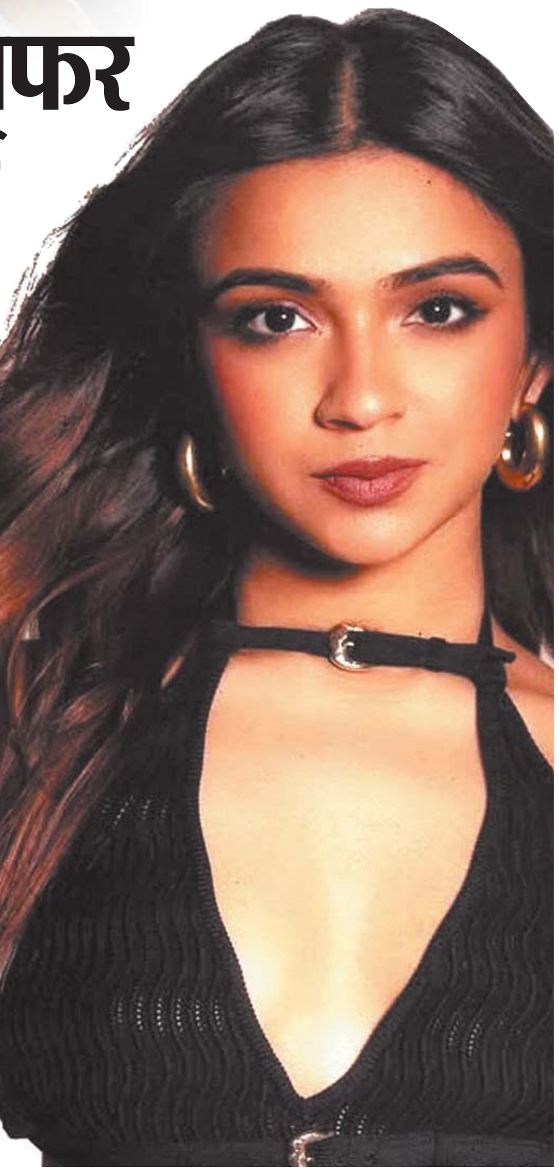

सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं कियारा और सैफ अली खान

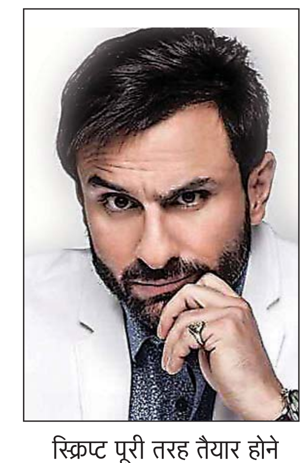

कियारा और सैफ अली खान दोनों एक्टर्स इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों एक इंटेंस थ्रिलर फिल्म में स्क्रीन शेयर कर सकते हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म से राइटर-प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लों बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। पिंकविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस अनटाइटल्ड फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट्स प्रोड्यूस कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म अभी डेवलपमेंट स्टेज में है। इसकी स्क्रिप्ट को खास तौर पर सैफ अली खान और कियारा आडवाणी को ध्यान में रखकर लिखा जा रहा है। मेकर्स इस फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर तक शुरू करने की तैयारी में हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, 'सैफ और कियारा कनिका की अगली फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। यह सुपरनैचुरल एलिमेंट वाली एक इंटेंस थ्रिलर है और इसकी स्क्रिप्ट दोनों एक्टर्स को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। कनिका, एक्सेल एंटरटेनमेंट्स और राइटिंग टीम काफी समय से इस कहानी पर काम कर रही है और अब मेकर्स इसे आगे बढ़ाना चाहते हैं।' फिलहाल फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। स्क्रिप्ट पूरी तरह तैयार होने के बाद मेकर्स फिल्म से जुड़ी और जानकारी शेयर कर सकते हैं।

कियारा आडवाणी की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में यश डबल रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में नयनतारा, हुमा कुरेशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'टॉक्सिक' दुनियाभर में 26 अगस्त 2026 को रिलीज होने वाली है। वहीं सैफ अली खान अगली बार फिल्म 'हैवान' में नजर आएंगे। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिसे प्रियदर्शन ने लिखा और डायरेक्ट किया है। 'हैवान' में सैफ अली खान के साथ अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी नजर आएंगे। फिल्म 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

संक्षिप्त समाचार

गौतम अडानी को साल की सबसे बड़ी चपत! एक झटके में गंवाए 9.5 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के तीसरे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप के सभी शेयरों में सोमवार को भारी गिरावट आई। ग्रुप के शेयरों में 8 फीसदी तक गिरावट देखने को मिली। इससे ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में 9.5 अरब डॉलर यानी करीब 9,01,79,22,50,000 रुपये की गिरावट आई। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ अब 103 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 18.6 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस गिरावट के बावजूद अडानी एशिया के अमीरों की लिस्ट में पहले नंबर पर बने हुए हैं जबकि दुनिया की रईसी की सूची में वह 19वें नंबर पर हैं। सोमवार को ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। कंपनी के शेयरों में लगभग 8 प्रतिशत गिरावट आई। इसी तरह अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में 7.4 प्रतिशत, अडानी ग्रीन एनर्जी लगभग 7 प्रतिशत और अडानी पावर में 6.5 प्रतिशत गिरावट आई। दूसरे शेयरों में भी

बिकवाली का असर दिखा। अडानी पोर्ट्स के शेयर 4.11 प्रतिशत गिरकर बंद हुए जबकि अडानी टोटल गैस के शेयर 2.5 प्रतिशत फिसल गए। ग्रुप की सीमेंट कंपनियों के शेयरों में भी गिरावट देखी गई। अंबुजा सीमेंट्स के शेयरों में 2.5 प्रतिशत और ष्टष्ट के शेयरों में 2.2 प्रतिशत गिरावट आई। इसी तरह एनडीटीवी का शेयर भी 2.2 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ। इस बीच देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में सोमवार को 32.2 करोड़ डॉलर की गिरावट आई। वह 84.9 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 23वें और एशिया में तीसरे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 22.8 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

बिटकॉइन 78,000 डॉलर के ऊपर स्थिर, ईथर-सोलाना समेत बड़े कॉइन फिसले

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में मंगलवार को बिटकॉइनकरीब 78,500 डॉलर के स्तर पर कारोबार करता दिखा, जबकि ज्यादातर क्रिप्टोकरेंसी में गिरावट देखने को मिली। एशियाई कारोबार के दौरान बिटकॉइनपिछले 24 घंटों में लगभग 77,200 से 79,200 डॉलर के दायरे में कारोबार करता रहा। अगस्त में बिटकॉइन ने करीब 24 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की, जो नवंबर 2024 के बाद उसका सबसे मजबूत मासिक प्रदर्शन रहा। इसी बीच, स्ट्रेटेजी ने पिछले सप्ताह करीब 37 करोड़ डॉलर के बिटकॉइन खरीदे। कंपनी ने लगभग दो महीने के

अंतराल के बाद दोबारा बिटकॉइनकी खरीदारी की है। प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में एचवायपीइ सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला कॉइन रहा। इसमें करीब 4 प्रतिशत की तेजी आई और यह लगभग 84 डॉलर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, एथर करीब 1 प्रतिशत गिरकर 2,440 डॉलर से थोड़ा ऊपर रहा। सोलार भी लगभग 1 प्रतिशत फिसलकर 104 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा था। एक्सआरपी 1.40 डॉलर के ठीक नीचे और बीएनबी करीब 693 डॉलर पर रहा। क्रिप्टो बाजार के साथ कुछ प्रमुख एशियाई शेयर बाजारों में भी कमजोरी रही। हांगकांग का हैंग सेंग करीब 1 प्रतिशत गिरकर 25,300 के आसपास आ गया। टेनसेंट और मेइटुआन के शेयरों में करीब 3 प्रतिशत की गिरावट रही। 66,185 के स्तर पर आ गया, जबकि दक्षिण कोरिया के चश्थ्ध्रश्वद्ब में सेमीकंडक्टर शेयरों में सुधार के चलते मामूली तेजी देखने को मिली।

फूटे महंगाई के 6 बम, एलपीजी से सीएनजी और पीएनजी तक के बढ़ गए दाम, दूध भी महंगा

नईदिल्ली, एजेंसी। 1 सितंबर से देश में कई चीजों के दाम बढ़ गए हैं। इनमें एलपीजी से लेकर एलएनजी, पीएनजी और दूध तक शामिल हैं। वहीं कुछ कार कंपनियों ने भी कार की कीमत बढ़ा दी है। ऐसे में अब लोगों को कुछ ज्यादा खर्च करना होगा जिससे उनका बजट गड़बड़ा सकता है। हालांकि कुछ चीजों का असर कुछ राज्यों में ही दिखाई देगा। जानें आज 1 सितंबर ने किन-किन चीजों के दाम में बढ़ोतरी हुई है। कमर्शियल एलपीजी के दाम में बढ़ोतरी हो गई है। सरकारी ऑयल कंपनियों आईओसी, एचपीसीएल, बीपीसीएल 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत बढ़ा दी है। दिल्ली में इसके दाम में 9.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। ऐसे में दिल्ली में अब कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2747.50 रुपये, मुंबई में 2701 रुपये और चेन्नई में 2916.50 रुपये हो गई है। कमर्शियल सिलेंडर के महंगे होने से होटल, ढाबे आदि में खाना-पीना महंगा हो सकता है। वहीं घर मिलने वाली चीजों के दाम में भी बढ़ोतरी हो सकती है। इसके अलावा 5 किलो वाले गैस सिलेंडर का भी दाम 2 रुपये बढ़कर 764 रुपये हो गया है।

मुंबई में सीएनजी और पीएनजी दाम बढ़े

मुंबई में सीएनजी और पीएनजी की सप्लाई करने वाली कंपनी महानगर गैस लिमिटेड ने दोनों गैसों के दाम बढ़ा दिए हैं। सीएनजी के दाम में 2 रुपये प्रति किलो और पीएनजी के दाम में 1 रुपया प्रति की बढ़ोतरी की है। पीएनजी का रेट 53 रुपये प्रति एससीएम हो गया है। सीएनजी के महंगे होने से लोगों का सफर महंगा हो सकता है। वहीं पीएनजी के महंगे होने से इसका असर घर के बजट पर दिखाई देगा।

मुंबई और तमिलनाडु में दूध हुआ महंगा

मुंबई और तमिलनाडु में दूध महंगा हो गया है। बॉम्बे मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने थोक दूध की कीमतों में 9 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इससे दूध की थोक दर 93 रुपये से बढ़कर 102 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं तमिलनाडु सरकार ने आविन दूध का खरीद मूल्य 3 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया गया है। इस बढ़ोतरी के बाद इसकी कीमत 41 रुपये से बढ़कर 44 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

कारें भी हुईं महंगी

आज से कुछ कंपनियों ने अपनी कारों की कीमत बढ़ा दी है। इसमें टाटा और हुंडई शामिल हैं। टाटा मोटर्स ने अपने सभी मॉडल की कारों और वेरिएंट की कीमतें 25 हजार रुपये तक बढ़ा दी हैं। वहीं हुंडई मोटर इंडिया ने भी कीमतों में 1 प्रतिशत तक का इजाफा किया है। ऐसे में वे लोग जो टाटा या हुंडई की कार खरीदना चाहते हैं, उन्हें अब ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे। 1 सितंबर से हवाई जहाज में इस्तेमाल होने वाला एविएशन टर्बाइन फ्यूल भी महंगा हो गया है। घरेलू उड़ानों के लिए जेट फ्यूल में 6.28 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। अब यह 115 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 121.28 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

खराब क्रेडिट स्कोर के चक्कर में अटक गया लोन, स्मार्ट तरीकों से सिबिल को करें बेहतर

वेतन से इतना कम रखें मासिक ईएमआई

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भी आप किसी बैंक से कोई लोन लेते हैं या फिर किसी स्टोर पर जाकर किसी सामान को फाइनेंस कराते हैं, तो उस समय संबंधित संस्था या बैंक के द्वारा सबसे पहले आपका क्रेडिट स्कोर देखा जाता है। लोन की प्रक्रिया के लिए क्रेडिट या सिबिल स्कोर काफी अहम हो जाता है। सिबिल संस्था द्वारा क्रेडिट स्कोर को निर्धारित किया जाता है। इसके अनुसार, 300 से 900 के बीच यह स्कोर रहता है। 750 या उससे अधिक के क्रेडिट स्कोर को अच्छा माना जाता है।

मतलब कि इसपर आपको आसानी से लोन मिल जाता है। लेकिन, अगर आपका क्रेडिट स्कोर कम है तो आपको लोन मिलने में काफी दिक्कत हो सकती है। हो सकता है कि आपका लोन अटक जाए और कोई महत्वपूर्ण कार्य न हो पाए। इसलिए यह जरूरी है कि आप अपने क्रेडिट स्कोर को हमेशा अच्छा रखे। यह बताता है कि आपने पिछला भुगतान कैसे और कब किया था। जब भी कोई इसे चेक करता है तो यह आपके क्रेडिट स्कोर के इतिहास को दिखाता है। अगर आपका यह स्कोर सही है तो अच्छी बात है, लेकिन अगर खराब है तो इससे चिंता करने की बात नहीं है बल्कि आप इसे कुछ बातों का ध्यान देकर आसानी से सुधार सकते हैं। इसे सुधारने की पहली प्रक्रिया है कि सही समय पर अपना भुगतान कर दें। अगर आपके क्रेडिट कार्ड का कोई भुगतान बकाया है तो उसे बिना ड्यू डेट के इंतजार किए या बिना किसी लेट फाइन के समय पर पेमेंट कर दें। आप इसे हमेशा के लिए अपनी एक अच्छी आदत बना लें। कई बार ऐसा देखा जाता है कि लोग किसी भी सामान को ईएमआई पर तो लेते हैं लेकिन वेतन कम या पैसों की व्यवस्था नहीं होने पर उनकी ईएमआई के पेमेंट में दिक्कतें आने लगती हैं। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि अपनी मौजूदा ईएमआई को अपनी सैलरी के 30 फीसदी से कम रखें। अपनी ईएमआई को इसी के दायरे में रखें ताकि आने वाले समय में आपको वित्तीय जोखिम ना उठाना पड़े। इससे आपका क्रेडिट स्कोर भी अच्छा बना रहता है। क्षेत्र के दिग्गज जानकार बताते हैं कि क्रेडिट कार्ड के अत्यधिक इस्तेमाल से बचना चाहिए। इसके यूज को अपने नियंत्रण में रखें। कभी-कभी ऐसा होता है कि बिन जरूरी के भी मन कर देता है कि क्रेडिट कार्ड का यहां भी यूज कर लेना चाहिए, ऐसे में आपको सावधानी बरतनी चाहिए। इससे आपका क्रेडिट कार्ड का बैलेंस कम के साथ हमेशा बना रहता है। जानकार कहते हैं कि अपने बैलेंस को कम बनाए रखें और जब तक कोई अधिक जरूरत ना हो तब तक आप अतिरिक्त क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करने से बचें। आप अपने पास बिना किसी जरूरत से ज्यादा क्रेडिट कार्ड ना रखें। इसके बजाय जरूरत पड़ने पर पुराने वाले कार्ड का ही इस्तेमाल करें और उसका पेमेंट समय पर कर दें। इससे क्रेडिट स्कोर को बेहतर करने में मदद मिलती है।

22,000 करोड़ का दावा और 6.5 करोड़ की रिकवरी!

नई दिल्ली, एजेंसी। मीडिया दिग्गज और एस्सेल ग्रुप के चेयरमैन सुभाष चंद्रा की पर्सनल गारंटी के मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के प्रेसिडेंट जस्टिस अनुपिंदर सिंह ग्रेवाल ने अपनी अध्यक्षता में पांच सदस्यों

वाली एक बेंच का गठन किया है। यह बेंच सुभाष चंद्रा के खिलाफ इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस की इनसॉल्वेंसी याचिका पर सुनवाई करेगी। यह मामला सुभाष चंद्रा की पर्सनल गारंटी से जुड़ा है जो उन्होंने बैंकों को दी थी।

बेंच आज यानी मंगलवार को इस मामले की सुनवाई करेगी। साथ ही आज ही नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करेगा। एनसीएलटी ने सुभाष चंद्रा के पर्सनल इनसॉल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोसेस के तहत लगभग 22,007 करोड़ रुपये के दावों के बदले 6.5 करोड़ रुपये के भुगतान को मंजूरी दी थी।

अलग-अलग राय

हालांकि, अशोक कुमार भारद्वाज और रीना सिन्हा पुरी की डिवीजन बेंच ने सोमवार को कहा कि ट्रिब्यूनल के तीसरे सदस्य की अलग राय के बाद मामले पर फिर से विचार करने के बावजूद कोई बहुमत वाली राय नहीं बन पाई और उन्होंने इसे वापस प्रेसिडेंट को भेज दिया गया। बेंच ने कहा, 'जहां टेक्निकल मेंबर ने प्लान को खारिज कर दिया, वहीं ज्यूडिशियल मेंबर ने प्लान को सिर्फ उन लोगों तक सीमित रखा जिन्होंने इसे स्वीकार और मंजूर किया था और असहमति जताने वाले लेनदारों को अपना कर्ज वसूलने की छूट दी। उन्होंने मुख्य देनदार, देनदार, पर्सनल गारंटर के मामले में बैंकों, वित्तीय संस्थानों और असहमति जताने वाले लेनदारों के दावों को खत्म नहीं किया।

तत्काल सुनवाई की मांग

सोमवार को हाउसिंग फाइनेंस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने की बेंच के सामने यह मामला उठाया और दिन के दूसरे हिस्से में तत्काल सुनवाई की मांग की। मेहता केनरा बैंक और यूनियन बैंक का भी प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर इस आदेश को जारी रहने दिया गया, तो यह इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड के मूल उद्देश्य को ही खत्म कर देगा। दो सदस्यों अशोक कुमार भारद्वाज (ज्यूडिशियल मेंबर) और रीना सिन्हा पुरी (टेक्निकल मेंबर) की अलग-अलग राय थी। इसके बाद प्रेसिडेंट ने तीसरे मेंबर के रूप में ज्यूडिशियल मेंबर नीलेश शर्मा की नियुक्ति की थी।

सोना नहीं खरीदें की पीएम मोदी की रील का असर, टाइटन से कल्याण ज्वेलर्स तक लुढ़के

नईदिल्ली, एजेंसी। अभी कुछ महीने बाद शादियों के सीजन शुरू होने वाले हैं। दशहरा, धनतेरस और दिवाली जैसे बड़े त्योहारों से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक रील पोस्ट करके देशवासियों से फिर से अपील की कि जब तक बहुत जरूरी न हो, सोना न खरीदें। उन्होंने कहा, 'अगर जरूरत नहीं है, तो सोना भी नहीं खरीदना चाहिए। जितना हम स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर जोर देंगे, मुझे पूरा विश्वास है कि जब भारत आजादी के 100 साल पूरे करेगा, तो हम अपनी युवा पीढ़ी को एक विकसित भारत देंगे।' यह साल की दूसरी बार है जब पीएम मोदी ने यह अपील की है। इससे पहले मई में भी उन्होंने एक साल के लिए सोना न खरीदने की सलाह दी थी। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर सोना आयात करता है। सोने का आयात डॉलर में करना पड़ता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ता है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का सोना आयात रिकॉर्ड 71.98 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले साल से 24 प्रतिशत ज्यादा है। पीएम मोदी की यह अपील अनावश्यक सोने की खरीदारी कम करके विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा करने के उद्देश्य से है।

भारत की 7.8 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ से पीएम मोदी गदगद, 'झूठ की गूंज' फैलाने वालों पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ को लेकर खुशी जताई है। उन्होंने इसे भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और लोगों के सामूहिक प्रयास का नतीजा बताया। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया में युद्ध, संकट और सप्लाई चेन में रुकावट के बावजूद भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें उन्होंने मैसेज दिया, '7.8 प्रतिशत ग्रोथ। मजबूत आंकड़े, उससे भी मजबूत भरोसा।' उन्होंने इस प्रदर्शन को देश की सामूहिक जिम्मेदारी और ताकत का प्रदर्शन बताया। पीएम मोदी ने कहा कि इस समय दुनिया कई चुनौतियों से जूझ रही है। अलग-अलग हिस्सों से युद्ध की खबरें आ रही हैं और वैश्विक सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के दौर यानी 2020 के बाद से दुनिया में स्थिरता लगातार चुनौती बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इन सभी चुनौतियों के बावजूद भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने इस उपलब्धि का श्रेय देश के लोगों के संकल्प और मेहनत को दिया। पीएम मोदी ने जीडीपी के आंकड़ों को लेकर देश के भीतर निराशावादी माहौल बनाने वालों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग निराशा में डूबे हुए हैं और लगातार 'झूठ की गूंज' और निराशा फैलाने में लगे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 7.8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि ने ऐसे लोगों के नकारात्मक नैरेटिव को जवाब दिया है। उन्होंने देशवासियों से इसी गति को बनाए रखने और आगे बढ़ते रहने की अपील की। आरबीआई के अनुमान से बेहतर रहा जीडीपी ग्रोथ भारत की अर्थव्यवस्था ने अप्रैल-जून 2026 तिमाही में 7.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि की। यह ग्रोथ भारतीय रिजर्व बैंक के 7 प्रतिशत के

अनुमान से अधिक रही। हालांकि, पिछली तिमाही में दर्ज 8.6 प्रतिशत की वृद्धि के मुकाबले इसमें कमी आई है। वहीं, एक साल पहले की समान तिमाही में ग्रोथ 6.9 प्रतिशत रही थी। इस प्रदर्शन के साथ भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

महारत्न कंपनी 43वीं बार डिविडेंड देने जा रही

नईदिल्ली, एजेंसी। महारत्न कंपनी 43वीं बार निवेशकों को डिविडेंड देने जा रही है। इस डिविडेंड का फायदा उठाने का आज आखिरी दिन है। क्योंकि कल यानी 2 सितंबर की तारीख को कंपनी ने रिकॉर्ड डेट घोषित किया है। हम बात कर रहे हैं एनटीपीसी लिमिटेड की। बता दें, आज 1 सितंबर को कंपनी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। एनटीपीसी लिमिटेड ने दी जानकारी में बताया है कि एक शेयर पर योग्य निवेशकों को 3.50 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 2 सितंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय है। अगर आप भी डिविडेंड का फायदा लेना चाहते हैं तो आज यानी 1 सितंबर को शेयर खरीदने होंगे। बता दें, रिकॉर्ड डेट से एक कारोबारी दिन पहले शेयर खरीदने पर ही बोनस शेयर, डिविडेंड आदि का फायदा मिलता है। इसी साल फरवरी के महीने में एनटीपीसी लिमिटेड के शेयर एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे।

एजुकेशन लोन: समय से पहले बंद कर देना चाहिए एजुकेशन लोन!

नईदिल्ली, एजेंसी। एजुकेशन लोन लेकर पढ़ाई पूरी करने के बाद हर किसी की कोशिश होती है कि कर्ज जल्द से जल्द खत्म हो जाए। अगर आपके पास बोनस, सेविंग्स या कोई अतिरिक्त रकम आई है तो मन करता है कि पूरा एजुकेशन लोन चुकाकर तुरंत कर्ज मुक्त हो जाएं। लेकिन क्या यह फैसला हमेशा फायदेमंद होता है जरूरी नहीं। लोन को समय से पहले बंद करने से भविष्य का ब्याज बच सकता है और हर महीने की ईएमआई का बोझ भी खत्म हो जाता है। लेकिन प्रीपेमेंट करने से पहले ब्याज दर, टैक्स छूट, इमरजेंसी फंड और लोन की शर्तों समेत कई बातों पर गौर करना जरूरी है। एजुकेशन लोन को समय से पहले बंद करने वालों के लिए आरबीआई ने अहम राहत दी है। 2014 में आरबीआई ने व्यक्तिगत उधारकर्ताओं के फ्लोटिंग-रेट टर्म लोन पर फोरक्लोजर या प्रीपेमेंट पेनल्टी हटाने का फैसला किया था। इसके बाद आरबीआई ने प्री-पेमेंट चार्जेस लोन डायरेक्शन 2025 जारी किए। नए नियम 1 जनवरी 2026 से लागू हैं और इनके दायरे में आने वाले लोन, जिन्हें इस तारीख को या इसके बाद मंजूर या रिन्यू किया गया है, उन पर पात्र मामलों में बैंक और प्रीपेमेंट या फोरक्लोजर चार्ज नहीं लगा सकते। हालांकि पुराने लोन पर लागू शर्तें अलग हो सकती हैं, इसलिए अपना लोन एग्रीमेंट जरूर देखें।

अगर ब्याज दर ज्यादा है और लोन चुकाने में अभी कई साल बाकी हैं।

वैभव ने बनाए 40 रन, ईस्ट जोन को 159 का मिला टारगेट

नईदिल्ली (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी दूसरी पारी में 40 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सेंट्रल जोन के खिलाफ अपनी पारी में 3 चौके और 2 छक्के लगाए।सेंट्रल जोन की दूसरी पारी 158 रन पर सिमट गई। ईस्ट जोन को टेस्ट मैच जीतने के लिए 159 रन का टारगेट मिला है। इसके जवाब में टीम ने 27 ओवर में 3 विकेट पर 94 रन बना लिए हैं। कुमार कुशाग्र 16 और कप्तान ईशान किशन 1 रन बनाकर खेल रहे हैं। सेंट्रल जोन की शुरुआत खराब

रही और 37 रन तक टीम के तीन विकेट गिर गए। कप्तान रजत पाटीदार 5 और रिंकू सिंह 20 रन ही बना सके। 95 रन तक 7 विकेट गंवाने के बाद अरशद खान ने लोअर ऑर्डर के साथ मिलकर टीम को 150 रन के पार पहुंचाया। हालांकि टीम 158 रन पर ही सिमट गई। अमन मोखाड़े ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। अरशद खान ने 25 और हर्ष दुबे ने 24 रन की पारी खेली। ईस्ट जोन की ओर से मुकेश कुमार सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 12 ओवर में 44 रन देकर 4 विकेट लिए। मोहम्मद शमी ने 3, जबकि अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और कुनैन कुरैशी ने 1-1 विकेट लिया। मोहम्मद शमी ने दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के पहले दिन बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। ईस्ट जोन की ओर से खेल रहे शमी ने सेंट्रल जोन के खिलाफ 3 विकेट लेकर प्रोफेशनल क्रिकेट में अपने 900 विकेट पूरे किए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले सिर्फ छठे भारतीय गेंदबाज बने। शमी ने 36 साल की उम्र में यह मुकाम हासिल किया।

ब्राजील के खिलाफ भारत ने टीम का किया ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। भारत में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए फीफा वर्ल्ड कप में भाग ले चुकी तीन टीमें- पनामा, ब्राजील और उरुग्वे- भारत का दौरा करने वाली है। ये तीनों टीमें सितंबर और अक्टूबर में भारतीय फुटबल टीम से फ्रेंडली मैच भी खेलने वाली है. जिससे भारत को खुद को परखने का मौका मिलेगा। भारतीय टीम 26 सितंबर को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में पनामा के खिलाफ मैच खेलेगी. इसके बाद वे कोलकाता जाएंगे, जहां उनका मुकाबला 3 अक्टूबर को पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील और 6 अक्टूबर को दो बार की वर्ल्ड चैंपियन उरुग्वे से होगा। बता दें कि ये तीनों टीमें इस साल की शुरुआत में हुए वर्ल्ड कप में खेली थीं, लेकिन पनामा और उरुग्वे ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थीं जबकि ब्राजील राउंड ऑफ 16 में नार्वे से हारकर बाहर हो गई थी। इस तीन इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों के लिए भारतीय फुटबॉल टीम के हेड कोच खालिद जमील ने 26 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा भी कर दी. जिसमें चार गोलकीपर, आठ डिफेंडर, आठ मिडफील्डर और छह फॉरवर्ड शामिल हैं।

भारतीय फुटबॉल टीम

गोलकीपर– एल्बिनो गोम्स, गुरप्रीत सिंह संधू, प्रभसुखन सिंह गिल, सोम कुमार.
डिफेंडर–अभिषेक सिंह टेकचम, आकाश मिश्रा, अनवर अली, बिजॉय वर्गीज, ह्मिंगथनमाविया राल्टे, जय गुप्ता, प्रमवीर, रिकी मीतेई हाओबाम.
मिडफील्डर– अनिरुद्ध थापा, आशिक कुरुनियन, फारुख चौधरी, लालेंगमाविया राल्टे, मैकार्टन निक्सन, मोहम्मद सनन, रिकी शबोंग, सहल अब्दुल समद.
फॉरवर्ड–एडमंड लालरिंडिका, इरफान यादवाड, मनवीर सिंह, रहीम अली, रयान विलियम्स, विक्रम प्रताप सिंह।
चार रिजर्व खिलाड़ी– गोलकीपर ऋतिक तिवारी, डिफेंडर चिंगलेनसाना सिंह कोंशम और रोशन सिंह नाओरेम, मिडफील्डर सुरेश सिंह वांगजाम।

स्टार टेनिस खिलाड़ी की दरियादिली बाढ़ पीड़ितों के लिए दान किए 1 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की स्टार टेनिस खिलाड़ी झेंग छिनवेन ने एक बार फिर मुश्किल वक्त में अपने देश के लोगों का साथ देकर दिल जीत लिया है। याहू स्पोर्ट्स के मुताबिक, इस स्टार खिलाड़ी ने तिब्बत के ग्यिरोंग काउंटी में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों की मदद के लिए एक मिलियन युआन यानी करीब 1.5 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 1.4 करोड़ रुपये) दान किए हैं। चीन चैरिटी फेडरेशन ने इस योगदान की पुष्टि की है। यह मदद ऐसे समय में आई है जब खुद झेंग चोट और सर्जरी के बाद अपने करियर को दोबारा पटरी पर लाने की कोशिश कर रही हैं।

बाढ़ और भूस्खलन ने मचाई भारी तबाही

चीन-नेपाल सीमा के पास स्थित ग्यिरोंग काउंटी में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई। इस आपदा में बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है। राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। इसी मुश्किल घड़ी में झेंग ने आपदा राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए बड़ी रकम दान की। उनका 10 लाख युआन का योगदान प्रभावित लोगों तक आपात सहायता पहुंचाने और बचाव-पुनर्निर्माण कार्यों में इस्तेमाल किया जाएगा। यह पहली बार नहीं है जब झेंग ने प्राकृतिक आपदा के पीड़ितों की मदद के लिए आगे बढ़कर योगदान दिया है।

2023 में भी की थी बड़ी मदद

झेंग ने इससे पहले 2023 में चीन के गांसू प्रांत के जिशिशान काउंटी में आए भूकंप के बाद राहत कार्यों के लिए 2 लाख युआन यानी करीब 28 हजार डॉलर का दान दिया था। इस बार उनका योगदान पहले की तुलना में पांच गुना है। चीन की सबसे चर्चित खेल हस्तियों में शामिल झेंग का यह कदम उनके सामाजिक सरोकार को भी दिखाता है। 23 साल की झेंग ने खेल की दुनिया में भी कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक में महिला एकल का स्वर्ण पदक जीतकर चीन के सबसे बड़े खेल सितारों में अपनी जगह मजबूत की थी।

चोट ने बदली करियर की रफ्तार

हालांकि, पिछले कुछ समय में झेंग के टेनिस करियर को चोट ने बुरी तरह प्रभावित किया। वह कोहनी की चोट के कारण सर्जरी से गुजरीं और लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहीं। इसका असर उनकी रैंकिंग पर भी पड़ा। एक समय दुनिया की नंबर-4 खिलाड़ी रह चुकीं झेंग अब रैंकिंग में 121वें स्थान पर पहुंच गई हैं। चोट के कारण वह 2025 यूएस ओपन में भी हिस्सा नहीं ले सकी थीं। इस सीजन में वापसी के बाद उन्हें शुरुआती दौर में कई हार का सामना करना पड़ा। खुद झेंग ने माना कि लगातार हार से वह मानसिक रूप से भी परेशान हुई।उन्होंने कहा, 'वापसी के बाद मैं कुछ ऐसे मैच हार गई, जिन्हें मुझे नहीं हारना चाहिए था। यह मेरे लिए बहुत दर्दनाक था।' झेंग ने बताया कि उन्हें लगता था कि उन्होंने अपने प्रशंसकों को निराश किया है।

यूएस ओपन में वापसी से नई उम्मीद

चोट से वापसी के बाद झेंग के लिए 2026 यूएस ओपन बेहद महत्वपूर्ण है। मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने के लिए उन्हें क्वालीफाइंग के तीन मुकाबले खेलने पड़े और तीनों में जीत हासिल कर उन्होंने अपनी वापसी को यादगार बनाया। उन्होंने पहले मुकाबले में चीन की यू शियाओदी को 6–3, 6–2 से हराया। इसके बाद क्लारा बुरेल को 6–1, 7–5 से मात दी। आखिरी क्वालीफाइंग मुकाबले में एलेना प्रिदांकिना के खिलाफ पहला सेट जीतने के बाद उन्हें दूसरे सेट में हार मिली, लेकिन निर्णायक सेट में उन्होंने 6–0 की शानदार जीत के साथ 6–4, 3–6, 6–0 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मेसी के संन्यास पर पत्नी हुईं भावुक वीडियो और फोटो शेयर किया

नई दिल्ली। लियोनल मेसी के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से दूसरी बार संन्यास लेने के फैसले ने दुनियाभर के प्रशंसकों को भावुक कर दिया है। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर के इस फैसले के बाद उनकी पत्नी एंटोनेला रोकुजो ने भी सोशल मीडिया पर अपने जज्बात जाहिर किए। उन्होंने मेसी का एक प्यारा वीडियो और बच्चों के साथ तस्वीर साझा की और उनके पूरे सफर को याद करते हुए दिल छू लेने वाला नोट लिखा।

तुम्हें इस तरह सफर खत्म करते देखना गर्व की बात

एंटोनेला ने अपने पोस्ट की शुरुआत मेसी के लिए गर्व जताते हुए की। उन्होंने लिखा, 'तुम्हें इस तरह अपने इस सफर का अंत करते देखना कितने गर्व की बात है।' उन्होंने कहा कि मेसी के सफर में कई साल, अनगिनत पल, खुशियां और मुश्किल दौर रहे। उन्होंने अपने पति को संघर्ष करते, गिरते और फिर उठते हुए करीब से देखा है। एंटोनेला ने लिखा, 'मैंने तुम्हें दुखी होते देखा, गिरते देखा और फिर उठते हुए भी देखा। मैंने तुम्हें तब भी आगे बढ़ते देखा, जब चीजें तुम्हारे मुताबिक नहीं हो रही थीं। और तुम्हें हर बार फिर से कोशिश करते और अपने विश्वास को बनाए रखते देखा।'यह संदेश मेसी के उस दौर की भी याद दिलाता है, जब अर्जेंटीना के साथ लगातार फाइनल हारने के बाद उन्होंने 2016 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। हालांकि, वह बाद में वापस लौटे और उनकी कहानी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने उन्हें फुटबॉल इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में शामिल कर दिया। एंटोनेला ने मेसी द्वारा साझा किया गया एक वीडियो अपनी स्टोरी पर लगाया है।

बच्चों के लिए सबसे खास रही पिता की कहानी

एंटोनेला के पोस्ट का सबसे भावुक हिस्सा उनके बच्चों को लेकर था। उन्होंने बताया कि उनके बच्चों ने मेसी के पूरे सफर को बेहद करीब से देखा है। उन्होंने लिखा, 'हमारे बच्चों का इस कहानी को बेहद करीब से देखते हुए बड़ा होना मुझे सबसे ज्यादा भावुक करता है। उन्होंने अपने पिता को उस चीज के लिए लड़ते देखा, जिसे वह हासिल करना चाहते थे। उन्होंने तुम्हें हार न मानते और आखिरी पल तक विश्वास बनाए रखते देखा।'मेसी और एंटोनेला के बच्चे अपने पिता के करियर के सबसे बड़े पलों के भी गवाह रहे हैं। खास तौर पर 2022 विश्व कप जीत उनके परिवार के लिए बेहद खास रही। अर्जेंटीना ने कतर में फ्रांस को हराकर विश्व कप जीता था और मेसी ने पहली बार अपने करियर में यह ट्रॉफी उठाई थी। एंटोनेला ने लिखा कि उनके बच्चों को मेसी को सब कुछ हासिल करते और विश्व कप की ट्रॉफी उठाते देखने का मौका मिला।

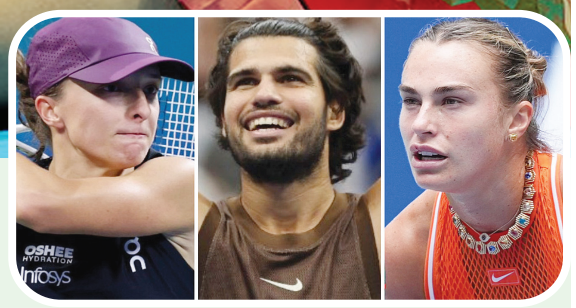

यूएस ओपन: अल्काराज जीते वावरिंका का सफर खत्म

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में जारी यूएस ओपन के दूसरे दिन कई बड़े मुकाबलों ने टेनिस प्रशंसकों का ध्यान खींचा। लंबे ब्रेक के बाद एकल कोर्ट पर लौटे कार्लोस अल्काराज ने जीत के साथ शुरुआत की, जबकि तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर हार के साथ समाप्त हो गया। महिला वर्ग में इगा स्वियातेक, डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका और चोट से वापसी कर रहीं झेंग छिनवेन ने भी दूसरे दौर में जगह बनाई।

अल्काराज ने सीधे सेटों में दर्ज की जीत

चार महीने के ब्रेक के बाद यूएस ओपन में वापसी कर रहे कार्लोस अल्काराज ने रोमन सफीउलिन को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। मिश्रित युगल में सेरेना विलियम्स के साथ शुरुआती मैच में हारने के बाद स्पेनिश स्टार ने एकल मुकाबले में अपनी लय हासिल कर ली। अल्काराज पूरे मुकाबले में नियंत्रण में नजर आए और उन्होंने सीधे सेटों में जीत दर्ज कर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर खत्म

पूर्व यूएस ओपन चैंपियन स्टेन वावरिंका को मैटेओ बेरेटिनी के खिलाफ 7-6(4), 7-6(3), 6-0 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर समाप्त हो गया। वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह 2026 सीजन के बाद पेशेवर टेनिस को अलविदा कह देंगे। उन्होंने 2016 में यूएस ओपन का खिताब जीता था।

शेल्टन ने हार के बाद पलटा मुकाबला

अमेरिका के नंबर-1 बेन शेल्टन ने टैलोन ग्रीक्सपूर के खिलाफ धीमी शुरुआत की। वह पहला सेट 1-6 से हार गए, लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अगले तीन सेट 6-1, 7-6(3), 6-2 से जीत लिए। शेल्टन ने इस तरह मुकाबला 1-6, 6-1, 7-6(3), 6-2 से अपने नाम किया और हाल ही में कनाडा में अपने खिताब का सफल बचाव करने के बाद शानदार फॉर्म जारी रखी।

डेविस को मौका, स्टार्क-कमिंस की वापसी, लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया टीम से बाहर

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका दौरे के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं जोएल डेविस पहली बार वनडे टीम में चुने गए हैं। मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की वापसी हुई है, जबकि पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम से जुड़ेंगे। लाबुशेन लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, मौजूदा फॉर्म को देखते हुए उन्हें इस दौरे के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। लाबुशेन ने पिछली 18 वनडे पारियों में 21.87 की औसत से रन बनाए हैं। ऑलराउंडर जोएल डेविस को पहली बार ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम में चुना गया है। उन्होंने जून में बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। युवा ओली पीक भी टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं। कूपर कोनोली को भी टीम में बरकरार रखा गया है।

सिलेक्टर जॉर्ज बेली ने कहा कि जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका में होने वाली छह मैचों की सीरीज अगले साल के वर्ल्ड कप की तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण है। 2027 का वनडे वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे

और नामीबिया में खेला जाना है।जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे मैचों में मार्श टीम की कप्तानी करेंगे। रेगुलर कप्तान पैट कमिंस साउथ अफ्रीका सीरीज में टीम से जुड़ेंगे। हालांकि कमिंस ने संकेत दिया है कि वे साउथ अफ्रीका के सभी तीन वनडे नहीं खेलेंगे, ऐसे में मार्श फिर कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

स्टार्क भी साउथ अफ्रीका सीरीज में वनडे टीम में वापसी करेंगे। जोश हेजलवुड दोनों सीरीज के लिए टीम में हैं। स्पेंसर जॉनसन भी एक साल से ज्यादा समय बाद वनडे क्रिकेट में वापसी करेंगे, जबकि बिली स्टेनलेक को भी तेज गेंदबाजी आक्रमण में शामिल किया गया है।

पाकिस्तान क्रिकेट: मिसबाह-उल-हक का इस्तीफा, सात खिलाड़ियों को किया बाहर

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम इन दिनों इंग्लैंड में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है. पहले दो मैच हारकर ही वो सीरीज हार चुके हैं. लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में उन्हें 194 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा. इससे पहले लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में उन्हें पारी और 103 रनों हार मिली थी. ये पिछले छह टेस्ट मैचों में से पाकिस्तान की पांचवीं हार है।

टीम के लगातार खराब प्रदर्शन की वजह से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) खिलाड़ी और कोच से खुश नहीं है. इसलिए बोर्ड ने सीरीज के बीच में ही आखिरी टेस्ट से पहले टीम में बड़े बदलाव कर दिए हैं. बोर्ड ने कोच समेत सात खिलाड़ियों को टीम से एजबेस्टन में 9 सितंबर से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच से पहले ही हटा दिया है।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिसबाह-उल-हक ने पाकिस्तान पुरुष राष्ट्रीय सिलेक्शन कमिटी से इस्तीफा देने की पेशकश की है। यह कदम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा इंग्लैंड दौरे के दौरान टेस्ट टीम और कोचिंग स्टाफ में बड़े बदलाव करने के फैसले के बाद उठाया गया है। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी ने अभी तक मिसबाह का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने लाहौर में नेशनल क्रिकेट

एकेडमी में बैटिंग कंसल्टेंट की भूमिका से भी हटने का फैसला किया है।

टीम से बाहर होने वाले खिलाड़ी

टेस्ट स्क्वाड से बाहर होने वाले खिलाड़ियों में सलमान अली आगा, विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान, ओपनिंग बल्लेबाज इमाम-उल-हक, अली उस्मान, आमिर जमाल, मुहम्मद अवैस जफर और खुर्रम शहजाद के नाम शामिल हैं।

कोच की भी छुट्टी

यह बदलाव सिर्फ खिलाड़ियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि रेड-बॉल हेड कोच सरफराज अहमद और बॉलिंग कोच उमर गुल को भी उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है. उनकी जगह अब व्हाइट-बॉल के हेड कोच माइक हेसन और एशले नोफके को रखा गया है।

7 नए खिलाड़ियों की टीम में एंट्री

बाहर किए गए 7 खिलाड़ियों की जगह 7 नए खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है. जिसमें टेस्ट स्तर पर पांच अनकैप्ड और दो कैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं. जिसमे बल्लेबाज साइम अयूब और अब्दुल्ला फजल के साथ-साथ बाएं हाथ के स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर अराफात मिन्हास शामिल हैं. अनकैप्ड खिलाड़ी मोहम्मद इमरान जूनियर, साद बेग, मोहम्मद इमरान और रजाउल्लाह भी टीम से जुड़ेंगे।

साइम अयूब 8 टेस्ट और अब्दुल्ला फजल दो टेस्ट मैच खेल चुके हैं. जबकि अराफात मिन्हास ने तीन वनडे और चार टी-20 मैच खेले हैं. इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद इमरान जूनियर, विकेटकीपर-बल्लेबाज और कायद-ए-आजम ट्रॉफी 2025-26 के 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' साद बेग, और दाएं हाथ के पेस बॉलिंग ऑलराउंडर मोहम्मद इमरान (जिन्हें इमरान रंधावा के नाम से भी जाना जाता है) और रजाउल्लाह हैं।

पाकिस्तान की अपडेटेड टेस्ट स्[ाड

बाबर आजम (कप्तान), अब्दुल्ला फजल, अराफात मिन्हास, अजान अवैस, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद अली, मुहम्मद इमरान, मोहम्मद इमरान जूनियर, मुहम्मद गाजी गोरी (विकेटकीपर), रजाउल्लाह, साद बेग (विकेटकीपर), साइम अयूब, साजिद खान, सऊद शकील, शान मसूद और उबैद शाह।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran

बिहार में अब क्यूआर कोड से खाद खरीदेंगे किसान, अधिक दाम वसूलने पर होगी कार्रवाई

पटना, एजेंसी। खेत बचाओ, गुणवत्तायुक्त बीज और खाद सुलभ कराओ अभियान किसान हित में विभाग की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इसका उद्देश्य उर्वरक बिक्री व्यवस्था को पारदर्शी, सुव्यवस्थित, जवाबदेह और किसान-केंद्रित बनाना है। ये बातें सोमवार को कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहीं। वे मीठापुर स्थित कृषि भवन सभागार में विभागीय अधिकारियों के कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि किसान को अब क्यूआर कोड उपलब्ध कराया जाएगा। यह क्यूआर कोड तीन दिनों तक मान्य रहेगा। इसके माध्यम से किसान उसमें अंकित अधिकृत उर्वरक विक्रेता से निर्धारित प्रक्रिया के तहत भुगतान कर उर्वरक खरीद सकेंगे।

प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करना आवश्यक: उन्होंने कहा कि किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक समय पर और सुगमता से उपलब्ध कराना कृषि विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उर्वरक की उपलब्धता, वितरण और बिक्री व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही तथा प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करना आवश्यक है।

उर्वरक बिक्री व्यवस्था को डिजिटल और

किसान-केंद्रित बनाने के लिए विभाग ने एफएसएएस (उर्वरक बिक्री आवेदन प्रणाली का ढांचा) के माध्यम से ऑनलाइन व्यवस्था विकसित की है। आइएफएमएस और एग्रीस्टैक के एकीकरण से उर्वरक की खरीद-बिक्री प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने का प्रयास किया गया है।

शिकायत पर तत्काल कठोर कार्रवाई के निर्देश

कृषि मंत्री ने निर्धारित मूल्य से अधिक पर बिक्री, कालाबाजारी, जमाखोरी या अन्य अनियमितता की शिकायत पर तत्काल कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तकनीक का उद्देश्य किसान की सुविधा बढ़ाना है, उसकी परेशानी नहीं। किसी भी तकनीकी या प्रशासनिक समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए।

बंगाल में युवाओं को मिलेगा रोजगार, सभी विभागों में एक साल के भीतर खाली पदों को भरने का मेगा प्लान

कोलकाता, एजेंसी। लंबे समय से सरकारी नौकरियों का इंतजार कर रहे बंगाल के बेरोजगार युवाओं के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। राज्य सरकार ने प्रशासनिक विभागों में वर्षों से खाली पड़े पदों को भरने के लिए एक बड़े अभियान की शुरुआत कर दी है। सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि अगले एक साल के भीतर जिन विभागों में कर्मचारियों की सबसे ज्यादा किल्लत है, उन सभी जरूरी रिक्तियों की पहचान कर विस्तृत प्रस्ताव जल्द से जल्द भेजा जाए। नवान्न (राज्य सचिवालय) सूत्रों के अनुसार, राज्यस्तरीय 'मैनपावर रैशनेलाइजेशन कमेटी' की आगामी बैठक से पहले तमाम प्रशासनिक विभागों से उनके यहां खाली पदों का पूरा हिसाब–किताब मांगा गया है। हालांकि एक साथ सभी रिक्तियों को भरने के बजाय सरकार ने चरणबद्ध तरीके से सबसे ज्यादा जरूरी और महत्वपूर्ण पदों पर प्राथमिकता के आधार पर नियुक्तियां करने का निर्णय लिया है। पिछले कुछ वर्षों में बड़ी संख्या में कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने और नए पदों पर भर्ती न होने के कारण प्रशासनिक कामकाज पर भारी दबाव पड़ रहा था। कई विभागों में तो स्थिति यह है कि कर्मचारियों की भारी कमी के कारण आम जनता को मिलने वाली दैनिक नागरिक सेवाएं भी प्रभावित हो रही थीं। सरकार इस असंतुलन को दूर करने के लिए पूरी पारदर्शिता के साथ काम करना चाहती है। आगामी मंगलवार तक सभी संबंधित विभागों को अपनी रिपोर्ट और रिक्तियों का ब्योरा कमेटी के पास जमा कराने का कड़ा निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पंजाबी इन्फ्लुएंसर मंजीत की मौत केस में नया खुलासा

मोहाली, एजेंसी। पंजाबी इन्फ्लुएंसर मंजीत कौर की मौत के मामले की जांच जैसे–जैसे आगे बढ़ रही है, घटना को लेकर कई अहम सवाल सामने आ रहे हैं। मंजीत तीन जुलाई को चंडीगढ़ के सेक्टर–34 में आई थी। उस समय उसके साथ उसकी एक युवती दोस्त भी थी, जिसे मंजीत की बेस्ट फ्रेंड बताया जा रहा है। मंजीत के पास थार गाड़ी थी। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि घटना वाली रात वह थार में सेक्टर–34 पहुंची थी या फिर कैब में। मंजीत की बेस्ट फ्रेंड नेहा को लेकर भी पुलिस जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, तीन जुलाई को घटना हुई थी और चार जुलाई को नेहा मोहाली के शोको और मास्क क्लब गई थी। उसके मोबाइल फोन में उस समय मंजीत की फोटो थी। मंजीत की मां कांता देवी ने पुलिस को दिए बयानों में आरोप लगाया है कि शुभी और पिंदा ने मंजीत को सेक्टर–34 स्थित शराब के ठेके के पास बुलाया था। इसके बाद उसके साथ मारपीट कर उसे गाड़ी में अगवा किया गया और मोरिंडा के जंगल क्षेत्र में ले जाकर पेड़ से बांधकर आग लगा दी गई। पुलिस अब इस बयान और जांच में सामने आ रही सेक्टर–34 में पहुंचने की बात को लेकर जांच कर रही है।

संक्रामक रोगों का हॉटस्पॉट बना मेरठ मंडल, स्वाइन फ्लू-डेंगू के 435 मामले आए सामने; सर्वे पर भी उठे सवाल

गाजियाबाद, एजेंसी। शासन स्तर से आये दिन जारी होने वाले दिशा निर्देशों के बाद भी एक जुलाई से शुरू होकर 31 जुलाई तक संचालित होने वाला डोर टू डोर संचारी रोग नियंत्रण अभियान बेअसर हो रहा है। कम से कम मेरठ मंडल के छह जिलों की ताजा रिपोर्ट से तो यह साफ लगता है। 31 अगस्त देर शाम को जारी की गई रिपोर्ट बयां कर रही है कि मेरठ मंडल संक्रामक रोगों का हाट स्पाट बनता जा रहा है। मेरठ मंडल में स्वाइन फ्लू के संग डेंगू ने भी पैर पसारने शुरू कर दिये हैं।अगस्त तक मंडल के छह जिलों में स्वाइन फ्लू के 302 और डेंगू के 133 केस मिल चुके हैं। मलेरिया के 83,स्क्रब टायफस के 25,लेप्टोस्पायरोसिस के 27 और चिकनगुनिया का भी एक केस मिल चुका है। खास बात यह है कि शासन स्तर से रोज समीक्षा होने के बाद भी संचारी रोगों पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। सर्वे भी कमजोर पड़ रहा है। अधिकांश केस प्राइवेट लैबों में जांच के बाद पुष्ट किये जा रहे हैं। जिले वार गठित सर्विलांस विंग और मलेरिया अनुभाग की गतिविधियां भी संचारी रोग बढने पर सवालों के दायरे में आ रहीं हैं। हर साल सर्वे एवं एंटी लार्वा स्प्रे और लार्वा नष्ट करने के लिये ब्रीड चेकर रखे जाते हैं। कीटनाशक दवाओं का छिड़काव भी कराया जाता है।

बोरवेल में गिरा 9 साल का बच्चा, 48 फीट की गहराई पर मिट्टी और पाइप के बीच फंसा

जयपुर, एजेंसी। अलवर जिले के बुटोली गांव में नौ वर्षीय बच्चा खेलते हुए तीन सौ फीट गहरे खुले बोरवेल में गिर गया। बच्चा करीब 48 फीट गहराई पर मिट्टी व पाइप के बीच फंसा हुआ है। देर रात तक बचाव कार्य जारी रहा, पर बच्चे को नहीं निकला जा सका। जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम करीब छह बजे भानू अन्य बच्चों के साथ खेल रहा रहा था। इसी दौरान वह खुले बोरवेल में गिर गया। सूचना मिलने पर प्रशासन और पुलिस के अफसरों की टीम आपदा प्रबंधन दल के साथ मौके पर पहुंची। बच्चे को बाहर निकालने के लिए बोरवेल के आसपास जेसीबी व अन्य मशीनों से खुदाई की गई। स्वजन बार–बार बच्चे को आवाज दे रहे हैं, जिसका वह जवाब दे रहा है। रस्सी के सहारे पानी की बोतल, बिस्किट बच्चे तक पहुंचाए गए। बोरवेल काफी समय से बंद था, काम नहीं आ रहा था।

नागपुर में मॉर्निंग वॉक पर निकले बुजुर्ग को तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर

नागपुर, एजेंसी। महाराष्ट्र के नागपुर से दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आ रही है, जहां जापानी गार्डन इलाके में रविवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले एक बुजुर्ग की तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नागपुर के जापानी गार्डन इलाके में सुबह–सुबह बुजुर्ग मॉर्निंग वॉक पर निकला था।

राधा उपाध्याय बनीं ओवरआल तीज क्वीन, देहरादून तीज महोत्सव में महिलाओं ने बिखेरे लोक संस्कृति के रंग

देहरादून, एजेंसी। लाडपुर-तपोवन रोड स्थित ब्लाक सभागार में आयोजित तीज महोत्सव में महिलाओं ने लोक संस्कृति

का संदेश देते हुए गीत और नृत्य की प्रस्तुति से रंग जमाया। लोकगायिका पूनम सती के गीतों पर महिलाएं झूम उठीं। राधा उपाध्याय ने ओवरआल तीज क्वीन का खिताब जीता। महोत्सव में लोक नृत्य, कथक, योग और फिल्मी गीतों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। तीज के रंग में सजी महिलाओं ने रैंप वाक के साथ सावन के गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। इस दौरान तीज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

40 से कम आयुवर्ग में राधिका बड़थ्वाल प्रथम, मीनाक्षी सेमवाल द्वितीय, जबकि सोनिया तृतीय रहीं। 40 से अधिक आयुवर्ग में अलकनंदा सेमवाल बहुगुणा प्रथम, मोनिका द्वितीय, जबकि भावना ने तृतीय स्थान हासिल किया। मुख्य अतिथि रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ, विशिष्ट अतिथि महापौर सौरभ थपलियाल व महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने विजेताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम के संयोजक पूर्व पार्षद कविंद्र सेमवाल ने कहा कि इस तरह के आयोजन आगे भी किए जाएंगे। इस मौके पर पार्षद अभिषेक पंत, कपिल धर, विजय लक्ष्मी, पूजा नेगी, प्रशांत डोभाल, रायपुर मंडल अध्यक्ष उज्ज्वल नेगी, पूर्व अध्यक्ष रुद्रेश शर्मा, राकेश थपलियाल आदि मौजूद रहे।

लखनऊ समेत 25 जिलों में तीन दिनों तक होगी भारी बारिश, सितंबर में बदलेगा मौसम का मिजाज

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी में पिछले तीन-चार दिन से मानसून कमजोर पड़ गया है, लेकिन सितंबर के पहले सप्ताह में मौसम का मिजाज बदलेगा।

एक से तीन सितंबर तक लखनऊ और सुल्तानपुर समेत पूर्वी एवं दक्षिणी यूपी में मध्यम से भारी वर्षा को लेकर अलर्ट किया गया है। इस दौरान 25 जिलों में गरज-चमक के साथ वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है।

वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह के अनुसार, मंगलवार और बुधवार को बांदा, प्रयागराज, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, संत रवि दास नगर, रायबरेली, सुल्तानपुर, अमेठी, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या, अंबेडकरनगर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, संभल और आसपास के कई जिलों में भारी वर्षा के पूर्वानुमान हैं। गुरुवार तक इन जिलों में अच्छी बारिश के संकेत मिल रहे हैं। शुक्रवार रात या शनिवार से मौसम फिर करवट लेगा और मानसूनी सक्रियता में कमी होगी। सोमवार को मुरादाबाद में सर्वाधिक 149 मिमी बारिश हुई, जबकि प्रयागराज में 132 मिमी, चित्रकूट में 67 मिमी वर्षा हुई। राजधानी में सोमवार को सुबह से ही बादलों की आवाजाही के बीच कहीं-कहीं बूंदाबांदी हुई। दोपहर बाद हल्की उमस बढ़ी, लेकिन देर शाम मौसम अचानक बदला और काले बादल छाए रहने के साथ

करीब 30 मिनट तक जोरदार बारिश हुई। हल्की हवा के साथ हुई बरसात से मौसम काफी अच्छा हो गया और लोगों को उमसभरी गर्मी से राहत मिली। गोमतीनगर, हजरतगंज, निशातगंज समेत शहर के कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। सोमवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस कम है। अधिकतर जिलों में तापमान की यही स्थिति रही। मंगलवार को दिन का पारा 30 डिग्री सेल्सियस रहने के पूर्वानुमान हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, अगस्त माह में उम्मीद से अधिक बारिश हुई। एक अगस्त से 31 अगस्त तक प्रदेश में सामान्य वर्षा 235.5 मिमी की तुलना में 291.3 मिमी यानी करीब 24 प्रतिशत अधिक बरसात हुई है। इसमें पूर्वी यूपी में सामान्य से 20 प्रतिशत और पश्चिमी यूपी में 29 प्रतिशत बादल अधिक बरसे हैं। एक जून से 31 अगस्त तक सामान्य से 0.7 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

एल्गोरिदम से बच्चों को असली खतरा: मेटा की पाबंदियों पर सवाल; विशेषज्ञ बोले- बच्चों को क्या दिखाया जा रहा

वॉशिंगटन, एजेंसी। बच्चों को सोशल मीडिया के संभावित नुकसान से बचाने के लिए इस्तेमाल की उम्र व समय सीमा तय करना पर्याप्त नहीं है। असली चुनौती यह है कि प्लेटफॉर्म के एल्गोरिदम बच्चों को किस तरह का कंटेंट बार-बार दिखा रहे हैं और उन्हें उसी ओर क्यों खींच रहे हैं। मेटा की नई पाबंदियों के बाद विशेषज्ञों ने इसी पहलू पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि केवल स्क्रीन टाइम घटाने से बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया के प्रभाव को खत्म नहीं किया जा सकता।

बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया के असर को लेकर चल रहे कानूनी विवाद के बीच मेटा ने अमेरिकी राज्यों के साथ समझौता किया है। कंपनी 18 अरब डॉलर तक का भुगतान करेगी। साथ ही अमेरिका में 18 साल से कम उम्र के फेसबुक और इंस्टाग्राम उपयोगकर्ताओं के लिए रोजाना अधिकतम दो घंटे इस्तेमाल की सीमा और रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक रोक लागू की जाएगी। नेचर की रिपोर्ट के अनुसार यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की मनोवैज्ञानिक कैथरीन मोडकी के अनुसार बच्चों की सुरक्षा का केंद्र उन एल्गोरिदम पर होना चाहिए जो तय करते हैं कि उन्हें कौन-सा कंटेंट बार-बार दिखेगा। समझौते के तहत मेटा 18 साल से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं को लक्षित कंटेंट एल्गोरिदम बंद करने का विकल्प देगा, लेकिन डिफॉल्ट सेटिंग में एल्गोरिदम चालू रहेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने पिछले दिसंबर में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाई थी। इसके तीन महीने बाद करीब 900 अभिभावकों के सर्वे में लगभग 70 प्रतिशत ने बताया कि उनके बच्चे का अब भी किसी प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट था।

एपल मैप्स पर दिखेगा 'लेक अमेरिका' नाम: ट्रंप ने कंपनी को दिए निर्देश

शिकागो, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एपल से अपने नक्शे वाले एप में ओंटारियो झील का नाम बदलकर 'लेक अमेरिका' करने को कहा है। ट्रंप प्रशासन के गृह मंत्री डग बर्गम ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह बात ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के कुछ दिन बाद सामने आई है, जो अब कनाडा के साथ बढ़ते व्यापार युद्ध के बीच चर्चा में है। गृह मंत्री डग बर्गम ने फॉक्स न्यजू से कहा कि ट्रंप ने 'सीधे एपल से संपर्क किया है'। उन्होंने कहा कि उन्हें भरोसा है कि जल्द ही एपल के प्लेटफॉर्म पर 'लेक अमेरिका' नाम दिखाई दे सकता है। एपल ने सोमवार को इस मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। लंबे समय से ओंटारियो लेक के नाम से जानी जाने वाली यह झील अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य और कनाडा के ओंटारियो प्रांत के बीच है।

अमेरिका में एपल के प्रतिद्वंद्वी गूगल मैप्स ने पिछले सप्ताहांत ही अपने अमेरिकी यूजर्स के लिए नया नाम दिखाना शुरू कर दिया। कंपनी ने इसके लिए ट्रंप के हालिया आदेश का हवाला दिया। साथ ही उसने अपनी पहले से चली आ रही नीति का भी जिक्र किया। इस नीति के तहत गूगल उन नामों का इस्तेमाल करता है, जिन्हें अमेरिकी भौगोलिक नाम सूचना प्रणाली यानी जीएनआईएस में दर्ज किया गया है। गूगल ने शनिवार को एक बयान में कहा, अमेरिका में मैप्स इस्तेमाल करने वाले लोगों को 'लेक अमेरिका' दिखाई देगा। कनाडा में लोगों को ओंटारियो लेक ही दिखाई देगी। अमेरिका और कनाडा से बाहर रहने वाले लोगों को दोनों नाम दिखाई देंगे। गूगल ने कहा कि ऐसे बदलाव उसकी लंबे समय से चली आ रही नीति के तहत किए जाते हैं। यह नीति उन जल क्षेत्रों पर लागू होती है, जिनके नाम अलग-अलग देशों में अलग-अलग हैं।

यीड़ा में घरों की बढ़ती मांग पर बड़ा दांव, ग्रुप हाउसिंग के पांच भूखंडों की योजना जल्द होगी लॉन्च

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। यमुना प्राधिकरण आवासीय मांग को पूरा करने के लिए ग्रुप हाउसिंग भूखंड की योजना निकालने जा रहा है। योजना में पांच भूखंड शामिल हो सकते हैं। प्राधिकरण ई नीलामी के जरिये भूखंडों का आवंटन करेगा। इसके साथ ही बड़े ग्रुप हाउसिंग भूखंडों को छोटे आकार में बांटकर उनकी योजना निकालने पर विचार किया जा रहा है। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में आवास की मांग लगातार बढ़ रही है। प्राधिकरण की आवासीय भूखंड योजना में लाखों की संख्या में आवेदन होते हैं, जबकि भूखंडों की संख्या इसके सापेक्ष बेहद कम रहती है। आवास की मांग को देखते हुए प्राधिकरण भूखंड योजनाओं के साथ ग्रुप हाउसिंग श्रेणी में भी भूखंड योजना निकालने की तैयारी कर रहा है। जल्द ही इस योजना को लांच कर दिया जाएगा। राजस्व प्राप्ति के लक्ष्य को पूरा करने के लिए ग्रुप हाउसिंग भूखंड योजना प्राधिकरण के लिए अहम साबित हो चुकी है। सीईओ राकेश कुमार सिंह का कहना है कि जल्द ही ग्रुप हाउसिंग योजना को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में चाकूबाजी: महिला ने दो लोगों को मारा चाकू

अल्बानी, एजेंसी। अमेरिका में न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में एक महिला ने दो लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद पुलिस ने हमलावर महिला को गोली मार दी, जिससे उसकी भी मौत हो गई। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने बताया कि हमले में घायल एक महिला की भी मौत हो गई।

सोमवार को हुई यह घटना न्यूयॉर्क पुलिस विभाग की एक चौकी के पास वन टाइम्स स्क्वायर के ठीक बाहर हुई। इसी इमारत में शहर में हर साल होने वाले नववर्ष की पूर्व संध्या के बॉल ड्रॉप कार्यक्रम का आयोजन होता है। यह न्यूयॉर्क के सबसे ज्यादा पर्यटकों और पुलिसकर्मियों की मौजूदगी वाले इलाकों में से एक है।

घायल महिला की अस्पताल में हुई मौत: पुलिस के अनुसार, क्वींस की रहने वाली 49 वर्षीय महिला ने खरीदारी के बैग से दो चाकू निकाले। उसने पहले 68 वर्षीय व्यक्ति के पेट में चाकू मारा। इसके तुरंत बाद उसने 32 वर्षीय महिला के पेट में भी चाकू मार दिया। दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, महिला की मौत हो गई, जबकि

पुरुष की हालत स्थिर है। पुलिस ने यह नहीं बताया कि दोनों पीड़ित शहर घूमने आए पर्यटक थे या स्थानीय निवासी।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में कम से कम 10 पुलिसकर्मी महिला को घेरे दिखाई दे रहे हैं। उसके हाथ में रसोई में इस्तेमाल होने वाले दो बड़े चाकू थे। पुलिस आयुक्त जेसिका टिश ने सोमवार शाम संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पुलिसकर्मियों ने कई मिनट तक महिला को चाकू छोड़ने के लिए समझाने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने उस पर टेजर का इस्तेमाल किया। टिश के अनुसार, महिला ने पुलिसकर्मियों से कहा, 'मैं कुछ नहीं छोड़ रही हूं, मैं तुम दोनों को मारना पसंद करूंगी।' इसके बाद दो पुलिसकर्मियों ने महिला को गोली मार दी। राहगीरों द्वारा बनाए गए वीडियो में महिला जमीन पर गिरती दिखाई दे रही है। इसके बाद एक पुलिसकर्मी ने उसके हाथ में हथकड़ी लगाई। पुलिसकर्मियों ने उसे पीठ के बल लिटाया और प्राथमिक उपचार दिया। टिश ने कहा, 'यह टाइम्स स्क्वायर के बीचोंबीच सामने आई बेहद खतरनाक स्थिति थी, जो दुनिया का चौराहा है।' टिश ने बताया कि महिला का न्यूयॉर्क पुलिस विभाग के पास मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा रिकॉर्ड था, लेकिन उसका कोई गिरफ्तारी रिकॉर्ड नहीं था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। टिश ने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे यह संकेत मिले कि यह आतंकवादी हमला था। पुलिस के अनुसार, पीड़ितों के नाम उनके परिजनों को सूचना दिए जाने तक जारी नहीं किए गए हैं। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा, 'हम जानते हैं कि आज जो हुआ, उससे उन परिवारों की जिंदगी बिखर गई है और हम आने वाले घंटों, दिनों और हफ्तों में उनके साथ खड़े रहेंगे।' न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने 7वीं एवेन्यू के एक हिस्से को बंद कर दिया और लोगों को इलाके से दूर रहने की चेतावनी दी।

नेपाल में एक ही घर से 24 शव बरामद

काठमांडू, एजेंसी। नुवाकोट जिले के भोटे कोशी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बिदुर नगर पालिका–10 (वेत्रवंती) में एक ही घर के मलबे से 24 शव निकाले गए हैं। नुवाकोट के एसपी बिपिन रेग्मी ने बताया कि बरामद किए गए शवों में 13 महिलाएं, 11 पुरुष और एक बच्चा शामिल है। फिलहाल शवों की पहचान नहीं हो सकी है और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए काठमांडू के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग अस्पताल भेज दिया गया है।

त्रिशूली सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल राजेंद्र दवाड़ी के सही समय पर लिए गए फैसले ने करीब 900 छात्रों की जान बचा ली। बाढ़ की चेतावनी मिलते ही प्रिंसिपल दवाड़ी ने तुरंत स्कूल खाली कराया और सभी मौजूद छात्रों को पास की एक सुरक्षित पहाड़ी पर पहुंचा दिया। कुछ ही देर बाद पानी, कीचड़ और चट्टानों का तेज बहाव स्कूल की पूरी इमारत को बहा ले गया। हादसे के वक्त स्कूल के 1,643 छात्रों में से करीब 900 कैंपस में मौजूद थे। दुर्भाग्य से, स्कूल के दो कर्मचारी समय पर बाहर नहीं निकल सके और वे अभी भी लापता हैं।आपदा को आए कई दिन हो गए हैं, लेकिन लापता लोगों की तादाद अब भी हजारों में बनी हुई है। कुल मिलाकर करीब 4,000 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। रसुवा जिले के उत्तरगया गांव में ही करीब 350 छात्रों का कोई सुराग नहीं है। त्रिशूली 3ए हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में काम करने वाले 40 से 42 इंजीनियर फंसे हुए हैं। आपदा के समय ये सभी काम पर तैनात थे। त्रासदी के छठे दिन भी यहां रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू नहीं किया जा सका है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,